भारत में 12 सूर्य मंदिर में हण्डिया

छठ मेले में डीएम रवि प्रकाश की रही पैनी नजर

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

जिले के ऐतिहासिक सूर्यमंदिर मे भीड़ को देखते हुए क्ड रवि प्रकाश ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि मेल में चप्पे-चप्पे पुलिस बल महिला एवं पुरूष बल की तैनाती की लगभग एक दर्जन दारोगी एवं कई दर्जन पुलिस बल तैनात किले। साथ ही मजिस्ट्रेट जिला कल्याण पदाधिकारी प्रकाश प्रिय रंजन एवं दो डीएसपी की तैनाती की गई सुनील कुमार सदर की एसपी के तैनात थे। वही ट्रेनी डीएसपी महिला निलिमा राय की भी तैनाती थी। वही थानाध्यक्ष सह अ0नि0 राजगृह प्रसाद भी दल बल के साथ उपस्थिति दर्ज की जिला प्रशासन का ग्रामीण बहुत आभारी रहा। क्ड के निदेश पर मंदिर के मेन गेट से निकास के लिए दूसरा गेट दीवाल तोड़कर किया गया जिससे श्रधालू को काफी राहत मिली वही तालाब मे रस्सी मे लाल कपड़ा बांधकर अर्ध देने समय गोताखोरों की व्यवस्था की गई थी। एवं पार्किग की व्यवस्था से यात्रियो को काफी राहत मिली जिससे कई घंटो तक 2 कि0मी0 तक जाम लगा रहता था जिससे भी निदान क्ड की पहल से संभव हो पाया। वही हर साल की तरह नाच-गाण की व्यवस्था की गई थी।

★ पॉच वर्ष का मंदिर झिकरूआ को पर्यटन का दर्जा द्वापर युग के सूर्य मंदिर को नहीं मिला आज तक :- देश के प्रसिद्ध 12 सूर्य मंदिर में 6 सूर्य मंदिर बिहार में अवस्थित है। मगध सूर्य पूजा का प्रमुख स्थल रहा है। नवादा जिले के नारदीगंज प्रखण्ड के हडिया सूर्य मंदिर को उसी श्रृंखला की कड़ी को मानी जाती है। मंदिर और उसके आस पास पुरातात्विक महत्व की चीज है। जो मंदिर की गौरवशाली अतीत बयां करती है। द्वापर यूग की ईट आज भी तालाब के सीढ़ियो मे अवस्थित इतिहास गवाह है कि जरासंध की पुत्री धनियावति भी पूजा अर्चना करने के लिए रथ से हण्डिया आती थी यहाँ सूर्य नारायण की दुलर्भ मूर्ति और प्राचीन सरोवर है। श्रद्धालु इसी सरोबर मे स्नान कर पूजा अर्चना करने से कुष्ट रोग से मुक्ति मिल जाती है। सरोबर में पाँच रविवार स्नान से असाध्य कुष्ट रोग से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही नि:संतान को पुत्र रत्न की प्राप्ति हो जाती है।

पौराणिक धार्मिक मान्यता है कि भगवान कृष्ण के पुत्र साम्य को उनकी गलती के कारण श्रीकृष्ण ने श्राप दे दिया था। जिसके बाद साम्य कुष्ट रोग से पिड़ित हो गये थे। साम्य ने जब कृष्ण से मुक्ति के लिए प्रार्थना किया तो तब उन्हे बारह सूर्य मंदिर का निर्माण कराने को कहा था। मगध साम्राट जरासंध का मुख्यालय राजगीर था।

★ भगवान भास्कर के प्रमुख मंदिर है :-

- ☞ द्वापर यूगिन हण्डिया का सूर्य मंदिर
- ☞ औरंगाबाद का देव सूर्य मंदिर
- ☞ नालन्दा का बडगॉव सूर्य मंदिर
- ☞ बक्सर का देवरिया सूर्य मंदिर
- ☞ रोहतास का गुजरू सूर्य मंदिर
- ☞ नालन्दा जिला के औगारी धाम सूर्य मंदिर
- ☞ भोजपुर जिले के बेलाउर सूर्य मंदिर
- ☞ पंडारक सूर्य मंदिर पटना
- ☞ पटना जिला के उलार सूर्य मंदिर
- ☞ कोणार्क सूर्य मंदिर, उड़िसा
- ☞ मोदेरा सूर्य मंदिर गुजरात
- ☞ सूर्य मंदिर जम्बू औगारी सूर्य मंदिर

मगध के सबसे प्राचीन वंश के संस्थापक बृहद्रर्थ थे। मगध साम्राट जरासंध जिसे दुनिया लोहा मानती है। इतिहास गवाह है कि जरासंध के भुजाओं मे दस हजार हाथी का बल था। उन्होने अपना पराक्रम से भगवान कृष्ण को 17 बार हराया साथ ही भारत तथा अन्य देशो के 275 राज्यो को बंदी बनाया था तथा मगध पर उनके वंशजो ने 5 हजार ई0 तक शासनो का उल्लेख इतिहास में मिलता है। महाभारत चन्द्रवंशियो का इतिहास रहा है। नवादा जिले के नारदीगंज प्रखण्ड के हण्डिया में यह एन0एच0 82 से लगभग 3 कि0मी0 पश्चिम में अवस्थित है। अवसिथ्त प्राचीन सूर्य मंदिर को द्वापर युगीन माना जाता है। कि श्री कृष्ण को पुत्र शाम्व ने पाप से मुक्ति के लिए बारह सूर्य मंदिर का निर्माण कराया था। उसमें हण्डिया सूर्य मंदिर भी एक है। मगध की राजधानी राजगृह से लगभग 8 कि0मी0 है। इस मंदिर के बारे में कहा जाती है। इतिहास गवाह है। बृहद्रथ वंश ई0 पू0 छठी शताब्दी में ही समाप्त हो चुका था। उस समय की ईंट अभी भी

धरोहर के रूप में मौजुद है। पुराणो मे बृहदेव वंश के 16 से 32 शाशको का उल्लेख मिलता है। इस मंदिर का निर्माण जरासंध काल में कृष्ण पुत्र साम्ब के द्वारा किया गया था। हण्डिया ग्राम के बीच एक देवी मंदिर भी है जिसका निर्माण भी जरासंध की पुत्री धनिया वती के द्वारा किया गया था। जरासंध की बहन प्रत्येक दिन यहाँ पूजा करने के लिए आयी करती थी। द्वापर युग के बाद बिम्बिसार 545 ई0 पू0 में मगध की गद्दी पर बैठा। उन्होने हर्यक वंश की स्थापना की और तब से यहाँ का नाम हरिया रखा गया। विम्बिसार ने इस गॉव के सूर्य मंदिर का विस्तार किया। उस दिन से आज तक जो भी व्यक्ति श्रद्धा और सच्ची भक्ति के साथ सूर्य की उपासना करने यहाँ आते है। उनका हर कष्ट का निधारण होते आ रहा है। जो भी व्यक्ति अपनी निष्ठा पूर्वक भक्ति से इनकी उपासना करते है और मन्नत मांगते है उनकी मनोकामना पूर्ण होती है। नि:संतानो को भी पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। अगर उनके दिल में सच्ची भक्ति हो। वे अपने पुत्रो का मुंडन भी यहाँ धुमधाम से करवाते है और प्रसाद के रूप में फल-फुल और पकवान चढ़ाते है। खासकर इन पर चढ़ाये गये दूध या जल जो नीर के रूप में बाहर निकलता है। भक्तगण उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते है। अन्य कष्टो से मुक्ति पाते है। यहाँ बहुत दूर-दूर से लाखो लोग आकर अपनी भक्ति भाव प्रकट करते है। यहाँ हर रविवार के दिन हजारो श्रद्धालु आते है। प्रसाद चढ़ाते है मन्नते मांगते है। खासकर चैत्र एवं कार्तिम महिने मे छठ के शुभ अवसर पर लाखो की संख्या में आते है। लोग इस पर्व को बहुत धुमधाम से मनाते है। यह आस्था निष्ठा और शुद्धता का महापर्व बिहार का श्रेष्ठतम एवं माना जाता है। यहाँ मेले की व्यवस्था हण्डिया ग्राम के लोगो के द्वारा किया जाता है। यू तो भारत मे कितने सूर्य मंदिर है जैसे कि उड़ीसा का कोर्णाक मंदिर जिसे नरसिंह देव प्रयास के द्वारा 13वीं शताब्दी मे बनाई गया है। हमारे बिहार मे भी कई सूर्य मंदिर है एवं नालन्दा जिले के बड़गॉव मे भी सूर्य मंदिर है। लेकिन इतना प्राचीन नही है, जितना की हण्डिया का सूर्य मंदिर का इतिहास के बारे में पूजारी जो छोटे लाल पाण्डेय का कहना है कि ये मंदिर चार पत्थर के शिलालेख पर रखा है। इस मंदिर का जिर्णोद्धार किशोरी रजक कर रहे थे तो मंदिर का पुरा सौन्दर्यकरण किया गया एवं तालाब को खोदकर चारो तरफ द्वापर युग की पक्की ईट की सीढ़िया अभी भी धरोहर के रूप में मौजूद है। ये मंदिर श्रद्धालुओ के सहारे चल रही है। इस पर राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन की कोई भूमिका एवं सहयोग नहीं है। यहाँ प्रत्येक रविवार को कई जमाने से मेला लगता है। एवं छठ के अवसर पर ग्रामीणों के द्वारा भी मेले में कई जमाने की कि जा रही है। यहाँ छठ पर्व भी कई जमाने से धुम धाम से मनाया जाता है। यहाँ छठ करने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालों बिहार, छतीसगढ़, दिल्ली, यूपी0 पश्चिम बंगाल झारखण्ड और कई प्रांतो से भारत के कोने-कोने से छठ व्रत करने आते है। यहाँ के तालाब में स्नान करने से कुष्ट रोग विशेष रूप से ठीक हो जाता है एवं चर्म रोग भी ठीक होता है जरासंध की पुत्री धनियाबती यहाँ रोज पूजा-अर्चना करने के लिए आती थी। यह पूजा अर्चना कि ये बिना जल अन्य कुछ भी ग्रहण नही करती थी। यह रथ से चलकर सबसे पहले हण्डिया के तालाब मे स्नान करती थी। उसके बाद सूर्य मंदिर में पूजा करती थी। इसके हण्डिया के देवी स्थान मे जो गॉव के बीच में पूजा कर धनिया पहाड़ी मे भगवान शिव की पूजा कर तपोवन जाती एवं झखनी कुण्ड में पूजा अर्चना कर वह रथ से राजगृह को लौट जाती थी। ये दिनचर्या थी उनकी जिस रास्ते से होकर ध नियाबती आती थी उसका साक्ष्य अभी भी पथरीली सड़क का रास्ता अभी भी मौजूद है। यहाँ एक पीपल का पेड़ मंदिर के बगल में है। जिसके बारे में हमारे पूर्वज कहते है हमारे पीढी दर पीढ़ी के लोग पीपल के बारे मे नही बताते थ। वे कितना प्राचीन है। मगध सम्राट जरासंध जो चन्द्रवंशी समाज में जुड़े थे। यही कारण है।

मगध क्षेत्र मे जो भी प्रांत आता था वहाँ इनकी आबादी काफी है, रविवार को हजारो की संख्या में भीड़ उमड़ती है। साथ ही कार्तिक महीने में रविवार को हजारो-हजार की संख्या में पहुँचते है। छठ पर्व में सूर्य देवता को अर्ग देते है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी सरकार में मंत्री रहे, डॉ0 संजय पासवान इस पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। लेकिन ये घोषणा टाय-टाय फिस हो गया। सरकारी उदासीनता के कारण मे जरासंध कालीन मंदिर आज भी अपेक्षा का शिकार है। अगर राज्य सरकार इसे पर्यटक स्थल के रूप में ले तो काफी धन की प्राप्ति पर्यटको से हो सकेगी। सरकारी खजाने में धन का इजाफा होगा। यह मंदिर आज भी श्रद्धालुओं के पैसे से चल रहा है। यहाँ बिजली की व्यवस्था है पक्की सड़क है लेकिन उचित चिकित्सा की व्यवस्था प्रदान आज तक नहीं की गई है। अस्पताल है पर आज तक डॉक्टर नहीं बैठा राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के द्वारा इस मंदिर की कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की गई है। पिछले वर्ष पूर्व जिलाधिकारी यशपाल मीणा हण्डिया सूर्यमंदिर का दौरा किये थे। तब से आज तक जिला प्रशासन की ओर से पर्याप्त पुलिस बल महिला एवं पुरूष साथ ही मजिस्ट्रेट तैनात रहते है। इस बार के मेले में भी जिला अधिकारी रवि प्रकाश के निर्दश पर अनुमंडल पदाधिकारी श्री अखिलेश कुमार, ए0डी0एम0 चन्द्रशेखर आजाद, आनन्द किशोर डी0डी0सी0 श्रीमती प्रियंका रानी ने नारदीगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया है। केवल सच पत्रिका लगातार 20 वर्षो से पर्यटन का दर्जा दिलाने के लिए संघर्षरत है। दो वर्ष पूर्व पटना हाईकोर्ट के जज भी पूजा अर्चना करने आये थे।●

नुसरत प्रवीण पर अपने पति को जहर देकर मारने का हैं आरोप

मोबाइल का सीडीआर खंगालने से खुल सकता है राज : शशि शर्मा

● धर्मेन्द्र सिंह

महिला हेल्प लाइन की जिला योजना प्रबंधक शशि शर्मा पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। दरअसल, पति के निधन के बाद ससुराल पक्ष से अपने हक के लिए लड़ाई लड़ रही एक महिला ने उनपर काउंसिलिंग के दौरान अभद्र बातें करने का आरोप लगाया है। विधवा ने यह भी कहा है कि शशि शर्मा ने ससुराल पक्ष से 1.5 लाख रुपए रिश्वत भी लिया है। पीड़िता के अनुसार शशि शर्मा ने उससे यहां तक कहा कि तुम इतनी खूबसूरत हो, जवान हो...तो क्यों नहीं अपनी खूबसूरती और जवानी का फायदा उठाती हो। तुम तो कुछ और भी करके पैसा कमा सकती हो। किसी पैसे वाले मर्द को रिझा लो तो रोज 10-20 हजार रुपए ऐसे ही कमा लोगी। फिर क्यों अपने मरे हुए पति के धन के लिए मरी जा रही हो। पीड़िता की शिकायत के बाद जिलाधिकारी विशाल राज ने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी संदीप कुमार और जिला योजना पदाधिकारी कुंदन कुमार सिंह को मामले की जांच के निर्देश दिए। दोनों पदाधिकारियों ने जांच की प्रक्रिया पूरी कर 11 नवंबर को रिपोर्ट सौंपी। जांच रिपोर्ट आने के बाद डीएम विशाल राज ने बताया कि शशि शर्मा के खिलाफ लगे आरोप सही पाए गए हैं। उनपर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार शशि शर्मा के खिलाफ कई और पीड़िताओं ने भी शिकायत की थी। इसके बाद महिला एवं बाल विकास निगम ने जांच कराई।

महिला हेल्पलाइन की जिला योजना प्रबंधक शशि शर्मा ने बताया कि नुसरत प्रवीण ने रिश्वत लेने और जानबूझकर परेशान करने का आरोप लगाते हुए महिला एवं बाल विकास निगम, पटना के कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। गौर करे कि शिकायतकर्ता नुसरत प्रवीण पर पूर्व में अपने पति को जहर देकर मारने का आरोप है जिसपर किशनगंज थाना कांड संख्या 477/22 में दर्ज है, उनके विरुद्ध आईपीसी की धारा 341, 323, 307, 328, 506, 34 ए.च.ब के तहत मामला दर्ज हैं। जिस मामले को लेकर महिला एवं बाल विकास निगम के कार्यालय में शिकायत दर्ज की गई है। उक्त मामले का निपटारा पंचायत स्तर पर दो साल पहले हो चुका है। वहीं दुसरी ओर महिला पदाधिकारी केंद्र प्रशासक शशि शर्मा ने इन आरोपों को झूठा और बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि यह एक साजिश है, जिसके तहत उन्हें फंसाने और बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों की माने तो उक्त महिला नुसरत प्रवीण ने पहले भी निवर्तमान पुलिस अधीक्षक डा. इनाम उल हक मेगनू के खिलाफ भी

न्याय नहीं करने को लेकर जिलाधिकारी से शिकायत की थी। शशि शर्मा का कहना है कि अगर उन पर लगाए गए आरोपों में सच्चाई है, तो नुसरत प्रवीण और उनके मोबाइल की सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) की जांच होनी चाहिए। इससे सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने बताया कि उनके पास इस मामले से जुड़े साक्ष्य मौजूद हैं, जिन्हें जांच टीम को प्रस्तुत किया गया था, लेकिन टीम ने अपनी रिपोर्ट में इन साक्ष्यों का उल्लेख नहीं किया। इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है, ताकि सच सामने आ सके और अगर किसी प्रकार की त्रुटियां पाई जाएं तो उन्हें सुधारा जा सके। उन्होंने कहा कि यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए तो निश्चित ही नुसरत प्रवीण की चेहरे के पीछे छुपा साजिश प्रशासन को भी समझ में आएगा, जिम्मेदार अधिकारी महज एक आवेदन पर बिना किसी तत्व व साक्ष्य के महिला अधिकारी को गलत साबित कर रही हैं, जिलाधिकारी अगर खुद शिकायतकर्ता नुसरत प्रवीण व महिला अधिकारी शशि शर्मा के समक्ष फाइलों की अपने स्तर से स्वयं जांच करें तो सारा रहस्य से पर्दा उठ जाएगा और सच सामने आ जाएगा। वहीं पीड़ित महिला ने बताया कि वर्ष 2020 में मो. अशफाक आलम से शादी हुई थी। मेरे पिता ने फ्रिज, पलंग समेत कई सामान दिए। उनका दूसरी महिला से भी संबंध था। विरोध करने पर ससुराल वालों ने मुझे मेरे मासूम बच्चे के साथ घर से बाहर निकाल दिया। उस वक्त मैं प्रेग्नेंट भी थी। हालांकि, बाद में मेरे पति का निधन हो गया। इसके बाद भी ससुराल वाले मुझे मेरा स्त्री धन देने से मना करते रहे। मैंने तत्कालीन जिलाधिकारी तुषार सिंगला से शिकायत की। उन्होंने महिला हेल्प लाइन भेजा। वहां शशि शर्मा से मेरी पहली बार मुलाकात हुई

थी। उन्होंने पहले भरोसा दिया कि मेरा सारा सामान ससुराल से दिलवा देंगी। उन्होंने एक कागज पर अपने मन से बातें लिखकर मुझे साइन करने को कहा। मैंने बिना स्त्री धन मिले साइन करने से मना कर दिया। तब से ही वो मुझे लगातार प्रताड़ित करती रही। ऑफिस बुलाकर कई-कई घंटे बिठाकर रखती थी। मैं मासूम बच्चों के साथ आती-जाती रही। कभी किसी ऑफिस में जाकर आवेदन देने को कहती तो कभी किसी ऑफिस में जाने को बोलती। इसी बीच उसने एक दिन मुझसे अभद्र बातें की। डांटा और कहा कि तुमको जो मिलना था, हम दिलवा दिए। अब कुछ मिलने वाला नहीं है। मेरे ऑफिस मत आना। आई तो तुमको बच्चों समेत जेल भिजवा देंगे। ससुराल वालों को बोल कर केस करा देंगे।●

भीपीडी सर्विलांस कार्यशाला का हुआ सफल आयोजन

● धर्मेन्द्र सिंह

सदर अस्पताल के एएनएम मीटिंग हॉल में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डा. देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में जिला वीपीडी (वैक्टोरियल पैथोजेनिक डिजीज) सर्विलांस कार्यशाला का आयोजन 12 नवंबर को किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों को वीपीडी के नियंत्रण, रोकथाम और निगरानी के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डा. राजेश कुमार, डब्लूएचओ के एसआरटीएल डा. सुमन कंडोला, एसएमओ डा. प्रीतम घोष, और यूनिसेफ के एसएमसी एजाज अफजल विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने महत्वपूर्ण विचार साझा कर स्वास्थ्य कर्मियों को मार्गदर्शन दिया।कार्यशाला में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डा. देवेंद्र कुमार ने कहा कि वैक्टोरियल पैथोजेनिक डिजीज के नियंत्रण के लिए समाज में जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस संदेश को लोगों तक पहुंचाएं और उन्हें वीपीडी के खतरों से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि वीपीडी जैसी गंभीर संक्रमण से बचाव के लिए केवल चिकित्सा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की जागरूकता आवश्यक है।सिविल सर्जन डा. राजेश कुमार ने स्वास्थ्य कर्मियों को बताया कि जिले के ग्रामीण इलाकों में वीपीडी की रोकथाम के लिए सक्रिय निगरानी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वीपीडी के मामले जल्दी सामने लाने और उन पर समय से प्रतिक्रिया देने

के लिए स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएं तो वीपीडी के प्रसार को प्रभावी तरीके से रोका जा सकता है।कार्यशाला में डब्लूएचओ के एसएमओ डा. प्रीतम घोष और यूनिसेफ के एसएमसी एजाज अहमद ने हिस्सा लिया। डा. प्रीतम घोष ने वीपीडी के संबंध में वैश्विक परिप्रेक्ष्य को साझा किया और बताया कि इस बीमारी की रोकथाम के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को वीपीडी के लक्षणों की पहचान और उसकी रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को बारीकी से समझाया। वहीं, यूनिसेफ के एजाज अफजल ने समुदाय में जागरूकता अभियान को मजबूत करने और लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के महत्व पर जोर दिया। कार्यशाला में जिले के आयुष डाक्टरों ने हिस्सा लिया, जिन्हें वीपीडी सर्विलांस के महत्व और इसमें उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डीआईओ ने उन्हें निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में समुदाय के साथ मिलकर वीपीडी के प्रति जागरूकता फैलाएं और नियमित रूप से संभावित मामलों की निगरानी करें। आयुष डाक्टरों ने इस पहल का स्वागत किया और वीपीडी रोकथाम के लिए हरसंभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को उनकी जिम्मेदारियों की पुनरावृत्ति कराई गई और उन्हें वीपीडी सर्विलांस प्रणाली को मजबूत बनाने का संकल्प दिलाया गया। सभी स्वास्थ्य कर्मियों ने इस कार्यशाला को अत्यधिक उपयोगी और प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि डा. देवेंद्र कुमार, सिविल सर्जन डा. राजेश कुमार, डब्लूएचओ के डा. प्रीतम घोष और यूनिसेफ के एजाज अहमद के मार्गदर्शन में वे अपने कार्यक्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने और वीपीडी रोकथाम में योगदान देने के लिए प्रेरित हुए हैं। गौर करे कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के स्वास्थ्य विभाग ने एक मजबूत संदेश दिया कि वीपीडी जैसी गंभीर बीमारियों से निपटने के लिए समाज में जागरूकता फैलाना और स्वास्थ्य कर्मियों का सक्रिय सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी स्वास्थ्य कर्मियों ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस जागरूकता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाएंगे, ताकि समुदाय को सुरक्षित रखा जा सके।●

36 घंटे में हत्या का उद्भेदन, चार गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिलान्तर्गत गधर्वडंगा थाना क्षेत्रांतर्गत प्रगेश लाल राय हत्याकांड का महज 36 घंटे के अंदर सफल उभेदन करते हुए घटना में शामिल 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। 11 नवंबर को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने कहा कि 09 नवम्बर को रात्रि करीब 01:25 बजे में रात्रि गश्ती टीम को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम ताराबाड़ी चौक एवं कुम्हिया चौक के बीच में एक अज्ञात शव खून से लथपथ अवस्था में एनएच-327 ई पर पड़ी हुई है। उक्त सूचना का सत्यापन करने हेतु तत्काल गश्ती टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर देखा गया कि एक खुन से लथपथ शव पड़ा हुआ है। उक्त व्यक्ति का शव के निकट एक काला रंग का बैग मिला जिसमें से एक आधार कार्ड बरामद हुआ उक्त आधार कार्ड से नाम प्रगेश लाल राय, उम्र-29 वर्ष, पिता-जीतु लाल राय, सा०-मालिन गांव थाना-पौआखाली जिला-किशनगंज का नाम पता का सत्यापन करते हुए तत्काल मृतक के परिजनों को सूचित किया गया। इस संबंध में मृतक की मां वादी मंदा देवी, पति जीतु लाल राय, सा०-मलिन गांव, थाना-पौआखाली, जिला-किशनगंज द्वारा गर्वनडंगा थाना में हत्या का कांड प्रतिवेदित कराया गया, जिसमें बहु बताशी देवी एवं उसके प्रेमी गाालीब शादान के द्वारा साजिश के तहत बेटे प्रगेश लाल राय की हत्या कर दिए जाने की आशंका जताई गई। मामले में गर्वनडंगा थाना कांड सं०-37/24 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। कांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के अनुश्रवण में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2, किशनगंज के नेतृत्व में टीम गठित किया गया। एसपी ने कहा कि गठित टीम द्वारा लगातार आसूचना संकलन, तकनीकी साक्ष्य संकलन करते हुए प्राथिमिक, अप्राथमिक अभियुक्तों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए छापामारी की की गई, जहां मृतक की पत्नी, बताशी देवी, पति-प्रगेश लाल राय, मो० अकील, राहिद आलम, नूर मोहम्मद उर्फ बानो को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ हेतु थाना लाया गया। पूछताछ के क्रम में मृतक की पत्नी बताशी देवी को पौआखाली थाना लाकर पूछताछ किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि मेरा अवैध संबंध गालीब सदान के साथ था, जिसके बारे में पति प्रगेश लाल राय को पता चल गया था। मृतक की पत्नी बताशी देवी अपने प्रेमी गालीब सदान के साथ मिलकर पति को मारने का प्लान बनाई। 08 नवंबर को गालीब सदान द्वारा एक नशे का गोली दिया जिसे बताशी देवी ने अपने पति को रात के खाने के साथ मिलाकर खिला दिया। रात करीब 11 बजे अपने पति को एक उजले रंग के स्कॉर्पियो में गालीब सदान एवं राहीद एवं अन्य तीन लोगों के साथ मिलकर गाड़ी में बैठा दिया तथा मृतक प्रगेश लाल को लेकर ग्राम पांचगाछी होते हुए पौआखाली हाइवे पर गाड़ी को ग्राम ताराबाड़ी एवं कुम्हिया के बीच हाइवे पर प्रगेश लाल राय को उतार दिया गया तथा गालीब सदान द्वारा गाड़ी तेज गति से मृतक प्रगेश लाल राय को टक्कर मार दिया गया तथा पुनः गालीब सदान द्वारा मृतक प्रगेश लाल राय के उपर दो बार चढ़ा दिया जिससे प्रगेश लाल की मृत्यु हो गई। राहिद आलम की निशानदेही पर मो० अकील एवं नूर मोहम्मद को अपने कब्जे में लेकर उक्त वाहन के बारे में पूछताछ करने पर गाड़ी ताराबाड़ी चौक में होने की बात बताई गई तत्पश्चात् ताराबाड़ी चौक उक्त वाहन जिसका रजि नं०-WB02T 5518 बरामद किया गया। सभी अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा हैं। कांड में पर्याप्त अभियोजन साक्ष्य संकलित करते हुए शीघ्र आरोप पत्र समर्पित करने का निर्देश अनुसंधानकर्ता को दिया गया है। एसपी ने कहा कि बताशी देवी, पति-प्रगेश लाल राय, मो० अकील, पे०- इशाक, राहिद आलम, पे० रजेबुल आलम एवंघ नूर मोहम्मद उर्फ बानो पिता स्व० निजामुद्दीन के गिरफ्तारी हुई है। इसमें दो अभियुक्त और है जिसके लिए गिरफ्तारी प्रक्रिया चल रही है। इस कार्यवाही के गठित टीम में एसडीपीओ-2 ठाकुरगंज मंगलेश कुमार सिंह, के साथ प्रक्षिशु पुलिस उपाधीक्षक किशनगंज अभिनव परासर, पुलिस अवर निरीक्षक धनजी कुमार, अनुसंधानकर्ता सह-थानाध्यक्ष, गर्वनडंगा थाना पौआखाली थानाध्यक्ष अशुतोष मिश्रा, अंगद कुमार, गर्वनडंगा थाना, मनीष कुमार एवं इरफान हुसैन, तकनीकी शाखा शामिल थे।●

हत्या का अरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के कोचाधामन थाना क्षेत्र के बूढ़ीमारी में एक व्यक्ति की 2 नवंबर को हुई हत्या का उदभेदन जिला पुलिस कप्तान सागर कुमार द्वारा गठित टीम ने कर लिया है। एसपी सागर कुमार के निर्देश पर एसडीपीओ गौतम कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने घटना में शामिल तीन आरोपियों को 07 नवंबर की रात को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में रिश्ते में पिता-पुत्र हैं। पकड़ा गया आरोपी मोहन लाल चौपाल व इनका पुत्र करण कुमार व धीरेन कुमार है। एसपी सागर कुमार ने 08 नवंबर को प्रेसवार्ता में बताया कि 2 नवम्बर को कोचाधामन थाना क्षेत्र के बूढ़ीमारी में एक व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में मिला था।जिसमें मृतक सतीश लाल चौपाल की पत्नी लक्ष्मी देवी ने कोचाधामन थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी थी। इसके बाद एसडीपीओ-1 गौतम कुमार के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था। टीम के द्वारा त्वरित गति से अनुसंधान करते हुए घटना का उदभेदन कर घटना में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस कप्तान सागर कुमार ने बताया कि पिता व पुत्र ने मिलकर हत्या की साजिश रची थी। घटना स्थल से आरोपी का चप्पल, गमछा, तीन आरोपियों का मोबाइल व कचिया बरामद किया गया है। एसपी सागर कुमार ने कहा कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि मृतक सतीश चौपाल ने तथाकथित रूप से काला जादू कर उनकी मां का देहांत करवाया था। मृतक सतीश लाल चौपाल के द्वारा दो लाख रुपए की मांग की जा रही थी। नहीं देने पर अन्य परिजनों को भी काला जादू करने की बात कही जा रही थी।इसी कारण बदले की भावना से षडयंत्र के तहत बांस झाड़ी में ले जाकर सतीश चौपाल की हत्या की गई। घटना के उदभेदन के लिए एसपी सागर कुमार के अनुश्रवण में गठित टीम में डीआईयू प्रभारी रंजय कुमार, कोचाधामन थानाध्यक्ष राजा, एससीएसटी थानाध्यक्ष दीपू कुमार, तकनीकी सेल के इरफान, मनीष, सहित कोचाधामन थाना के चौकीदार राजेंद्र व दीपक शामिल थे। एसपी ने कहा कि अनुसंधानकर्ता को शीघ्र ही आरोप पत्र समर्पित करने को कहा गया है।●

ग्रामीण कार्य विभाग कार्यालय में संवेदकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

● धर्मेन्द्र सिंह

ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल 1 एवं 2 के पंचवर्षीय अनुरक्षण कार्य करने को लेकर शहर के रूईधासा स्थित ग्रामीण कार्य विभाग कार्यालय में संवेदकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में कार्यपालक अभियंता गौरव कुमार, राजेश चौधरी के साथ साथ जिले के तमाम संवेदक मौजूद थे। बैठक में संवेदकों के द्वारा विभागीय नीति के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया गया। इस दौरान संवेदकों ने ग्रामीण कार्य विभाग का पोल खोल कर रख दिया। संवेदकों ने कहा कि अधीक्षण अभियंता के द्वारा बैठक बुलाई गई थी लेकिन वो खुद बैठक में शामिल नहीं हुई और न ही ऐसे संवेदक जो कि जिले से बाहर के है वो शामिल हुए। संवेदक इस बात से आक्रोशित थे कि मेंटनेंस कार्य की सूची में बाहरी संवेदकों का नाम नहीं था और न ही बैठक में जिले से बाहर के संवेदक शामिल हुए थे। इस दौरान संवेदकों ने अभियंता प्रमुख, अधीक्षण अभियंता की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए। संवेदक संघ के अध्यक्ष सिकंदर सिंह ने कहा कि जिले से बाहर के संवेदक जो नहीं पहुंचे है उनपर कार्रवाई होना चाहिए। वही सचिव परवेज आलम उर्फ गुड्डू ने कहा कि अधीक्षण अभियंता मनमानी करते है और बाहर के संवेदकों को प्रश्रय देते हैं। उन्होंने कहा कि अधीक्षण अभियंता की मिली भगत से बाहरी लोगों को काम दिया जाता है। जबकि संवेदक संघ के उपाध्यक्ष टीटू बदवाल ने कहा कि अशोक कुमार जिन्हें लगभग 125 करोड़ का काम दिया गया है अगर सही से जांच किया जाए तो उन्हें ब्लैक लिस्टेड होने से कोई नहीं बचा सकता साथ ही ऐसे अभियंता जो उसमें संलित थे वो भी दायरे में आयेंगे। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर सचिव सहित अन्य वरीय अधिकारी की शिकायत की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुआ। वही उन्होंने कहा कि मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और अभियंता प्रमुख पूरी तरह भ्रष्ट है और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। उन्होंने कहा कि जिले के संवेदकों को पूरी तरह अनदेखी इन अधिकारियों द्वारा की जाती है और शिकायत करने पर गुंडा तक कहा जाता है। टीटू बदवाल ने कहा कि बाहरी संवेदकों को घर में पहुंचा कर कार्य दिया जाता है और हम लोगो का बकाया तक भुगतान करने में अधिकारियों को कठिनाई होती है। गौरतलब हो कि मोतिहारा तालुक में अशोक कुमार यादव के द्वारा 282 लाख की लागत से सड़क का निर्माण करवाया गया है जिसमें बड़े पैमाने पर राशि की बंदरबाट उजागर हुई है। जिसपर भी करवाई की मांग बैठक में संवेदकों के द्वारा की गई। वहीं उक्त सड़क को लेकर पूर्व विधायक मुजाहिद आलम द्वारा ग्रामीण कार्य मंत्री को पत्र लिख कर कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं कार्यपालक अभियंता गौरव कुमार ने कहा कि सूचना सभी संवेदकों को दी गई थी और जो लोग बैठक में नहीं पहुंचे है उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जबकि राजेश चौधरी ने कहा कि मेंटनेंस जो संवेदक नहीं करेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। बैठक में मुख्य रूप से संवेदक मनोज गट्टानी, दयानंद कुमार, अंजार आलम, असगर अली उर्फ पीटर, बबन कुमार, रिंकू सिंह, प्रभाकर कुमार, नदीम, मिस्टर सहित दर्जनों संवेदक मौजूद थे।●

आयुष्मान भारत योजना के तहत विशेष अभियान
एक हजार नए गोल्डन ई-कार्ड जारी, राज्य में सातवां स्थान प्राप्त

● धर्मेन्द्र सिंह

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत किशनगंज जिले में पात्र लाभार्थियों के लिए गोल्डन ई-कार्ड बनाने का विशेष अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। हाल ही में छट महापर्व पर विशेष अभियान के दौरान एक हजार नए गोल्डन ई-कार्ड बनाए गए हैं, जिससे किशनगंज जिले ने राज्य में सातवां स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिले के प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। जिलाधिकारी विशाल राज ने सभी पात्र नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस योजना का लाभ उठाने के लिए अपने निकटतम शिविर में जाकर जल्द से जल्द गोल्डन ई-कार्ड बनवाएं। उन्होंने कहा कि इस कार्य में शामिल सभी कार्यपालक सहायकों की मेहनत सराहनीय है और यह कार्य नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि अधिकतम नागरिक योजना का लाभ उठा सकें। छठ महापर्व के अवसर पर 04 से 09 नवम्बर तक जिले के सभी 125 पंचायतों में विशेष शिविर लगाए गए थे। इस अभियान के अंतर्गत जिले के सभी सीएससी संचालकों और कार्यपालक सहायकों के माध्यम से गोल्डन ई-कार्ड बनाए जा रहे हैं, ताकि छूटे हुए लाभुकों को योजना का लाभ मिल सके। अब तक जिले में कुल 5.15 लाख लाभार्थियों के गोल्डन ई-कार्ड बनाए जा चुके हैं, जबकि जिले के कुल 3.45 लाख पात्र परिवारों में से 2.41 लाख परिवार योजना के तहत आच्छादित हो चुके हैं।

आयुष्मान भारत योजना के जिला कार्यक्रम समन्वयक पंकज कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले के सभी पंचायतों में ई-रिक्शा जागरूकता रथ के माध्यम से माइकिंग कर लाभुकों को जागरूक किया जा रहा है। इस रथ के जरिए योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देकर लोगों को प्रेरित किया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति गोल्डन ई-कार्ड से वंचित न रह जाए। पंकज कुमार ने बताया कि यह जागरूकता अभियान लोगों में योजना के प्रति रुचि बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है और पंचायत स्तर पर शिविरों में बड़ी संख्या में लोग आकर अपना कार्ड बनवा रहे हैं। पंकज कुमार ने यह भी बताया जिलाधिकारी विशाल राज एवं सिविल सर्जन डा. राजेश कुमार के दिशा निर्देश में लाभार्थियों को कार्ड बनवाने के लिए व्यक्तिगत पहचान के लिए आधार कार्ड, पारिवारिक सदस्यता सत्यापन के लिए राशन कार्ड का हाउसहोल्ड इंडेक्स नंबर, और परिवार के किसी सदस्य का मोबाइल नंबर प्रदान करना अनिवार्य है। गोल्डन ई-कार्ड निशुल्क बनाया जा रहा है, जिससे पात्र नागरिक सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्राप्त कर सकते हैं।जिलाधिकारी विशाल राज ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी शिविर में जाकर अपना गोल्डन ई-कार्ड बनवाएं। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेकर जिले के नागरिक गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं। आयुष्मान योजना के तहत यह विशेष अभियान जिले के नागरिकों के स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।●

महाकाल सेवा समिति को किया गया सम्मानित

● धर्मेन्द्र सिंह

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा व राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप कुमार जयसवाल ने 05 नवंबर को पटना में एक कार्यक्रम के दौरान महाकाल सेवा समिति किशनगंज को सम्मानित किया।प्रशासनिक विभाग को सहयोग देने वाली तमाम सेवा शिविर एवं संस्थान व शिव भक्तों की सेवा व उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष चंचल मुखर्जी, सूचित कुमार सिंह, मुकेश कुमार साहा, प्रदीप गुप्ता, विश्वजीत कर्मकार आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही किशनगंज सेवा सदन के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष चंचल मुखर्जी ने कहा कि ये किशनगंज और हमारे लिए गौरव की बात है की राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल के प्रयास से हमें भी सम्मानित किया गया।साथ ही देश के विभिन्न राज्यों से आए कई सेवा शिविरों को

सम्मानित किया गया है।●

जिले में नहीं थम रहा ओवरलोड का परिचालन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट, डे मार्केट पौआखाली रूट से होकर ओवरलोड ट्रकों, डंपरो का परिचालन करवा कर इंट्री माफिया रोज सरकारी राजस्व को लाखों का चूना लगा रहे हैं। गौरतलब हो कि लगातार बंगाल से बिहार में इंट्री का खेल चल रहा है जो की ओवरलोड का हब अभी चक्करमारी चेक पोस्ट बना हुआ है जो बिहार और बंगाल को जोड़ती है और यह चेक पोस्ट बंगाल में स्थित है मौका देखते ही इंट्री माफिया के गुर्गे सक्रिय होकर चक्करमारी चेकपोस्ट से धरल्ले से ओवरलोड डंपर, ट्रक का परिचालन बिहार में करवाना शुरू कर देते हैं इसके लिए इंट्री माफिया पहले सिग्नल का इंतजार करते हैं और सिग्नल मिलते ही बंगाल बिहार इंट्री का खेल शुरू हो जाता है। इंट्री का खेल जिले भर में किस तरह से होता है यह बताने की जरूरत नहीं है यह तो जग जाहिर है लेकिन कई रूट इसका जीता जागता उदाहरण हैं। जैसे कि ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट, डे मार्केट पौआखाली रूट पर धरल्ले से ओवरलोड डंपर, ट्रक का परिचालन होता है। सूत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार डायमंड कोड के बाद अब काबा ओवरलोड के इंट्री का खेल जिले भर में धरल्ले से चला रहा है। गलगलिया की अंतरराज्यीय सीमा बंगाल से सटे चक्करमारी में इंट्री के काम मे अब काबा ग्रुप की भी इंट्री हो गयी है। इस ग्रुप ने अपना मोर्चा संभालते हुए कोयला समेत कई प्रकार के ओवरलोड वाहनों को गलगलिया से लेकर अररिया तक पहुंचाने का बीढ़ा उठाया है। बताया जाता है कि इस काम को अंजाम देने वाला एक व्यक्ति कटिहार छोड़कर सिल्लीगुड़ी आ गया है और बजाप्ते ऑफिस खोलकर कोयला समेत अन्य ओवरलोड वाहनों की इंट्री कराने लगा है। सूत्र तो यह भी बताते हैं कि इस काम मे कई सफेदपोश शामिल हैं। जो काबा के नाम की इंट्री कर ओवरलोड वाहनों को बिहार प्रवेश कराकर धड़ल्ले से उनके गंतव्य तक पहुंचा रहा है। प्रतिदिन सुबह से लेकर रात तक बड़े ओवरलोड वाहनों को एनएच 327 ई पर या एनएच-27 पर देखा जा सकता है। ये ओवरलोड वाहन नवनिर्मित हाईवे को भी नुकसान पहुंचाने लगें हैं। जगह जगह नवनिर्मित हाईवे टूटने लगा है। साथ ही साथ परिवहन और प्रदूषण नियमों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही है। सूत्र बताते हैं कि इनके गुर्गे गलगलिया सीमा से लेकर ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट, पौआखाली, बहादुरगंज एलआरपी व कोचाधामन किशनगंज के बॉर्डर तक सक्रिय हो गए है जो सिग्नल मिलते ही ओवरलोड वाहनों को बंगाल की सीमा से लेकर अररिया तक पहुंचा रहे हैं। गौर करे कि नवंबर माह से सभी ईट भट्ठों में ईट बनाने का कार्य शुरू हो जाता है। जिसमें कोयले की भारी मात्रा में खपत होती है। कोयला असम राज्य के अलावे अन्यत्र इलाको से आता है। जिसे बिहार के सीमांचल इलाको में पहुंचाने का काम अब काबा ग्रुप कर रहा है। गौरतलब हो कि पूर्व जिलाधिकारी किशनगंज तुषार सिंगला ने असम और बंगाल से आने वाले अवैध कोयला के ट्रकों के जांच के लिए टीम का गठन किया था, ठाकुरगंज के गलगलिया चेक पोस्ट में 24×7 पदाधिकारी मौजूद रहेंगे और कोयला के ट्रक का जांच करेंगे। जिलाधिकारी के इस आदेश ने कोयला माफियाओं का नींद उड़ा दिया था। लेकिन अफसोस की बात है कि उनके जाते ही सभी आदेश हवा हवाई हो गए। अब यह आलम है कि ओवरलोड वाहनों का जखीरा जिले भर में तांडव मचा रहा है।●

गोपाष्टमी पर गौ माता की हुई पूजा

● धर्मेन्द्र सिंह

गोपाष्टमी पर्व धूमधाम से एवं भक्तिमय माहौल में 08 नवंबर को मनाया गया। नगर परिषद क्षेत्र के भूतनाथ गौशाला शिव मंदिर स्थित गौशाला में गौ माता की पूजा की गई। भूतनाथ गौशाला कमेटी के सचिव त्रिलोक चंद जैन एवं अन्य लोगों द्वारा बजरंगबली की ध्वजा लगाई गई और गौ माता की पूजा की गई। वहीं गौ माताओं को गुड़ और चोकर खिलाया गया। भूतनाथ गौशाला कमेटी के सचिव त्रिलोक चंद जैन ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गौशाला में गौ माताओं की पूजा की गई है एवं गायों को चोकर और गुड़ खिलाया गया है। इस दौरान दिनभर शहर के अलग-अलग इलाके से लोगों के गौशाला पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। सभी लोगों ने गौ माता की पूजा की और उन्हें गुड़ और चोकर खिलाया। वहीं मंदिर के पूर्वी छोर पर ध्यान फाउंडेशन द्वारा संचालित गौशाला में भी गायों को गुड़ और चोकर खिलाने के लिए लोग पहुंचे थे। भूतनाथ गौशाला कमेटी के सचिव त्रिलोक चंद जैन ने कहा कि हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार गाय में सभी देवों और देवियों का निवास है। नंदी भगवान शिव के प्रियतम हैं। अपने कृष्ण अवतार में श्री हरि ने गोपाल के रूप में अपना जीवन गायों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। गोपाष्टमी वह दिन है जब उन्होंने गाय चराने वाले के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। यह अकारण नहीं है कि युगों-युगों तक भारतवर्ष में सभी महापुरुषों ने गौवंश का पालन-पोषण और संरक्षण किया है। उन्होंने कहा कि पांडवों ने गौवंश की रक्षा के लिए विराटनगर का युद्ध लड़ा और 14 वर्ष का वनवास जोखिम में डाला। अर्जुन ने गौवंश की रक्षा के लिए वनवास चुना। सुरभि गाय के चोरी हो जाने पर परशुराम जी ने सहस्र अर्जुन से कई युद्ध किए। राजा कौशिक के ब्रह्मर्षि विश्वामित्र बनने का कारण कामधेनु गाय बनी। गौ माता के अस्तित्व में कुछ ऐसा अद्भुत है जो इन्हें विशेष बनाता है। भूतनाथ गौशाला कमेटी के सचिव त्रिलोक चंद जैन ने कहा कि धेनु सदनं रयेनाम् - अथर्ववेद 11.1.34 में कहा गया है कि गाय सभी लाभों का भंडार है। च्यवन ऋषि ने अपने जीवन का मूल्य एक गाय के बराबर आंका। देशी गाय के दूध से निकला हुआ घी देवलोक के पोषण हेतु यज्ञ में आवश्यक सामग्री है। ऐसा कहा जाता है कि यदि आप नियमित रूप से गौमाता को चारा खिलाते हैं और वे यदि आपके सिर को चाटती हैं तो आपकी छिपी हुई मानसिक क्षमताएं फलीभूत होती हैं। यह महान संत कबीर के लिए सच था, उनकी काव्यात्मक क्षमताएं केवल तभी प्रकट हुई जब गौमाता ने उनके सिर को चाटा। दुनिया भर में गौवंश के साथ बातचीत के लाभों को स्वीकार किया जा रहा है। पश्चिम में गौमाता को गले लगाना एक तेजी से लोकप्रिय उपचार बनता जा रहा है। इसने 'काव कडलिंग' कहा जाता है। माना जाता है कि गौधूलि की बेला में जब शाम को चरने के बाद गायें घर लौटती हैं तो उनके खुरों से उड़ने वाली धूल गौवंश की सेवा करने वाले व्यक्ति को सभी बीमारियों से छुटकारा दिलाती है।●

जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

● धर्मेन्द्र सिंह

इंसान स्कूल रोड स्तिथ जदयू जिला कार्यालय में 14 नवंबर को जनता दल युनाईटेड के किशनगंज जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक मुजाहिद आलम की अध्यक्षता में सभी प्रखंड अध्यक्षों एवं नगर अध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित की गई।जिसमें आगामी 01 दिसम्बर को होने वाले जिला कार्यकर्ता सम्मेलन की सफलता को लेकर चर्चा हुई और पार्टी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। पूर्व विधायक मुजाहिद आलम ने कहा कि आज सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष को पार्टी के तरफ से पहचान पत्र उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर उर्जा मंत्री विजेन्द्र प्रसाद यादव सहित पार्टी के सात सांसद एवं पूर्व सांसद शामिल होंगे। गौर करे कि आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिकोण से यह कार्यकर्ता सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर जदयू जिला कार्यालय प्रभारी रियाज अहमद, डा. नजीरूल इस्लाम सहित सभी प्रखड एवं नगर अध्यक्ष उपस्थित थे।●

उदीत्मान भगवान भास्कर को श्रद्धालुओं ने दी अर्घ्य

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले में उदीप्तमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ 08 नवंबर को प्रात: लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा संपन्न हुई। जिलाधिकारी विशाल राज एवं पुलिस अधीक्षक सागर कुमार द्वारा संयुक्त रूप से छठ पर्व पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी और इस त्योहार को शांति एवं सौहार्द से मनाने की अपील की। गौर करे कि इस वर्ष छठ घाटों की संख्या पहले से ज्यादा थी। जिले में कुल 380 घाटों पर छठ पूजा आयोजित हुई। सभी छठ घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वही नगर परिषद क्षेत्र में 72 घाटों में मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति किए गये थे। कई स्तर पर छठ घाटों पर सुरक्षा थे।भीड़ वाले छठ घाटों में विशेष रूप से निगरानी बरती जा रही थी। शहर में जहां-जहां छठ घाट हैं उसके पास वाली सड़क में शाम एवं सुबह में वाहनों का आवागमन वर्जित कर दिया गया था। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन टीम में एसडीएम लतीफपुर रहमान अंसारी एवं एसडीपीओ गौतम कुमार सहित अन्य अधिकारीगण लगातार सतर्क थे।

जिले में देवघाट खगड़ा, राम जानकी घाट, प्रेम पुल, धोबीघाट डे मार्केट, रमजान पुल, गांधी घाट, ओदरा घाट, शिवपुरी छठ घाट बहादुरगंज, बेनी घाट, सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर उदीप्तमान भगवान भास्कर की उपासना की गई और श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में अर्घ्य दी। इस अवसर पर उमड़ी भीड़ में सभी समुदायों के श्रद्धालुओं ने आस्था प्रकट किया। वैसे भगवान भास्कर के सभी रूपों की पूजा होती जिसमें सबों ने उगते हुए भगवान भास्कर की ही सबने पूजा की है। लेकिन छठी माई की पूजा में उगते एवं डुबते सूर्य की उपासना अपने-आप में महत्वपूर्ण विषय हैं जो लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की महत्ता को दर्शाता है। अब लोग इस पर्व के महत्व को भी जानने लगे हैं। छठ पूजा में आस्था अंधविश्वास नहीं मात्र एक विश्वास है। क्योंकि इस अवसर पर भगवान भास्कर की प्रत्यक्ष की पूजा होती है। जिसमें उगते एवं डुबते दोनों ही स्थितियों में भगवान भास्कर की उपासना होती है। इस अवसर पर छठव्रतियों के द्वारा गत 07 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना की गयी और 08 नवंबर प्रात: काल उदीप्तमान सूर्य की उपासना की गयी। जिसमें खरना के बाद से छठव्रतियों द्वारा 36 घंटे के निर्जला उपवास की गयी है। प्रकृति पूजन का यह महापर्व है। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा बीते 05 नवंबर को नहाय-खाय, 06 नवंबर देर संध्या में खरना, 07 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना एवं 08 नवंबर प्रात: काल उदीप्तमान सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न हुई।●

धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान योजना की बैठक संपन्न

किशनगंज जिलाधिकारी विशाल राज की अध्यक्षता में धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान योजना की बैठक 12 नवंबर को आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान योजना से संबंधित 17 मंत्रालयों द्वारा देख-रेख किए जाने वाले 25 प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय समुदाय के विकास हेतु स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका के अंतर की पूर्ति किया जाने के संबंध में बताया गया। धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान योजना के कार्यक्रम में जिला के पोठिया प्रखंड के चार पंचायत में 5 ग्राम का चयन किया गया है। मिर्जापुर पंचायत के पोखरिया गांव, टीपीझारी पंचायत के पनासी एवं फाटी पोखर, उदगरा पंचायत के हल्दा, कोल्था पंचायत के मारिया गांव, कुल चार पंचायतो के 5 ग्रामों में 16 से 26 नवंबर तक धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने एवं विभिन्न योजनाओं जैसे- आधार कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जनधन बैंक खाता, UDID कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, जनजातीय प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र आदि से शत-प्रतिशत अच्छादित करने हेतु शिविर इनफॉरमेशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन का आयोजन करने का निर्देश दिया गया। चौथा जनजातीय गौरव दिवस-2024 के शुभ अवसर पर धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान योजना कार्यक्रम का शुभारंभ 15 नवंबर को प्रधानमंत्री भारत सरकार के द्वारा जमुई जिला बिहार से किया जाएगा। उसी दिन जिला स्तर पर भी 15 नवंबर को एक कार्यक्रम सम्राट अशोक भवन, खगड़ा में किया जाएगा जिसमें जिला स्तर के सभी पदाधिकारी भाग लेंगे। गौर करे कि 15 नवंबर को सम्राट अशोक भवन, खगड़ा में विभागीय स्टॉल स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग (डीआरडीए), आपूर्ति विभाग एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं का प्रचार प्रचार किया जाएगा।● **रिपोर्ट :- धर्मेन्द्र सिंह**

कौन है अक्षरा सिंह को धमकी देने वाला कुंदन सिंह

● गुड्डू कुमार सिंह

फिल्म अभिनेत्री अक्षरा सिंह को गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी और 50 लाख रुपए रंगदारी मांगने के मामले में पटना पुलिस ने भोजपुर के कुंदन सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि 50 लाख रूपये रंगदारी मांगने वाली बात झूठी निकली है। किसी कार्यक्रम के विवाद को लेकर घटना हुई है। कुंदन सिंह ब्रह्मेश्वर मुखिया का पोता है। आरा के खोपिरा गांव के रहने वाले सतेंद्र सिंह का बेटा है। पटना पुलिस की एक विशेष टीम ने भोजपुर के खोपीरा से कुंदन सिंह को गिरफ्तार किया है, जिस समय पुलिस ने कुंदन सिंह को गिरफ्तार किया वह शराब के नशे में धुत था। पटना एसएसपी का प्रभार संभाल रहे डीआईजी राजीव मिश्रा ने रंगदारी वाली बात से इनकार किया है। उन्होंने मीडिया को बताया कि इस मामले में पुलिस ने जो जांच की है उसमें अब तक रंगदारी का कोई मामला सामने नहीं आया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि अक्षरा सिंह को किसी कार्यक्रम में बुलाया गया था। उसके आयोजकों के साथ उनका विवाद हो गया था। आयोजकों की टीम से ही किसी ने एक्ट्रेस को कॉल किया था। उस कॉल में धमकी दी गयी थी। लेकिन, शराब के नशे में धुत होने के कारण कुंदन सिंह पर प्रोहिबिशन एक्ट के तहत भी केस दर्ज किया गया है। अनुसंधान के क्रम में पाया गया है कि जिन मोबाइल नंबरों से अक्षरा सिंह को फोन कर धमकी दी गई थी वो नंबर गिरफ्तार अभियुक्त कुंदन सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है। बता दें, अभिनेत्री अक्षरा सिंह को 12 नवंबर की रात दो अलग-अलग नंबरों से कॉल आया था। जैसे ही उन्होंने फोन उठाया, सामने वाले ने उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए गाली-गलौज की। कॉल करने वाले ने अक्षरा से कथित तौर पर 50 लाख रुपये की मांग की और दो दिनों के भीतर पैसा नहीं देने पर जान से मारने की बात कही। धमकी मिलने के बाद अक्षरा ने डीआईजी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की थी। अक्षरा सिंह ने पुलिस से कहा कि उन्हें पहला कॉल रात 12.20 बजे और दूसरा कॉल उसके एक मिनट बाद आया था। कॉल करने वाले ने उन्हें चेतावनी दी कि अगर दो दिनों के भीतर 50 लाख रुपये नहीं दी गई तो उनकी जान को खतरा होगा। अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की एक जानी-मानी हस्ती हैं, जिन्होंने रवि किशन के साथ सत्यमेव जयते से अपना डेब्यू किया था। वह एक्टर के साथ ही मशहूर सिंगर भी हैं। अक्षरा बिग बॉस समेत अन्य रियलिटी शो का हिस्सा रह चुकी हैं। उनकी स्थानीय राजनीति में भी गहरी दिलचस्पी है। वह प्रशांत किशोर के जन सुराज से अभियान से भी जुड़ीं।●

आरोपित के घर से मिले नगदी और हथियार

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार में जमीन विवाद का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है मारपीट गोलीबारी जैसी घटना घट रही है , ताजा मामला बिहार के भोजपुर जिले से है, जहां दो दिन पूर्व में टाउन थाना क्षेत्र के गांगी पुल स्थित बैरियर के पास प्रॉपर्टी डीलर मो. शाहिद आलम उर्फ पप्पू कुमार को गोली मारने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है , बड़की सिंगही निवासी घायल प्रॉपर्टी डीलर के बयान पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। इसमें बड़की सिंगही गांव निवासी मो. शहनवाज उर्फ गुड्डू, उसके भाई मो. तनवीर, मो. आसिफ, उसके भाई मो. शहनवाज एवं मो. आलमगीर समेत पांच को नामजद एवं तीन अज्ञात अपराधियों को आरोपी बनाया गया है। जानकारी के अनुसार, दर्ज हुई प्राथमिकी में नामजद आरोपितों पर रेकी कर षड्यंत्र के तहत गोली मारने का आरोप है। इधर, एसपी राज का कहना है कि पुलिस ने प्राथमिकी के आधार पर एक आरोपित बड़की सिंगही निवासी मो. शहनवाज (द्वितीय) को गिरफ्तार किया है।जबकि, मो. शहनवाज उर्फ गुड्डू के घर पर छापामारी करने पर करीब 17 लाख 50 हजार रुपये नकद के अलावा नोट गिनने की एक मशीन, एक एनपी बोर रेगुलर रायफल, 315 बोर के सात कारतूस, दो छोटी-बड़ी एयरगन और तीन पैकेट एयरगन के छर्रे जब्त हुए हैं। इसके बारे में छानबीन चल रही है। इधर, घायल प्रापर्टी डीलर मो. शाहिद आलम ने टाउन थाना में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा है कि अगस्त 2023 में उसने अपनी चचेरी बहन मसुदा खातून से करीब पांच कट्ठा जमीन की रजिस्ट्री कराई थी।●

जीविका कैडर संघ गड़हनी ने जीविका बीपीआईयू को पुनः सौंपा ज्ञापन

● गुड्डू कुमार सिंह

गड़हनी प्रखण्ड मुख्यालय स्थित जीविका कार्यालय के परिसर मे हिमालय एवं इंदिरा सीएलएस जीविका के प्रखण्ड जीविका कैडर संघ के द्वारा अपनी दस सूत्री मांगो को लेकर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही कैडर अध्यक्ष माधुरी देवी ने बताया कि सरकार से कैडरों द्वारा जब दस सुत्रीय मांग को लेकर पहले दिनांक - 30/09/2024 को C.L.F. में ताला बंदी किया गया था, जो जीविका कर्मचारियों द्वारा बिना सुचना बिना बैठक किये BOD की कुछ दीदीयों को बर्गलाते हुए दिनांक-21/10/2024 को भ्रष्ट आचरण अपनाते हुए मनमानीपूर्ण तरीके से ताला तोड़ा गया जिससे प्रतित होता है कि जीविका कर्मी ही सरकार हो गये हैं जो हमारे मानवाधिकार एवं नैतिक मांग को कुचलने का कार्य किया। जिस कारण हम सब मांग पुरी होने तक बहिष्कार करेंगे। इस दौरान जीविका बीपीआईयू को प्रदर्शनकारियों के द्वारा पुनः दस सूत्री मांग पत्र सौंपा गया।और सौंपे गये मांग-पत्र मे पुर्व निर्धारित मांग सभी कैडरों को जीविका की ओर से नियुक्ति पत्र एवं पहचान पत्र देने, मानदेय 'कंट्रीब्यूशन सिस्टम' पर अविलंब रोक लगाने, सभी कैडरों का मानदेय कम से कम 25 हजार और नियमित करने, काम से हटाने की धमकी पर रोक लगाने और धमकी देने वाले पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने, सभी कैडरों का क्षेत्र भ्रमण भत्ता कम से कम 3000 करने, महिला विकास निगम के अस्तित्व को बरकार रखते हुए एफडीई, सीईओ का मानदेय वृद्धि करने, सभी अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष को क्रमशः संकुल (सीएलएफ) स्तर पर 500, ग्राम संगठन (भीओ) स्तर पर 300, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) स्तर पर 200 रुपये बैठक भत्ता देने, पांच साल पुराने सभी जीविका दीदियों का ऋण माफ करने, परियोजना में तीन साल पूरा करने वाले कैडरों के लिए स्टाफ के रूप में पदोन्नति की व्यवस्था करने, सभी कैडरों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ, अवकाश, महिला कैडरों को विशेष अवकाश (एसएल), मातृत्व अवकाश, 2 लाख का मेडिक्लेम एवं 5 लाख का डेथ क्लेम देने जैसे मांगे शामिल करते हुए B.P.I.U. में भी जीविका दीदियों के देख-रेखा में ताला बंदी किया गया। प्रदर्शन करने वालो मे गड़हनी प्रखंड जीविका कैडर संघ कि अध्यक्षा-माधुरी ओझा, उपाध्यक्ष-संटुल कुमारी, सचिव-जूही कुमारी, उपसचिव-मिरा देवी, कोषाध्यक्ष-बेबी देवी एवं संघ के अन्य लोग लेखपालों-इचरी पंचायत से मनिषलता कुमारी, बगवां-अनिता सुमन, गड़हनी-गीता देवी, बडौरा-सुधा कुमारी, काउप-लिलावती कुमारी, हरपुर-सुमन कुमारी, बराप-राजेश कुमार, कुरकुरी-रविरंजन कुमार, बलीगांव-दिनेश कुमार, सभी CM जैसे-सोनिया देवी, पुनम देवी, नितु देवी मांति देवी, अन्य C.L.F. से CF कंचन देवी, दोनों C.L.F. कि BOD, RGB दीदी C.L.F. को भंग करते हुए B.P.I.U. और दोनों C.L.F. इंदिरा एवं हिमालय में तालाबंदी किया।●

पैक्स चुनाव को लेकर तैयारी जोरो से

● गुड्डू कुमार सिंह

प्रखण्ड के नौ पंचायतो मे होने वाले पैक्स चुनाव 2024 हेतु मतदाता सूची अद्यतीकरण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में शुद्धिकरण, विलोपन व जोड़ने आदि का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी अर्चना कुमारी ने बताया कि पैक्स चुनाव 29 नवम्बर को होगा। पैक्स चुनाव को लेकर फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित हो चुकी है। फाइनल तिथि के प्रकाशन के बाद शुद्धिकरण, बिलोपन व नाम जोड़ने का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। प्रखंड क्षेत्र में कुल 9 पैक्स है जिसमें सभी पैक्स के लिए अध्यक्ष पद एवं कार्यकारिणी सदस्य हेतु चुनाव होना है। प्रखंड क्षेत्र के सभी 9 पैक्सों में मतदाताओं की कुल संख्या 14634 है। जिसमे सबसे अधिक मतदाता काउप पैक्स में 2274 तथा सबसे कम बागवाँ पैक्स में 1065 है। वहीं उन्होंने बताया कि पैक्स चुनाव के लिए 16 से 18 नवम्बर तक दिन के 11 बजे से 3 बजे तक अभ्यर्थी कर सकेंगे नामांकन पर्चा दाखिल, वहीं नामांकन पत्र की संवीक्षा 19 और 20 नवम्बर को 11 से 3 बजे तक, नाम वापसी 22 नवम्बर को 11 बजे से, मतदान 29 नवम्बर को और मतगणना 30 नवम्बर को सुबह 8 बजे से राम दहिन मिश्र प्लस-2 विद्यालय गडहनी के प्रांगण मे किया जाना तय किया गया है।वहीं 22 नवम्बर के बाद प्रतीक चिन्ह का आवंटन किया जायेगा। उन्होंने पैक्स वार मतदाताओं एवं बुथो की संख्या की जानकारी देते हुए बताया कि कुरकुरी मे 2098 मतदाता एवं 3 बुथ, नगर पंचायत गडहनी 1275 मतदाता एवं 2 बुथ, हरपुर 1241 मतदाता एवं 2 बुथ, बराप 1361 मतदाता एवं 2 बुथ, ईचरी 1944 मतदाता एवं 3 बुथ, बडौरा 1919 मतदाता एवं 3 बुथ, बलिगांव 1457 मतदाता एवं 3 बुथ, बागवाँ 1065 मतदाता एवं 2 बुथ, काउप 2274 मतदाता एवं 4 बुथ, इस प्रकार कुल 14634 मतदाता एवं 24 बुथो की संख्या है। वहीं उन्होंने बताया कि पैक्स निर्वाचन कार्य मे उपेन्द्र कुमार सिंह एवं उमेश कुमार को प्रतिनियुक्त किया गया है।●

48 अराजक तत्वों पर सीसीए की कार्रवाई

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले में क्राइम कंट्रोल, शांतिपूर्ण तरीके से तरारी उपचुनाव कराने एवं विधि-व्यवस्था को बनाए रखे जाने के मद्देनजर एक बार फिर नए सिर से बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम 2024 के तहत अराजक तत्वों पर सीसीए लगाए जाने की कार्रवाई तेजी से शुरू कर दी गई है। एसपी राज के प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए जिलाधिकारी सह दंडाधिकारी तनय सुल्तानिया ने 48 तत्वों के विरुद्ध सीसीए लगाए जाने का आदेश जारी कर दिया है। इसके आधार पर अराजक तत्व अब एक से दूसरे अनुमंडल के थानों में जाकर हाजिरी लगाएंगे। हाजिरी नहीं लगाने वाले तत्वों को जिलाबदर किए जाने का प्रविधान है। इनमें अधिकांश वैसे भी हैं, जिन पर तरारी विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर सीसीए की कार्रवाई की गई है। गौरतलब हो कि एसपी ने एक महीने के अंदर करीब 68 तत्वों के विरुद्ध सीसीए लगाने का प्रस्ताव जिला दंडाधिकारी के पास भेजा है, जिसमें अपराध एवं अवैध खनन से जुड़े 48 तत्वों के विरुद्ध थाने में हाजिरी लगाने का आदेश पारित किया गया है, जबकि 20 के विरुद्ध अभी प्रक्रिया चल रही है।

☞ **इन पर की गई कार्रवाई' :-** जिन तत्वों पर सीसीए 3 (3) का आदेश पारित किया गया है, उसमें अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र निवासी विश्वजीत पासवान उर्फ भुटेला पासवान, सोनू पासवान उर्फ खेसारी, छोटन यादव, सन्नी कुमार पासवान, तरारी थाना क्षेत्र निवासी सुरेन्द्र चौधरी, राजेन्द्र यादव, मनोज रवानी, धर्मेन्द्र सिंह, प्रभात कुमार, ठेंगु राम उर्फ सर्वजीत राम, इमादपुर थाना क्षेत्र निवासी नीरज कुमार, ददन पासी, पीरो थाना क्षेत्र निवासी सिकंदर कुमार, आशीष उर्फ पिंटू यादव, मलख यादव, जितेन्द्र उर्फ जीतू यादव, सिकरहटा थाना क्षेत्र निवासी विनय पासवान, मृत्युंजय पासवान, पवन राय, रितेश कुमार उर्फ भुअर, शोभनाथ राम, सहार क्षेत्र निवासी गणेश प्रसाद, सुनील चौधरी, कल्लू राम, विकास राय उर्फ बाबूधन, अशोक सिंह, अनिल राय, चौरी थाना क्षेत्र निवासी भोला राय, उपेन्द्र सिंह, विनय चौधरी उर्फ भुअर चौधरी, संतोष राय, कामता नट, पुर्णवासी यादव उर्फ पृथ्वी राज, हसन बाजार थाना क्षेत्र निवासी राजीव कुमार उर्फ लाला, दीपक यादव उर्फ नेपाली, अरविंद कुमार, बजरंगी कुमार, चुन्नू कुमार, कोईलवर थाना क्षेत्र निवासी सरताज आलम उर्फ सोनू खान, गुड्डू राय तथा विदेशी राय समेत अन्य शामिल हैं।

☞ **20 अन्य तत्वों पर सीसीए लगाने की प्रक्रिया जारी' :-** 20 अन्य तत्वों पर अभी तक सीसीए लगाने की प्रक्रिया चल रही है। पूर्व में कोईलवर पुलिस ने बालू माफिया सत्येन्द्र पांडेय एवं नीरज पांडेय पर भी सीसीए लगाने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन दोनों पिता-पुत्र पांच दिनों पूर्व पटना से पकड़े जा चुके हैं।●

उद्यमियों से मिलने पहुंची राज्यपाल की पत्नी अघय अर्लेकर

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के राज्यपाल की पत्नी अघय अर्लेकर ने उद्यमियों से मिलने के लिए भोजपुर जिला के जगदीशपुर प्रखंड के ग्राम पंचायत दावा में मुख्यमंत्री नव परिवर्तन योजना अंतर्गत संचालित संगिनी सेनेटरी नैपकिन प्लांट का जायजा लिया और जीविका दीदी जो इसका संचालित करती हैं उन लोगों से एक-एक बिंदुओं पर विस्तृत रूप में चर्चा किया ग्राम पंचायत दावा के मुखिया सुसुमलता ने उनको सबसे पहले उनको बिहार के हाईटेक पंचायत सरकार भवन पर स्कूल की बच्चियों के साथ जोरदार स्वागत किया और उनको पंचायत सरकार भवन का भ्रमण कराया इसके बाद सेनेटरी नैपकिन पर लेकर गई जहां जीविका दीदी के द्वारा स्वागत किया गया फिर सेनेटरी पर विस्तृत चर्चा हुई उसके बाद ग्रामीण हाट बाजार एवं अन्य योजना और कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी मुखिया जी के द्वारा दिया गया अघाय अर्लेकर ने पंचायत के विकाश कार्यों को देखकर पंचायत की सराहना की और पंचायत के अधूरी कार्यों को पूरा करने के लिए मुखिया को हमेश मदद करने का आस्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि मैं समय-समय पर आपको अपने स्टार से अन्य पंचायत के महिलाओं को उत्साह वर्धन करने के लिए बुलाऊंगी ताकि महिला सशक्तिकरण का जो सच है वह उजागर हो सके इस कार्यक्रम में जगदीशपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी जगदीशपुर अंचलाधिकारी एवं सभी विभाग के पंचायत स्तरीय कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचायत के मुखिया सुम लता के साथ अनीता देवी पूनम देवी शमीमा खातून आशा देवी मनोरमा देवी ललिता देवी मकसूद आलम शामिल।●

1.20 करोड़ की हेरोइन बरामद, 10 गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

रोहतास पुलिस ने संगठित ड्रग तस्कर गिरोह का खुलासा करते हुए एक करोड़ 20 लाख से अधिक कीमत की हेरोइन जब्त किया है। इसके साथ ही 10 तस्करों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनके पास से हथियार और नगद रुपए भी बरामद किया गया है। यह कार्रवाई रोहतास एसपी रौशन कुमार के नेतृत्व में सुबह 3 बजे शुरू हुई और लगभग आठ घंटे तक चली। इस संबंध में जानकारी देते हुए शनिवार को एसपी रौशन कुमार ने कहा कि सासाराम के मुबारकगंज मुहल्ले में छापेमारी के दौरान मादक पदार्थ की बड़ी खेप को बरामद किया है। इसका वजन 1 किलो 882 ग्राम बताया जा रहा है। इसकी बाजार में कीमत एक करोड़ 20 लाख से भी अधिक बताई जा रही है। एसपी ने बताया कि इस गिरोह का सरगना रोहन कुमार उर्फ रोहन चंद्रवंशी है। इसके अलावा गिरफ्तार अभियुक्तों में 21 वर्षीय अल्तमश उर्फ जैदी, 22 वर्षीय रोहन चंद्रवंशी, 25 वर्षीय धीरज कुमार, 30 वर्षीय विकास कुमार, 21 वर्षीय अनुराग राज, 20 वर्षीय रंजीत कुमार, 19 वर्षीय अंतीक कुमार, 18 वर्षीय कुंदन कुमार, 18 वर्षीय गांधी कुमार, 18 वर्षीय यश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। इनके पास से एक देसी कट्टा, एक देसी पिस्टल, दो मैगजीन, 76 एमएम का 14 जिंदा कारतूस, 9 एमएम का 25 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। इसके साथ ही दो देसी बंदूक, एक धारदार तलवार, एक छोटा सा इलेक्ट्रानिक तराजू, 3 क्रेडिट कार्ड, चार पैन कार्ड, तीन एटीएम कार्ड भी जब्त किया गया है। 21 मोबाइल, एक लैपटॉप और एक टैब भी जब्त किया गया है। बताया गया कि मामले में 14 थानों की टीम के 200 से अधिक पुलिसकर्मियों छापेमारी करने गए थे। घंटों चली छापेमारी में यह सफलता मिली है।●

मातम में बदली छठ महापर्व की खुशियां

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार में छठ महापर्व के दौरान जल निकायों पर भारी भीड़ देखने को मिली। व्रती अपने परिवार के साथ इस महापर्व के तीसरे दिन गुरुवार को ढ़लते सूरज को अर्ध्य देने के लिए नदियों पर बने घाटों के पास पहुंचे। इस दौरान कई लोग पानी के तेज बहाव की वजह से हादसे का शिकार हो गए, जिसमें कुछ लोगों के मौत की खबर भी सामने आई है। रोहतास जिले के अलग-अलग इलाकों में जल निकायों पर उमड़ी भारी भीड़ की वजह से 5 वर्षीय लड़के सहित चार लोगों की डूबने से मौत हो गई।

☞ **पिपरा गांव के दो युवकों की मौत :-** हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बिक्रमगंज के अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने बताया कि पिपरा गांव निवासी दो व्यक्ति चौसा नहर में डूब गए। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मृतकों के शव को निकाला गया। मृतकों की पहचान आयुष कुमार (18) और अभिषेक कुमार (22) के रूप में की गई है। वहीं पिपरा निवासी शिक्षक सिकंदर सिंह के पुत्र प्रशांत कुमार को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

☞ **5 साल के बच्चे की डूबने से मौत :-** तिलौथू के अंचल अधिकारी हर्ष हरि के अनुसार, एक पांच वर्षीय लड़का अपने गांव भदोखरा के पास एक तालाब में डूब गया. बच्चे को उसके पिता कुश दुबे छठ पर्व मनाने के लिए उसे अफने साथ तालाब के पास ले गए थे, लेकिन थोड़े ही समय में छठ पर्व की खुशियां मातम में बदल गई। सीओ ने यह भी कहा कि पिपरा गांव के रहने वाले चार लोग सोन नदी में गहरे पानी में फिसल गए थे। उनमें से एक को गोताखोरों ने बचा लिया । वहीं 32 वर्षीय पिंटू यादव का शव भी बाहर निकाला गया, जबकि मृतक के भाई और भतीजे क्रमशः धर्मेंद्र और अभिनव की तलाश जारी थी। इस बीच, रोहतास से लगभग 400 किलोमीटर दूर खगड़िया से भी ऐसी ही एक घटना सामने आई, जिसमें एक 22 वर्षीय व्यक्ति कोसी नदी में तेज धारा में बह गया। मानसी थाने के थानेदार शुभम पांडे के मुताबिक, बंगलिया गांव के रहने वाले गजेंद्र कुमार की तलाश की जा रही थी.●

निरर्थक साबित हुई अपर समाहर्ता बक्सर की अथक प्रयास

● बिन्ध्याचल सिंह

समाहरणाय परिसर के कर्मचारियो से प्राप्त जानकारी के अनुसार समाहरणाय परिसर,बक्सर में अवस्थित सभी विभागो के पदाधिकारीयो की तुलना में अपर समार्हता,बक्सर कुमारी अनुपम सिंह दुसरे पदाधिकारी है जो कार्यालय में ससमय उपस्थित रहती है। जबकि पहले पदाधिकारी उप विकास आयुक्त,श्री महेन्द्र पाल है। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बात दूँ कि उप विकास आयुक्त, बक्सर अक्सर जिला परिषद् सदस्यो के विवादो में घिरे रहते है जबकि अपर समार्हता अपनी कर्तब्यनिष्ठता के लिये आम जनता में चर्चा में रहती है साथ ही उच्च पदाधि कारी के द्वारा दी गई अन्य विभागो का भी कार्य ससमय निष्पादन करती रहती है। आम जनता की आवेदन या मुलकात भी उनकी चर्चा का मुख्य कारण है। ब्रहम्मपुर व इटाढी के जनता के अनुसार अपर समाहर्ता कार्य की प्राथमिकता देती रहती है लेकिन अंचलाधिकारी कार्य की उतना महत्व नही देते है। अगर अंचल में सेवा दे रहे अंचलाधिकरी अपनी कर्तब्यनिष्ठता से कार्य करेगे तो, न तो अंचल कार्यालय में आम जनता को दौडना पडेगा और न ही न्यायलय पर मुकदमा की बोझ बढेगी। वही इटाढी प्रखण्ड के खातिबा निवासी श्री कन्हैया राजभर कहते है कि अपर समाहर्ता बक्सर की आदेश का अंचलाधिकारी इटाढी पर कोई असर

नही पडता है। अपने आप को बिहार सरकार समझने वाले पदाधिकरी की वजह से उच्च पदाधिकारी भी बदनाम होते है। बताते चले कि 18 अक्टुबर 2024 को जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में राजस्व समन्वय समिति एवं आंतरिक संसाधन की समीक्षात्मक बैठक समाहरणाय परिसर अवस्थित सभाकक्ष में की गई थी, जिसमें समीक्षा की क्रम में अपर समाहर्ता/भूमि सुधार उप समाहर्ता/अंचल अधिकारियों के लिए माह-सितम्बर-2024 के लिए राज्य स्तरीय जारी रैंकिग में गिरावट पर खेद व्यक्त करते हुए सभी अंचल अधिकारी/भूमि सुधार उप समाहर्तातथा अपर समाहर्ता को निदेशित किया गया कि एक सप्ताह के अन्दर अपेक्षित प्रगति लाना सुनिश्चि किया जाय, ताकि विभाग द्वारा निर्धारित प्राथमिकता वाले कार्यो में प्रगति परिलक्षित हो सके। बैठक के दौरान विभित्र राजस्व कर्मचारी पर प्रपत्र ''क'' गठित करने की बात समाने आई। जिसमें एक श्री रेहान अहमद राजस्व कर्मचारी पंचायत-राजपुर है। रेहान अहमद की कार्य के पद्धति के बारे में जानकारी देना चाहता हुँ कि श्री अहमद जब हल्का राजस्व कर्मचारी ब्रहम्मपुर अंचल में सेवा दे रहे थे उस समय बाबा ब्रमेश्वरनाथ इन्टरप्राइजेज,ब्रहम्मपुर से कोराना काल में कार्य के रूपया दिलवाने के नाम पर दो से ढाई लाख सेवा शुल्क लेकर चेक पर हस्ताक्षर भी नही किये और न ही बाबा ब्रमेश्वरनाथ इन्टरप्राइजेज के निदेशक श्री उदय चौरसिया का रूप्या ही लौटाये। जानकारी के अनुसार श्री अहमद अपनी बेटी के शादी के नाम पर न जाने कितने लोगो से कितनी राशि लेकर भाग गये है। वही समीक्षात्मक बैठक के बाद अपर समाहर्ता ने लगातार अंचल कार्यालय का निरिक्षण करने लगी। जिसमें इटाढी व चौसा अंचल शामिल है। परन्तु अंचल कार्यालय का वही पुरानी रवैया ही अपर समाहर्ता को जॉच में मिला। अब देखना यह है कि जिस प्रकार जिलाधिकारी अपनी अथक प्रयास व लगातार औचक निरिक्षण व समीक्षात्मक बैठक, परिवादो का निष्पादन कर बिहार के रैंकिंग में लगातार प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कर रहे है तो क्या अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह अपने विभाग

की लक्ष्य प्राप्त कर सकती है। जबकि जिला में सेवा दे रहे राजस्व हल्का कर्मचारी, डाटा ऑपरेटर बिना सेवा शुल्क के आम जनता की कार्य नही करते है। ऐसे में श्री सिंह कितनी सफलता पा रही है। ये तो आने वाला कल ही बतायेगा। अपर समाहर्ता बक्सर के औचक निरिक्षण से यह साबित हो रहा है कि हल्का राजस्व कर्मचारीयो ने भोजपुरी कहावत ''नान्हे के बिगडी अबका सुधरी''वाली कहवात चरितार्थ कर रहे है।●

प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय इटाढ़ी एक नजर में

● बिन्ध्याचल सिंह

'सा रे मांझी पागल है तो पतवार बदलकर क्या होगा' उपयुक्त कहावत चरितार्थ जिलाधिकारी बक्सर के द्वारा लगातार औचक निरीक्षण के बाद सटीक बैठती है। आपको बताते चले कि कर्मचारियो कि अनुपस्थित केवल केसठ प्रखण्ड में नही, बल्कि जिला के चक्की व इटाढी प्रखण्ड भी शामिल है। जानकारी के लिये बता दूँ कि 10/08/2024 को केवल सच प्रतिनिधि ने चक्की प्रखण्ड में लगभग दिन के ग्यारह बजे दस्तक दिये थे, जहॉ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सभी कर्मचारी व चिकित्सक, आई सी डी एस में सभी महिला पर्यवक्षिका के साथ डाटा ऑपरेटर,जबकि प्रखण्ड कार्यालय में केवल परिचारी और अंचल कार्यालय में एक डाटा ऑपरेटर की उपस्थिती थी जबकि चक्की अंचल का नाजीर, जो आम जनता की नजर में अंचलाधिकारी चक्की है लगभग ग्यारह बजे प्रत्येक कार्य दिवस में उपस्थिती दर्ज कराते है। धान की रोपाई करा रहे एक किसान ने जानकारी दी कि अंचलाधिकारी किसी भी कार्य दिवस में बारह बजे के पहले कार्यालय में नही पहुँचती है। वही 26/10/2024 को इटाढी प्रखण्ड में अंचलाधिकारी, प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी के साथ बाल विकास परियोजना पदाधिकारी की उपस्थिति थी, बाकि किसी भी पदाधिकारी की कोई भी जानकारी नही हुई। हांलाकि स्वास्थ्य केन्द्र में रोगी की भीड लगी हुई थी। प्रखण्ड सह अंचल परिसर में स्थित नगर पंचायत इटाढी के उप मुख्य पार्षद को

छोडकर लगभग सभी कर्मचारी व पदाधिकारी की उपस्थिति देखी गई। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत इटाढी के मुख्य पार्षद श्री संजय पाठक लगभग प्रत्येक कार्य दिवस में उपस्थित रहते है। प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभ लेने के लिये फार्म भरने रहे नगरवासियो ने जानकारी दी कि नगर पंचायत इटाढी के मुख्य पार्षद श्री संजय पाठक की नेतृत्व में नगर का विकास बहुत तेजी से हो रहा है जिसमें बक्सर-धनसोई मुख्य सडक मार्ग इसका प्रमाण है। परन्तु अफसोस के साथ अवगत कराना है कि जिस प्रकार से नगर की विकास हो रही है उस प्रकार से सरकार के द्वारा मुख्य पार्षद को जिला प्रशासन सहयोग नही कर रही है। इसके वावुजद भी नगर के मुख्य पार्षद श्री पाठक जी नगर का विकास कर रहे है। इसको नकारा नही जा सकता है। नगरवासियो के कथानुसार वैसे संजय पाठक के परिवार की सोच ही परमार्थी सोच रहा है, जिसमें गरीब परिवार को सहयोग करना, लडकियो की शादी में यथासंम्भव आर्थिक सहयोग, महामारी व किसी पर व्यक्तिगत संकट आने पर श्री संजय पाठक के पूर्वजो का इतिहास रहा हैं। खातिबा के श्री कन्हैया राजभर के अनुसार पाठक जी का परिवार ही एक परमार्थी सोच के साथ उदारवादी प्रवृत की रही है, क्यो कि मेरी उम्र लगभग 55-60 की हो रही है। ऐसी बाते बडे-बुजुर्गो से सुनते रहते है और मेरे गॉव यानि खातिबा में कई गरीब परिवार के लडकियो की शादी में ऐसा कर चुके है। श्री राजभर के अनुसार श्री संजय पाठक अपनी कमाई का दशांस दान में खर्च करते रहते है। प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारियो की मिली भगत से ग्राम-कोच के लछुमन राम ने न जाने कितने लोगो से 03 डिसिमिल जमीन देने के नाम पर केवल ग्राम-खातिबा से लखपति बन चुका है जो जॉच का विषय है। लछुमन राम के झांसे में प्रखण्ड के दो जाति ही आये है। पहला-ग्राम-खातिबा के कुशवॉहा/कोईरी और दुसरा-लछुमन राम के स्वजातिय है। जब केवल सच प्रतिलिधि थाना परिसर में दस्तक दिये तो देखा कि थाना परिसर में आम जनता की भीड लगी हुई थी क्योकि 26/10/2924 दिन शनिवार था। शनिवार के दिन नियमानुसार जनता दरबार लगाया जाता है जिसके वजह से आम जनता की भीड थी और थानाध्यक्ष आम जनता की परेशानी सुन रहे थे, जबकि थाना में दो पदाधिकारी मुख्य स्थान पर आम जनता की सहयोग कर रहे थे। थाना इटाढी की कर्तब्यनिष्ठता इशारे में कह रही थी, कि ''इटाढी पुलिस आपकी सेवा में''।●

वार्ड सदस्य के पुत्र को अपराधियों ने मारी गोली

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार से जहां से अपराधियों का तांडव लगातार जारी है ,घटना बक्सर जिले से बताया जा रहा है , घटना बक्सर जिले के केसठ वार्ड सदस्य के पुत्र को छ गोली मार दी गई है, आपको बता दे की बेखौफ अपराधियों ने अपने दरवाजे पर खड़े वार्ड 13 की वार्ड सदस्य विद्यावती देवी के पुत्र को गोली मार जख्मी कर दिया। जख्मी युवक को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक इलाज के बाद रेफर आरा कर दिया गया , जहां आरा के स्थानीय अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया, मृतक चंद्रभूषण तिवारी का 26 वर्षीय पुत्र अखिलेश तिवारी उर्फ मंडल तिवारी है, घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि उसे दरवाजे पर घेर कर आधा दर्जन गोलियां मारी गई है। हालांकि ग्रामीणों ने सिर्फ एक गोली की आवाज सुनी है। जिससे यह मामला गंभीर प्रतीत होने लगा है ,घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पिता चंद्र भूषण तिवारी माता विद्यावती देवी समेत पूरा परिवार बदहवास स्थिति में है। जबकि इस घटना के बाद ग्रामीण भी सकते में आ गए हैं। किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर किस वजह से इस घटना को अंजाम दिया गया है ,इधर जानकारी मिलते ही नवानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार सदल बल मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गए हैं। घटना को ले कई तरह की चर्चाएं हवा में तैरने लगी है। जबकि पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है।●

प्रधानमंत्री ने दरभंगा एम्स का किया शिलान्यास

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 13 नवम्बर को 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत की दरभंगा एम्स समेत स्वास्थ्य, सड़क, रेल एवं ऊर्जा क्षेत्र की 25 विकास परियोजनाओं का रिमोट के माध्यम से भूमि पूजन, शिलान्यास, लोकार्पण एवं शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने दरभंगा के शोभन में भूमि पूजन कर दरभंगा एम्स का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर झंझारपुर-लौकहा रेल लाइन में 2 जोड़ी मेमू ट्रेन सेवा का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को पुष्प-गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में आप सब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की उपस्थिति में उपस्थित हैं, इसके लिये मैं आप सबका अभिनंदन करता हूं, स्वागत करता हूं। आपलोग आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को देखने के लिए, उनकी बातों को सुनने के लिए यहां उपस्थित हुए हैं, यह बड़ी खुशी की बात है। आज के कार्यक्रम में यहां उपस्थित होने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी का मैं स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं। आज प्रधानमंत्री जी के द्वारा दरभंगा एम्स का शिलान्यास किया जा रहा है, यह हम सबके लिये महत्वपूर्ण अवसर है। दरभंगा में एम्स

बन जाने से लोगों को काफी अच्छी चिकित्सा सेवा उपलब्ध होगी और इलाज कराने में काफी सहूलियत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के कार्यकाल में पहली बार पटना में एम्स के निर्माण का निर्णय लिया गया था जो अब काफी अच्छे ढंग से बन गया है। यहां पर काफी लोग इलाज कराने जाते हैं। दूसरी बार भी वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शासनकाल में ही यह तय हो गया था कि बिहार में एक और एम्स बनेगा। उन्होंने कहा कि तत्कालीन वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली जी से भी हम मिले थे और उनसे कहा था कि पटना में एक एम्स हो गया है और अब दूसरी जगह दरभंगा में एक और एम्स बनना चाहिए। हम सबलोगों को शुरू से ही कहते रहे कि बिहार में दो एम्स का निर्माण होना चाहिए। वर्ष 2019 में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे0पी0 नड्डा जी जब पटना आए थे तो हम उस समय भी उनसे आग्रह किए कि आप इसको जल्दी से बनवाइए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों की पहले इच्छा थी कि दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल को ही एम्स के रूप में स्वीकार कर लिया जाय लेकिन उसमें दिक्कत होने पर फिर दूसरी जगह एम्स बनाने का निर्णय लिया गया। आपलोग आज जहां पर बैठे हुए हैं इसी जगह को दरभंगा के जिलाधिकारी द्वारा एम्स के निर्माण के लिए चुना गया है। हम जब यहां पर आये और देखे तो बोले कि यह जगह दरभंगा,

एम्स के निर्माण के लिए बहुत अच्छी है। अब यहां पर राज्य सरकार द्वारा रास्ते का चौड़ीकरण कराया जाएगा ताकि यहां आने-जाने में काफी सहूलियत हो। उन्होंने कहा कि दरभंगा में एम्स बन जाने से शहर का बहुत विस्तार होगा। सबलोगों को इलाज के लिए यहां पर अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। यह बड़ी खुशी की बात है कि आज यहां पर प्रधानमंत्री जी दरभंगा एम्स का शिलान्यास करने आए हैं। मैं उनका अभिनंदन करता हूं, स्वागत करता हूं। राज्य सरकार द्वारा दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का भी विस्तार किया जा रहा है। यह पटना के पी0एम0सी0एच0 के बाद दूसरा सबसे पुराना अस्पताल है। अब यहां पर 2500 बेडों की व्यवस्था रहेगी जिससे मरीजों को इलाज में आसानी होगी। पटना के पी0एम0सी0एच0 का भी विस्तार किया जा रहा है, इसे विश्वस्तरीय अस्पताल बनाया जा रहा है ताकि लोगों को इलाज में और सहूलियत हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों को बहुत खुशी है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी यहां पधारे हैं। हमलोग जैसा एक्स के निर्माण के बारे में सोचे हैं मुझे विश्वास है कि केंद्र सरकार की देखरेख में एम्स का निर्माण काफी अच्छे ढंग से होगा। मैं यहां उपस्थित आपलोगों से अनुरोध करूंगा कि आपसब प्रधानमंत्री जी के स्वागत में हाथ उठाइए और उनका अभिनंदन करें। यह बहुत खुशी की बात है कि आज प्रधानमंत्री जी खुद इसका शिलान्यास कर रहे हैं। दरभंगा एम्स के निर्माण में राज्य सरकार पूरे तौर पर केंद्र सरकार को सहयोग करेगी। इन्हीं शब्दों के साथ मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का अभिनंदन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। ●

विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग निरंतर नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग निरंतर नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर है। इस संबंध में प्राप्त सूचनानुसार शैवाल जो जल से हानिकारक प्रदमषणों को हटाने में उपयोगी है उसको लेकर डॉ० अनिल सिंह यादव जो बख्तियारपुर अभियंत्रण महाविद्यालय पटना के यांत्रिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर हैं, उन्होनें जल शोधन में शैवाल आधारित मेम्ब्रेन बायोरिएक्टर तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण शोधपत्र प्रकाशित किया है। यह शोधपत्र प्रतिष्ठित रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री कैम्ब्रिज द्वारा प्रकाशित 39 के उच्च इंपैक्ट फैक्टर वाली एससीआई/स्कोपस शोधपत्रिका आरएससी एडवांसेज में प्रकाशित हुआ है। रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, कैम्ब्रिज द्वारा प्रकाशित इस शोध पत्रिका में केवल उत्कृष्ट गुणवत्ता और प्रासंगिकता वाले शोध कार्य ही प्रकाशित होते हैं। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने आगे जानकारी दी है कि राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय खगड़िया में आज 12 नवम्बर को ब्लेंडर कोसे स्पोकन टयूटोरियल का एक विशेष टेस्ट आयोजित किया जा रहा है। इसमें महाविद्यालय के विभिन्न शाखाओं के छात्र हिस्सा लेंगे। प्राचार्य डॉ0 मणि भूषण ने बताया कि इस टेस्ट का प्रमुख उद्देश्य छात्रों के डी मॉडलिंग और ग्राफिक्स डिजाइनिंग कौशल का मूल्यांकन करना है। ब्लेंडर सॉफ्टवेयर जो 3 डी एनिमेशन और गेमिंग उद्योग में अत्यंत महत्वपूर्ण है, छात्रों को तकनीकी दृष्टि से मजबूत बनाने में सहायक होगा। यह परीक्षा IIT बॉम्बे के सहयोग से आयोजित स्पोकन टयूटोरियल का हिस्सा है, जिससे छात्रों को व्यावहारिक दोनों तरह के ज्ञान में महारत हासिल हो सके। सफल छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जो उनके करियर निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाएगी जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्नों के साथ-साथ कुछ व्यावहारिक कार्य भी शामिल होंगे। इसी तरह राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय बांका के ई यंत्रा रोबोटिक्स एंड कोडिंग क्लब ने एक जर्नल और एक कॉफ्रेंस पेपर पब्लिश किया है। रोबोटिक्स एंड कोडिंग क्लब के द्वारा लगातार इनोवेटिव काम किया जा रहा है जिससे कि महाविद्यालय के बच्चे कई नए एवं यूनिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रो0 सुजीत कुमार विद्युत संकाय विभाग, प्रो0 दीबा आशिक इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग, अलका राज फर्सट ईयर सी. एस.ई. विभाग, मोहम्मद जफर ई.ई. विभाग फाइनल ईयर की टीम ने पेपर टाइटल 'इन्हेसिंग रोड सेफ्टी विथ स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर' डेवलपमेंट एंड इंप्लीमेंटशन ऑफ एडवांस्ड जेब्रा क्रॉसिंग एंड स्पीड ब्रेकिंग', 'इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी', जर्नल में प्रकाशित किया है और एक कॉन्फ्रेंस पेपर टाइटल 'डेवलपमेंट ऑफ इंटेलीजेंट जेब्रा क्रॉसिंग टू मिटीगेट ट्रैफिक एक्सीटेंट्स' टॉपिक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेज कम्यूनिकेशन मेडिकल इलेक्ट्रोनिक्स एंड स्मार्ट ग्रिड ऑटोमेशन, रिप्रंजर में प्रकाशित किया है। महाविद्यालय में आई.आई.टी. बॉम्बे के सहयोग से रोबोटिक्स लैब की स्थापना की है, जिससे कि महाविद्यालय के बच्चे एवं बांका जिला के आस-पास के बच्चे भी यहाँ आकर रोबोटिक्स के बारे में जान रहे हैं और उस पर काफी काम कर रहे हैं। ●

गया आईएमसी परियोजना को बढ़ावा देने के लिए शेयरधारक समझौते पर हस्ताक्षर समारोह संपन्न

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

बिहार के औद्योगिक भविष्य के लिए आज 12 नवम्बर का दिन ऐतिहासिक है। बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण और नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के बीच शेयरधारक समझौता और छप्ब्क् तथा बिहार सरकार के उद्योग विभाग के बीच राज्य समर्थन समझौता पर हस्ताक्षर किए गए। इस समारोह में बिहार सरकार के माननीय उद्योग मंत्री श्री नीतीश मिश्रा, और राज्य व भारत सरकार के विशिष्ट अधिकारीगण शामिल हुए। इनमें श्रीमती बंदना प्रेयसी, सचिव, उद्योग विभाग, बिहार; श्री कुंदन कुमार, प्रबंध निदेशक, BIADA; श्री आलोक रंजन घोष, निदेशक, उद्योग विभाग, बिहार; और श्री रजत कुमार सैनी, सीईओ और प्रबंध निदेशक, छप्ब्क् शामिल थे. BIADA, पटना और NICDC, नई दिल्ली मिलकर गया में एक विशेष उद्देश्य वाहन स्थापित करेंगे, जो इस IMC परियोजना को विकसित करने के लिए समर्पित रहेगा।

☞ **परियोजना का उद्देश्य और भविष्य की योजनाएँ** :- यह परियोजना बिहार में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए एक सामरिक आधार तैयार करेगी। 1,670 एकड़ में फैली यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे नेटवर्क, गया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, और जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा गैस पाइपलाइन जैसे बहुमॉडल कनेक्टिविटी से समर्थित होगी। IMC गया को औद्योगिक और लॉजिस्टिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

☞ **पर्यावरणीय अनुपालन और अगले कदम** :- इस हस्ताक्षर समारोह के बाद, परियोजना भूमि समन्वय, कनेक्टिविटी सरेखण के अंतिम रूप, और SPV बोर्ड की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट पर सार्वजनिक परामर्श और समीक्षा की गई। बिहार के औद्योगिक विकास में इस नए युग की शुरुआत में राज्य और राष्ट्रीय हितधारकों का समर्थन इस परियोजना को प्रमुख निवेश आकर्षित करने और बिहार को औद्योगिक और आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में प्रेरित करेगा।

☞ **कनेक्टिविटी और टिकाऊ अवसंरचना** :- IMC गया परियोजना उद्योगों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करती है, जिसमें गोल्डन क्वाड्रिलेटरल, NH-19, NH-22 से कनेक्टिविटी है और यह फतुहा में प्रस्तावित मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क के पास स्थित है। यह परियोजना सतत और सुलभ औद्योगिक अवसंरचना के निर्माण के सरकार के प्रयासों को दर्शाती है, जो पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप है। ●

जीरो टॉलरेंस नीति को सुनिश्चित कराने हेतु कटिबद्ध है निगरानी विभाग

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

15 नवंबर 2024 को सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार, पटना के संवाद कक्ष में श्री अरविन्द कुमार चौधरी, प्रधान सचिव, निगरानी विभाग की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

विदित है कि निगरानी विभाग का गठन 26 फरवरी, 1981 को किया गया। मूलत: निगरानी विभाग का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को भ्रष्टाचार एवं कदाचार से मुक्त करना है। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार पर सकारात्मक एवं निरोधात्मक निगरानी रखने हेतु वर्तमान निगरानी प्रणालियों को सक्षम, कारगर, संवेदनशील एवं गतिशील बनाना ही इस विभाग का मुख्य उद्देश्य है। निगरानी विभाग द्वारा सरकार के भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति, लोक निधि के दुरूपयोग को रोकने के साथ-साथ लोक निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है।

★ उपलब्धियाँ :-

★ निगरानी विभाग :-

☞ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत दर्ज कांडों के विचारण हेतु तीन विशेष निगरानी न्यायालय, पटना, मुजफ्फरपुर एवं भागलपुर में कार्यरत है। वादों के विचारण हेतु विशेष निगरानी न्यायालय, पटना में 11 (ग्यारह), मुजफ्फरपुर 04 (चार) एवं भागलपुर में 02 (दो) विशेष लोक अभियोजक कार्यरत है।

☞ बिहार विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 के तहत 06 (छ:) न्यायालय 02 (दो) पटना 02 (दो) मुजफ्फरपुर एवं 02 (दो) भागलपुर में कार्यरत है। वादों के विचारण हेतु विशेष निगरानी न्यायालय, पटना में 02 (दो), मुजफ्फरपुर में 02 (दो) एवं भागलपुर में 02 (दो) विशेष लोक अभियोजक कार्यरत है।

☞ जनवरी 2024 से अक्टूबर 2024 तक बिहार विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 के अन्तर्गत लोक सेवकों के कुल राशि 23,57,77,060/-रूपये के सम्पत्ति अधिहरण हेतु 25 घोषण पत्र निर्गत किये गये हैं, जिनमें से कुल राशि 18,24,90,158/- रूपये के 15 घोषणा पत्र लोक सेवकों के विरूद्ध सम्पत्ति अधिहरण के मामलों में आने वाली वैधानिक रूकावटों एवं बाधाओं को दूर करने हेतु बिहार विशेष न्यायालय (संशोधन) नियमावली 2024 के प्रवृत्त होने के पश्चात् निर्गत किये गये हैं।

☞ भ्रष्टाचार के नियंत्रण हेतु विभागीय एवं जिला स्तरीय निगरानी कोषांगों को सशक्त एवं प्रभावी ढंग से कार्य करने की दिशा में पहल की गयी है। विभागीय मुख्य निगरानी पदाधिकारियों के साथ दिनांक-30.09.2024 को बैठक की गयी है एवं दिशा-निर्देश दिये गये हैं। जिला में गठित जिलास्तरीय उड़नदस्ता दल के साथ दिनांक-06.12.2024 को बैठक-सह-प्रशिक्षण कार्यशाला निर्धारित है।

☞ निगरानी संबंधी दर्ज प्राथमिकियों के विरूद्ध लंबित अभियोजन स्वीकृति की नियमित समीक्षा से अभियोजन स्वीकृति के मामलों का निष्पादन तेजी से हो रहा है।

☞ निगरानी विभाग द्वारा प्राप्त परिवाद पत्रों की जाँच कराकर नियमानुसार निष्पादन किया जाता है।

☞ निगरानी विभाग के स्तर पर एक पोर्टल का निर्माण छप्पके माध्यम से किया गया है। सभी प्राप्त परिवादों को इसी पोर्टल पर अपलोड करने की कार्रवाई की जा रही है। भविष्य में इसी पोर्टल के माध्यम से विभागों/जिलो को परिवादों को जाँच हेतु भेजते हुए उसका अनुश्रवण किया जायेगा।

★ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (दिनांक 01.01.2024 से 31.10.2024 तक):-

☞ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा इस वर्ष कुल 13 प्राथमिकी दर्ज की गयी है, जिसमें पद के भ्रष्ट दुरूपयोग के 05 मामले, प्रत्यानुपातिक धनार्जन के 02 मामले एवं ट्रैप के 6 मामले हैं। गृह तलाशी के क्रम में कुल 3,18,000 रूपये (तीन लाख अठारह हजार) की नगद एवं 5,88,321 (पाँच लाख अठासी हजार तीन सौ एक्कीस) रूपये मूल्य के आभूषण की बरामदगी की गयी है। ट्रैप कांडों में रिश्वत की राशि 4,89,000 (चार लाख नवासी हजार) रूपये है।

☞ बिहार विशेष न्यायालय अधिनियम-2009 के तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना द्वारा अनुसंधानित 13 वादों के अभियुक्तों की कुल 15,75,54,287 (पन्द्रह करोड़ पचहत्तर लाख चौवन हजार दो सौ सतासी) रूपये की अवैध रूप से अर्जित चल एवं अचल सम्पत्ति को जब्त करने से संबंधित राज्यसात वाद में प्राधिकृत पदाधिकारी के न्यायालय के द्वारा सरकार के पक्ष में सम्पत्ति अधिहरण करने संबंधी आदेश दिया गया।

☞ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा इस अवधि में अनुसंधानोपरान्त 21 (एक्कीस) कांडों में सक्षम प्राधिकार से अभियोजन स्वीकृत्यादेश प्राप्त कर

आरोप पत्र माननीय विशेष न्यायालय निगरानी में समर्पित किया गया है।

☞ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा अनुसंधानित एवं आरोपपत्रित ट्रैप के 14 वादों, पद के भ्रष्ट दुरूपयोग के एक वाद कुल 15 वादों में माननीय विशेष न्यायालय द्वारा कुल 15 लोक सेवक अभियुक्तों को सजा दी गयी है।

☞ नियोजित शिक्षकों के शैक्षणिक एवं प्रशैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की जाँच के क्रम में कुल 94 अभियुक्तों के विरूद्ध 94 कांड संबंधित जिला में जाँचोपरान्त अंकित कराया गया है।

☞ 01.01.2020 से 31.10.2024 तक बिहार विशेष न्यायालय अधिनियम-2009 के तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना द्वारा अनुसंधानित 43 प्रत्यानुपातिक धनार्जन के कांडों से संबंधित कुल 46,68,91,486 (छियालीस करोड़ अड़सठ लाख एकानवे हजार चार सौ छियासी) रूपये की अधिहरण की कार्रवाई हेतु प्राप्त प्रस्ताव में सरकार द्वारा 42 मामलों में घोषणा पत्र निर्गत किया गया है।

☞ 01.01.2020 से 31.10.2024 तक ट्रैप के कुल 148 मामले, पद के भ्रष्ट दुरूपयोग के कुल-25 मामले तथा प्रत्यानुपातिक धनार्जन के कुल 43 मामलों में कांड दर्ज किये गये। ट्रैप के मामले में 172 अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई तथा उनके पास से रिश्वत की राशि 80,05,000 (अस्सीलाख पाँचहजार) रूपये तथा अतिरिक्त राशि 30,19,300 (तीस लाख उन्नीस हजार तीन सौ) रूपये बरामद किये गये।

प्रत्यानुपातिक धनार्जन से संबंधित कांडों में गृह तलाशी के क्रम में अभियुक्तों के घर से 17,70,49,970 (सत्रह करोड़ सत्रह लाख उनचास हजार नौ सौ सळार) रूपये नगद एवं कुल 14,65,00,532 (चौदह करोड़ पैंसठ लाख पाँच सौ बत्तीस) रूपये मूल्य के आभूषण बरामद किया गया है।

☞ 01.01.2020 से 31.10.2024 तक अनुसंधानोपरान्त 261 कांडों में आरोप पत्र माननीय विशेष न्यायालय, निगरानी में समर्पित किया गया।

☞ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा अनुसंधानित एवं आरोपपत्रित ट्रैप के 26 वादों, प्रत्यानुपातिक धनार्जन के 01 वाद एवं पद के भ्रष्ट दुरूपयोग के 01 वाद में माननीय विशेष न्यायालय के द्वारा कुल-29 लोक सेवक अभियुक्तों को सजा सुनाई गई।

☞ माननीय उच्च न्यायालय, पटना के आदेश के आलोक में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा निगरानी जाँच संख्या-बी.एस.-08/2015 संधारित कर नियोजित शिक्षकों के शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की जाँच की जा रही है। इस अवधि में कुल 2768 अभियुक्तों के विरूद्ध 1563 कांड संबंधित जिला में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा जाँचोपरान्त अंकित कराया गया है।

★ विशेष निगरानी इकाई, पटना :-

☞ विशेष निगरानी इकाई द्वारा वर्ष 2024 में अबतक 06 प्राथमिकी दर्ज किये गये हैं।इकाई के गठन के पश्चात् कुल 52 कांडों को अनुसंधान हेतु दर्ज किया गया है।

☞ इस इकाई द्वारा वर्ष 2022 से रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ने के मामले से संबंधित अभी तक कुल 09 प्राथमिकी दर्ज की गयी।

☞ अनुसंधानरत मामलों में माननीय विशेष न्यायालय में 26 कांडों में अभियोग पत्र दाखिल किया गया है। बिहार विशेष न्यायालय अधिनियम -2009 के तहत अचल सम्पळि जब्त करने की प्रक्रिया में अभी तक 12 (बारह) कांडों में राज्यसात की कार्रवाई की गई है।

★ तकनीकी परीक्षक कोषांग, पटना :-

☞ जनवरी 2024 से दिनांक 31.10.2024 तक तकनीकी परीक्षक कोषांग द्वारा निगरानी विभाग से आदेशित कुल 38 (अड़तीस) भवन मूल्यांकन मामलों में मूल्यांकन प्रतिवेदन समर्पित किया गया है।

☞ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, विशेष निगरानी इकाई एवं आर्थिक अपराध इकाई से संबंधित तकनीकी मामलों में इस कोषांग द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है। जनवरी 2024 से दिनांक 31.10.2024 तक कोषांग द्वारा कुल 14 (चौदह) भवन मूल्यांकन प्रतिवेदन समर्पित किया गया है।

☞ अन्य विभागों से प्राप्त संचिकाओं पर भी तकनीकी परीक्षक कोषांग द्वारा तकनीकी कार्यों पर परामर्श दिया जाता है।

☞ कार्य विभागों के राज्य स्तरीय अनुसूचित दर निर्धारण प्रक्रिया में अनुसूचित दर के प्रकाशन हेतु निर्धारित बैठकों में अपना मंतव्य एवं सुझाव देकर अनुसूचित दर की स्वीकृति में तकनीकी परीक्षक कोषांग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

☞ तकनीकी परीक्षक कोषांग अन्तर्गत कार्यरत प्रयोगशाला में आवश्यक यंत्र/संयत्र स्थापित कर प्रयोगशाला जाँच की व्यवस्था को सृदृढ़ किया गया है।

☞ कार्य विभागों द्वारा सम्पादित कराये जा रहे कार्यों के उच्च स्तर के कार्य सम्पादन को सुनिश्चित करने के लिये तथा डिजाईन एवं स्पेसिफिकेशन के अनुरूप कार्य को सुनिश्चित करने हेतु तकनीकी परीक्षक कोषांग द्वारा समय-समय पर योजनाओं की औचक जाँच की जाती है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में निगरानी विभाग के प्रधान सचिव, श्री अरविन्द कुमार चौधरी के अतिरिक्त श्री पंकज कुमार दराद, अपर महानिदेशक, विशेष निगरानी इकाई, श्रीमती एस. प्रेमलथा, पुलिस महानिरीक्षक, श्री रामा शंकर, संयुक्त सचिव, तथा श्रीमती अंजु सिंह, संयुक्त सचिव (विधि) के साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।●

इंडिया हॉकी टीम को कराया गया नालंदा भ्रमण

● सोनू यादव

06 नवम्बर को एशियन महिला हॉकी ट्रॉफी में शामिल इंडिया हॉकी टीम को जिला प्रशासन नालंदा द्वारा ग्लास ब्रिज राजगीर का भ्रमण कराया गया। विदित हो कि बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के तत्वावधान में राजकीय खेल अकादमी-सह-खेल परिसर, राजगीर में एशियन महिला हॉकी चौंपियंस ट्रॉफी का आयोजन दिनांक-11 नवम्बर से 20 नवम्बर, 2024 तक निर्धारित है। इस प्रतियोगिता में कुल 6 देश के टीम यथा: भारत, चीन, मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया एवं थाईलैंड भाग ले रही है। भ्रमण के

दौरान इंडिया हॉकी टीम के सभी महिला खिलाड़ियों ने बिहार सरकार द्वारा निर्मित ग्लास ब्रिज पर ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाकर काफी उत्साहित हुई। बिहार में टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्कृष्ट कार्यों की इंडिया हॉकी टीम के द्वारा सराहना की गई।●

गंगा को प्रदूषण मुक्त करना प्राथमिकता : नितिन नवीन

● अमित कुमार

नगर विकास एवं आवास विभाग की तरफ से गंगा किनारे बनने वाले एसटीपी का कार्य काफी जोर-शोर से चल रहा है। पटना शहर में कुल 6 में से 4 एसटीपी का काम पूरा हो गया है, जबकि दो अन्य सीवरेज परियोजनाओं- दीघा सीवरेज नेटवर्क एवं एसटीपी तथा कंकड़बाग सीवरेज नेटवर्क एवं एसटीपी का काम प्रगति पर है। पहाड़ी जोन 5 सीवरेज नेटवर्क का काम तेजी से चल रहा है और इसके इस वर्ष दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है। दीघा एसटीपी का काम 48 प्रतिशत और कंकड़बाग एसटीपी का काम लगभग 46 प्रतिशत पूरा हो गया है। पटना शहर में 1165.55 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क तथा 350 एमएलडी क्षमता की एसटीपी योजना से संबंधित कुल 11 योजनाएँ स्वीकृत हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री श्री नितिन नवीन ने कहा कि पटना महानगर को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा रखना सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए पुराने नालों और सीवरेज को दुरूस्त करने के साथ ही सीवरेज का नया नेटवर्क बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे शहर के गंदे पानी को ट्रीट करके गंगा नदी में डाला जाएगा, जिससे गंगा नदी को भी प्रदूषण मुक्त करने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि पटना में चार एसटीपी परियोजनाओं- बेउर एसटीपी, करमलीचक एसटीपी, सैदपुर एसटीपी एवं पहाड़ी एसटीपी का काम पूरा हो चुका है। विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह ने बताया ''चार सीवरेज नेटवर्क परियोजनाएँ तथा बेउर सीवरेज नेटवर्क, सैदपुर सीवरेज नेटवर्क, पहाड़ी जोन- 4 सीवरेज नेटवर्क एवं करमलीचक सीवरेज नेटवर्क पूर्ण हो चुका है। इनमें से दो एसटीपी परियोजनाएँ- सैदपुर एवं पहाड़ी तथा चारों सीवरेज नेटवर्क विगत दो वर्षों में पूरी की गई है। पटना के अलावा 10 अन्य शहरों- दानापुर, बाढ़, मनेर, मोकामा, फुलवारीशरीफ, सोनपुर, छपरा, नवगछिया

एवं सुल्तानगंज आई एंड डी. एवं एसटीपी और मुंगेर सीवरेज नेटवर्क एवं एसटीपी परियोजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं। ये सभी परियोजनाएँ विगत दो वर्षों में पूर्ण की गई हैं। राज्यभर में बनने वाले एसटीपी पर कुल लागत लगभग 7500 करोड़ रूपये आएगी।

गौरतलब है कि दूसरी तरफ गंगा की सहायक नदियों के किनारे बसे 10 शहरों में 945 करोड़ रुपये की लागत से एसटीपी बनेगा। बिहार में गंगा किनारे बनने वाले एसटीपी और सीवरेज नेटर्वक पर तेजी से काम जारी है। पटना में बनने वाले कुल छह एसटीपी में से चार का जहाँ काम पूरा हो चुका है, वहीं दो एसटीपी भी अगले वर्ष तक बनकर तैयार हो जाएंगे। इतना ही नहीं गंगा की सहायक नदियों के किनारे बसे शहरों में भी सीवरेज नेटवर्क को दुरुस्त करने के लिए सरकार प्रयासरत है। इसके लिए सरकार की तरफ से गंगा की सहायक नदियों के किनारे बसे शहरों में भी योजनाबद्ध तरीको से एसटीपी बनाने एवं सीवरेज नेटवर्क बनाने तथा पुराने सीवरेज नेटवर्क को दुरुस्त करने की योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। गंगा की सहायक नदियों के किनारे बसे 10 शहरों में भी आई.एंड.डी. (इंटरसेप्शन एंड डायवर्जन) एवं एसटीपी बनाने के लिए 945.45 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। इस राशि से दाउदनगर, मोतिहारी, जमुई, सुपौल, रामनगर, नरकटियागंज, लखीसराय एवं रक्सौल में आई. एंड.डी. एवं एसटीपी का निर्माण कार्य कराया जाना है।

पटना शहर के अलावा बख्तियारपुर, फतुहा, कहलगाँव, बड़हिया एवं भागलपुर आई. एंड.डी. एवं एसटीपी तथा बेगूसराय एवं हाजीपुर सीवरेज नेटवर्क का काम प्रगति पर है। इनमें से बख्तियारपुर, बेगूसराय एवं फतुहा का निर्माण कार्य अगले महीने तक पूरा होने की संभावना है। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री श्री नितिन नवीन ने कहा कि सरकार का पूरा प्रयास है कि ये सभी योजनाएँ ससमय पूरी हो जाएँ, ताकि गंगा नदी को स्वच्छ बनाने के सरकार के संकल्प को हम जल्द-से-जल्द पूरा कर सकें। गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और हम इसके लिए अनवरत काम कर रहे हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह ने कहा कि दाउदनगर, मोतिहारी, सुपौल एवं जमुई की परियोजनाओं के लिए निविदा स्वीकृत हो चुकी है, एवं अन्य शहरों में एसटीपी एवं सीवरेज नेटवर्क के लिए निविदा प्रक्रियाधीन है।●

शिक्षा विभाग ने आयोजित की एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला

● पूनम जायसवाल

पोषण वाटिका के विस्तार की रणनीति एवं सहयोगी विभागों से समन्वय प्राप्त करने हेतु राज्य स्तर पर एक दिवसीय उन्नमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन यूनिसेफ, बिहार के सहयोग से दिनांक- 13.11.2024 पूर्वाह्न 10.30 बजे होटल मौर्या, दक्षिणी गाँधी मैदान, पटना में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री डाङ्क एसङ्क सिद्धार्थ, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के द्वारा किया गया। कार्यशाला में श्री विनायक मिश्रा निदेशक, मध्याह्न भोजन योजना, बिहार, यूनिसेफ की ब्थ्थ्व्ए आयुक्त मनरेगा, निदेशक, अटारी, विभागाध्यक्ष्य, डाङ्क राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, मध्याह्न भोजन योजना निदेशालय के पदाधिकारी, यूनिसेफ के पोषण विशेषज्ञ व पोषण पदाधिकारी एंव राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, अनिमियामुक्त भारत, बिहार उपस्थित थे। इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यालय पोषण कार्यक्रम एवं पोषण वाटिका के द्वारा प्रारंभिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बच्चों के बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार की पहल की जा रही है।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में श्री विनायक मिश्रा निदेशक, मध्याह्न भोजन योजना, बिहार द्वारा पोषण वाटिका का विस्तार एवं क्रियान्वयन की रणनीति तैयार कर राज्य के 40 हजार विद्यालयों में पोषण वाटिका के सृजन के संबंध में सबों को संबोधित किया गया।

यूनिसेफ की ब्थ्थ्व् के द्वारा अपने संबोधन भाषण में बिहार में पोषण की स्थिति एव पोषण वाटिका के महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। आयुक्त, मनरेगा के द्वारा अपने संबोधन भाषण में मनरेगा द्वारा राज्य के सभी प्रारंभिक विद्यालयों में पोषण वाटिका के विस्तार के संबंध में दिये जाने वाले सहयोग से कार्यशाला में उपस्थिति सभी जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मध्याह्न भोजन को अवगत कराया गया। डॉ० एस. सिद्धार्थ, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के द्वारा अपने संबोधन भाषण में मध्याह्न भोजन योजना द्वारा बच्चों के दिये जाने वाले पके-पकाये भोजन की पौष्टिकता को बढ़ाने में पोषण वाटिका का लाभ प्राप्त करने हेतु इसे बढ़ावा देने की बात कही गई। वर्तमान मेनू में मात्रा एवं अनुपात के अनुसार हरे साग-सब्जी को शामिल करने विशेषकर पालक एवं मोरिंगा (सहजन) को शामिल करने की बात कही गई। साथ ही कार्यशाला के दौरान पोषण माह एवं पोषण पखवाड़ा 2023-24 में किये गये गतिविधियों के आंकड़ों के अनुसार अव्वल आने वाले जिलों को सम्मानित किया गया। राज्य स्तर पर समन्वय एवं सहयोग के लिए पदाधिकारी को भी सम्मानित किया गया।

बिहार में छोटे बच्चे विशेष रूप से किशोरावस्था में अनीमिया गंभीर समस्या है। इसके समाधान एवं किशोर-किशोरियों के बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार के लिए निदेशालय मध्याह्न भोजन योजना एवं यूनिसेफ के साझा प्रयास से अंकुरण परियोजना प्रारंभ किया गया। परियोजना जुलाई 2016 मे प्रायोगिकी के तौर पर पूर्णिया जिला के 100 प्रारंभिक विद्यालयों मे किया गया था। इसकी सफलता के पश्चात् बिहार के सभी जिलों के विद्यालयों में विस्तार किया जा रहा है। इस परियोजना के माध्यम से पोषण वाटिका द्वारा सूक्ष्म पोषक तत्वयुक्त भोजन का

उद्देश्य :-

- ☞ पोषणवा टिका के माध्यम से बच्चो किशोर/किशोरियों को सूक्ष्म पोषक तत्वयुक्त साग-सब्जियों के माध्यम से स्थानीय भोजन का आदतन प्रयोग करना।
- ☞ प्रत्येक बुधवार को चेतना सत्र में बाल संसद एवं मीनामंच के नेतृत्व में पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता शिक्षा के द्वारा जागरूकता को बढ़ावा देना।
- ☞ विद्यालय में बच्चों, अभिभावकों और अन्य हितभागियों के बीच व्यापक स्तर पर जागरूकता को बढ़ाना।
- ☞ विद्यालय मे बच्चों एवं किशोर-किशोरियों के बीच मध्याह्न भोजन के पश्चात् प्रत्येक बुध वार को आयरन, फोलिक एसिड एवं कृमि नाषक का प्रति 6-6 माह पर गोली का सेवन को सुनिश्चित कराना। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालय के बच्चों को स्वास्थ्य जाँच सुनिश्चित कराना।

सेवन, स्वच्छ आदतों, स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा, आयरन गोली का सेवन एवं स्वास्थ्य जाँच जैसी गतिविधि की जानी है। इस कार्यक्रम का दूरगामी परिणाम प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों, बच्चों एवं अभिभाव कों में पोषण वाटिका में उत्पादित सूक्ष्म पोषक तत्वयुक्त साग, सब्जियों के सेवन तथा स्वच्छता के प्रति व्यवहारगत आदतों में परिवर्तन होगा।

पूर्णियां जिला में प्रायोगिक तौर पर सफलता के पश्चात् इस महत्वाकांक्षी योजना को जनवरी 2018 मध्याह्न भोजन योजना समिति के राज्य स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि, अंकुरण परियोजना (पोषण वाटिका) का विस्तार बिहार के सभी 38 जिलों मे किया जाना है। इसके क्रियान्वयन में मध्याह्न भोजन योजना, समग्र शिक्षा अभियान, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय एवं यूनिसेफ के द्वारा किया जायेगा। विद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच पोषण संबंधित सीख बढ़ाने में पोषण-वाटिका एक प्रभावी माध्यम है। ''देखो और सीखो'' के सिद्धान्त पर आधारित पोषण-वाटिका, शारीरिक और मानसिक विकास में जैविक-विधि से उपजाए गए हरी सब्जियों के महत्व को स्थापित करने और समझाने में सहयोगी होगा। विभिन्न हरी साग-सब्जियो में पाए जाने वाले सूक्ष्म पोषक तत्व और उनके महत्व को समझाने में भी यह कारगर होगा। पोषण-वाटिका के आस पास आयोजित शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, सहयोगी कार्यकर्ताओं और अन्य हितभागियों को पोषण-संबंधित विषयों के साथ जोड़ने में सहयोग मिला। इससे विद्यालय परिसर की सुन्दरता में भी निखार होगा। ●

सोशल मीडिया एवं अन्य ऑनलाईन मीडिया नियमावली 2024 को मिली स्वीकृति

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

तकनीकी विकास के साथ विकसित हो रहे सोशल मीडिया के विभिन्न प्रकारों के माध्यम से राज्य सरकार की नीतियों एवं लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा बिहार सोशल मीडिया एवं अन्य ऑनलाईन मीडिया नियमावली, 2024 बनाई गयी है। राज्य कैबिनेट द्वारा 14 नवम्बर, 2024 को इसे स्वीकृत किया गया है।

इस नियमावली के लागू होने से अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्म्स जैसे Google, Microsoft Edge आदि पर विज्ञापन प्रकाशन कराना सरल हो जायेगा तथा प्रमुख सोशल मीडिया यथा: Facebook, YouTube, X, (Twitter), Instagram सहित वेबसाईट/न्यूज

पोर्टल/वेब मीडिया/न्यूज मोबाईल ऐप, पॉडकास्ट इत्यादि को विभाग अंतर्गत सूचीबद्ध किया जा सकेगा एवं इनके माध्यम से सरकार के लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी जन-जन तक प्रभावकारी एवं त्वरित तरीके से पहुँचाई जा सकेगी। इस नियमावली के अंतर्गत वेब मीडिया के लिए प्रति माह न्यूनतम एवरेज यूनीक यूजर तथा सोशल मीडिया हेतु सब्सक्राइबर/फॉलोअर्स के आधार पर योग्यता निर्धारित की जायेगी। यूनीक यूजर डेटा की प्रामाणिकता की जाँच वेब मीडिया के मामले में अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृत और विश्वसनीय थर्ड पार्टी टूल्स (गूगल एनालिटिक्स और कॉमस्कोर तथा सोशल मीडिया के मामले में संबंधित प्लेटफार्म के एनालिटिक्स के आधार पर की जायेगी।

इस नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध किसी मीडिया द्वारा यदि राष्ट्र विरोधी अभद्र, असामाजिक या साम्प्रदायिक वैमनस्य को बढ़ाने वाली अथवा सरकारी संदेशों के मानदंड के विपरीत या प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के गाईडलाईन के विरूद्ध सामग्री प्रसारित की जाती है तो वैसी मीडिया के लिए सूचीबद्धता समाप्त करने या ब्लैकलिस्टिंग का भी प्रावधान है। ●

लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण : महेश्वर हजारी

● अमित कुमार

16 नवम्बर को सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार, पटना में 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' के अवसर पर माननीय मंत्री, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार श्री महेश्वर हजारी की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय मंत्री द्वारा सभी मीडिया बंधुओं को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र उसके चौथे स्तंभ अर्थात् प्रेस और मीडिया के बिना अधूरा है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक अवसर है, जब हम प्रेस की स्वतंत्रता, जिम्मेदारी और उसकी शक्ति का सम्मान करते हैं। डिजिटल मीडिया ने सूचनाओं को जन-जन तक पलक झपकते ही पहुँचाने का काम किया है, लेकिन इससे सूचनाओं की गुणवत्ता और सत्यता पर संदेह भी उठता है। माननीय मंत्री ने आगे कहा कि बिहार की पत्रकारिता का एक समृद्ध इतिहास रहा है। यह भूमि स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाले पत्रकारों और संपादकों की कर्मभूमि रही है। हमारे बिहार के पत्रकारों ने हमेशा समाज के कमजोर वर्गों की आवाज को प्रमुखता दी है और सत्यनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। इस अवसर पर माननीय मंत्री द्वारा मीडिया को सशक्त करने में राज्य सरकार की भूमिका तथा उपलब्धियों की भी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार द्वारा राज्य में पत्रकारों के हितों की सुरक्षा के लिए कई ठोस कदम उठाए गये हैं। पत्रकारों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पत्रकार कल्याण योजना की शुरुआत की गई है, जिससे पत्रकारों और उनके परिवारों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा मिल सके। इसके अलावा, राज्य में डिजिटल मीडिया के प्रसार को देखते हुए बिहार सरकार ने कई जिलों में पत्रकारिता और मीडिया स्टडीज के लिए उत्कृष्ट संस्थानों की स्थापना की है, जहाँ युवा पत्रकारिता के नवीनतम कौशल सीख रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पत्रकारिता को सशक्त बनाने के लिए सूचना और जनसंपर्क विभाग के माध्यम से वृहद स्तर पर सूचना का प्रसार किया जा रहा है। बिहार

के दूर-दराज के गाँवों तक सरकारी नीतियों, योजनाओं और उपलब्धियों को पहुँचाने का कार्य मीडिया ने बेहद सफलतापूर्वक किया है। इसके लिए, राज्य ने स्थानीय भाषा और डिजिटल माध्यमों का उपयोग बढ़ाया है ताकि हर वर्ग तक सटीक और प्रभावी जानकारी पहुँच सके। शिक्षा के क्षेत्र में भी बिहार सरकार के प्रयासों को मीडिया ने जन-जन तक पहुँचाया है, जिससे राज्य में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं, जैसे 'सात निश्चय' और हर घर नल का जल, 'पक्की सड़क' जैसी परियोजनाओं की सफलता में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पत्रकारों ने इन योजनाओं को जनता तक पहुँचाया है, जिससे पारदर्शिता बनी रही और लोग जागरूक होते रहे। इस कार्यशाला में विभिन्न मीडिया समूहों की तरफ से उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा प्रेस की बदलती प्रकृति तथा नई चुनौतियों पर वक्तव्य भी दिया गया। माननीय मंत्री सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा सभी उपस्थित मीडिया बंधुओं को सम्मानित किया गया।

कार्यशाला में सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार के अपर सचिव श्री संजय कृष्ण द्वारा स्वागत भाषण के क्रम में भारतीय प्रेस की गरिमा और समृद्ध परंपरा को रेखांकित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रेस को भ्रामक खबरों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए तथा अर्द्ध सत्य से बचना चाहिए। इस अवसर पर श्री विधु भूषण चौधरी, संयुक्त सचिव, श्री रवि भूषण सहाय, संयुक्त निदेशक, श्रीमती नीना झा, उप निदेशक तथा सूचना एव जन-सम्पर्क विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। ●

विद्युत कंपनियों के प्रयासों से बिहार का भविष्य हो रहा रौशन

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन क.लि. के द्वारा अब तक सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार में विभिन्न जनकल्याणकारी कार्य किए गए हैं, जो राज्य में नागरिकों के जीवनस्तर को सुधारने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास एवं सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में कई प्रयास किए गए हैं, जिससे राज्य के विकास को नई दिशा मिली है। ये सीएसआर गतिविधियां न केवल तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं, बल्कि स्थानीय संगठनों और व्यापक समुदाय के लिए दीर्घकालिक लाभ भी सुनिश्चित कर रही है। इन गतिविधियों के द्वारा सशक्त समाज और सामाजिक उत्थान को बढ़ावा मिल रहा है।

☞ **कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर** :- सीएसआर गतिविधियों में कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी गई। इसके तहत पटना में पुनर्वास केंद्र में दिव्यांगजन के लिए लैपटॉप और स्मार्ट क्लासेज की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर प्राप्त हो सके। जीविका जैसी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर महिलाओं और हाशिए पर खड़े समुदायों के लिए आजीविका के अवसर को बढ़ावा दिया गया है। जीविका और बीएसपीटीसीएल का ग्रामीण आजीविका पर ध्यान केंद्रित करना दोनों संस्थाओं के कौशल विकास कार्यक्रमों में संयोजित प्रयासों को दिखाता है। इस पहल से परिवारों को आर्थिक स्थायित्व को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को भी बल मिल रहा है।

☞ **ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार** :- दोस्ताना सफर संगठन के माध्यम से ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए लेजर ट्रीटमेंट मशीन उपलब्ध कराई गई है, जिससे उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। इसके अलावा सारण जिले के जरूरतमंद युवाओं को कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए गए, जिससे उनके रोजगार की संभावनाएं बढ़ी है।

☞ **शैक्षणिक सुधार और सांस्कृतिक संरक्षण में योगदान** :- सी. एस. आर. के तहत शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया गया है। सुपौल जिला के ग्रामीण विकास एजेंसी (डीआरडीए) के साथ मिलकर स्कूलों में बेंच-डेस्क की व्यवस्था की है, जिससे बच्चों को शिक्षा का अनुकूल वातावरण मिला है। इससे न केवल विद्यार्थियों को लाभ प्राप्त हुआ है, बल्कि स्थानीय स्कूल और बेहतर बने हैं।

☞ **सांस्कृतिक विकास के साथ आत्मनिर्भरता को बढ़ावा** :- संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए स्वैच्छिक संस्थाओ के साथ मिलकर बीएसपीटीसीएल ने पारंपरिक हस्तशिल्प और महिलाओं व युवाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पहल की है। इसके तहत, महिलाओं और युवाओं को मधुबनी पेंटिंग और डिजाइनर बैग बनाने जैसे कौशलों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। इससे उन्हें रोजगार के अवसर मिले हैं और अनेक ने खुद का व्यवसाय शुरू कर परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार किया है।

☞ **खेल और सामुदायिक जागरूकता पर जोर** :- युवाओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए खेलकूद और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दी गई है। बैडमिंटन और वॉलीबॉल कोर्ट जैसे खेल सुविधाओं की स्थापना कर और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए युवा पीढ़ी को स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर उनमें टीम स्पिरिट और अनुशासन का बीज बोया जा रहा, जिससे समुदाय में एकता की भावना जागृत हो रही है। साथ ही यौन उत्पीड़न और साइबर क्राइम जैसे सामाजिक मुद्दों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर जन जागरूकता बढ़ाने का भी काम काफी किया जा रहा है।

☞ **बिहार के विकास में बिजली कंपनियों की अहम भूमिका** :- सीएसआर कार्यक्रम बिहार के कई क्षेत्रों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। कौशल विकास, शिक्षा, खेल और सामाजिक जागरूकता पर कार्य करके, ये पहले लोगों के जीवन को बदल रहे और स्थानीय संगठनों के विकास में योगदान दे रहे हैं। इन प्रयासों के सकारात्मक प्रभाव से बिहार का समाज और अधिक सशक्त और समृद्ध बन रहा है, जिससे बिहारवासी भविश्य की चुनौतियों का सामना कर पाने में सक्षम बनेंगे।

कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के तहत सभी कंपनियों को अपने मुनाफे के 2 प्रतिशत राशि को सामाजिक कार्यों पर व्यय करने की प्रतिबद्धता होती है, इसी के तहत ऊर्जा विभाग की विद्युत कंपनियों ने भी सामाजिक क्षेत्रों में अनेक महत्वपूर्ण पहल किए हैं। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

राज्यपाल ने डॉ. मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का अनावरण किया

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने लंगट सिंह महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर स्थित बाल उद्यान में 18 नवम्बर को गोवा की पूर्व राज्यपाल पद्मश्री डॉ० मृदुला सिन्हा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के जे.बी. कृपलानी सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ० मृदुला सिन्हा एक सुप्रसिद्ध साहित्यकार थीं और साहित्य जगत में उनका प्रमुख स्थान था। उन्होंने हिन्दी भाषा के उत्थान के लिए काफी प्रयास किया तथा बिहार की लोक संस्कृति को साहित्य के माध्यम से लोगों के सामने लाया। उन्होंने गोवा के राज्यपाल के रूप में डॉ० मृदुला सिन्हा से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें मंत्री पद की शपथ दिलायी थी तथा हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहती थीं। उन्होंने उन्हें मातृवत स्नेह दिया था।

डॉ० सिन्हा का स्वभाव काफी सहज और सरल था और कोई भी व्यक्ति उनसे मिलकर अपनी बात कह सकता था। वे लोगों से मिलकर उनकी समस्याएँ पूछती थीं और उनके समाधान के लिए प्रयास करती थीं। वे महिला संगठनों को भी राजभवन में बुलाती थीं। उन्होंने गोवा के लगभग सभी स्थलों का भ्रमण किया। डॉ० मृदुला सिन्हा अपने पूर्व के गोवा के राज्यपालों से बिल्कुल अलग थीं।

राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल गोवावासियों के लिए स्वर्ण काल के समान था। राज्यपाल ने कहा कि डॉ० मृदुला सिन्हा ने गोवा और वहाँ की लोक संस्कृति को समझने का प्रयास किया तथा उन्हें अपने साहित्य में प्रमुख स्थान दिया। उन्होंने बिहार के चित्र को भी गोवावासियों के समक्ष प्रस्तुत किया। डॉ० सिन्हा का नाम साहित्य जगत में हमेशा अमर रहेगा। कार्यक्रम में राज्यपाल ने 'पाँचवाँ स्तंभ' नामक पत्रिका का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की मंत्री श्रीमती रेणु देवी, नगर विकास एवं आवास विभाग के पूर्व मंत्री श्री सुरेश कुमार शर्मा, बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के कुलपति प्रो० डी. सी. राय, लंगट सिंह महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर के प्राचार्य डॉ० ओम प्रकाश राय, बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के भौतिकी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो० तारण राय, स्वर्गीया मृदुला सिन्हा के सुपुत्र श्री नवीन सिन्हा एवं अन्य लोग उपस्थित थे।●

स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग में पारदर्शिता और उपभोक्ता संतुष्टि सुनिश्चित करने लिए जागरूकता बढ़ाने पर जोर

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

राज्य में स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा और इसे समयबद्ध तरीके से पूरा करने के उद्देश्य से बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री पंकज कुमार पाल ने राज्य में कार्यरत मीटरिंग एजेंसियों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें सभी एजेंसियों को अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री महेंद्र कुमार, नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ निलेश देवरे, दोनों डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारी एवं मीटरिंग एजेंसियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

☞ **उपभोक्ता संतुष्टि को प्राथमिकता :-** सीएमडी श्री पाल ने स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ''उपभोक्ता संतुष्टि हमारी प्राथमिकता है। स्मार्ट मीटरिंग से संबंधित उपभोक्ताओं के मन में किसी भी प्रकार की भ्रांतियों को दूर करना अत्यंत आवश्यक है। मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं को इसके लाभ और तकनीकी पहलुओं के बारे में जागरूक करना चाहिए। हमारी कोशिश है कि उपभोक्ता पूरी तरह से संतुष्ट होकर ही अपने परिसर में स्मार्ट मीटर लगवाएं''।

☞ **सभी सरकारी भवनों में 30 नवंबर तक स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन पूरा करने का निर्देश :-** सीएमडी ने निर्देश दिया कि सभी मीटरिंग एजेंसियां स्मार्ट मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं को इसके कार्यप्रणाली एवं लाभों की जानकारी दें। इसके साथ ही, सभी सरकारी भवनों में स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन का कार्य 30 नवंबर तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। सभी स्मार्ट मीटरों में पुश बटन लगाना सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।

☞ **अनुबंधित कार्यों की समयबद्धता पर बल :-** मीटिंग में सीएमडी ने एनसीसी एवं हाई प्रिंट नामक दो मीटरिंग एजेंसियों को समय पर कार्य पूरा न करने के कारण सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा, "काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी एजेंसियों को अपने अनुबंध के अनुसार डीटी मीटर, फीडर मीटर एवं सभी सरकारी भवनों में स्मार्ट मीटर लगाना सुनिश्चित करना होगा।"

☞ **आईईसी एक्टिविटी और जागरूकता कार्यक्रम :-** सीएमडी श्री पाल ने निर्देश दिया कि आई.ई.सी (इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन और कम्युनिकेशन) एक्टिविटी के तहत पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम जैसे नुक्कड़ नाटक, होर्डिंग, माइकिंग, एलईडी स्क्रीन, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए। इसके अतिरिक्त, उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के फायदों की जानकारी देने के लिए पंपलेट भी लगाए जाएं। साथ ही, उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए हर सेक्शन में दो कर्मियों के नाम और संपर्क नंबर साझा किए जाएं।

☞ **उपभोक्ताओं की सहायता एवं शिकायत निवारण के लिए व्यवस्था :-** सीएमडी श्री पाल ने निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं की सहायता के लिए कॉमन सर्विस सेंटर, पंचायत सरकार भवन और पोस्ट ऑफिस में एजेंसियों के कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इन कर्मियों का दायित्व होगा कि वे उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्रीपेड मीटर की जानकारी देने के साथ स्मार्ट मीटर रिचार्ज में मदद एवं उनकी शिकायतों का समाधान भी करें।

समीक्षा बैठक के दौरान सभी मीटरिंग एजेंसियों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे एनर्जी अकाउंटिंग और कंज्यूमर इंडेक्सिंग का कार्य करें तथा अपने क्षेत्र में डीटी मीटर इंस्टॉलेशन का कार्य शीघ्रता से पूरा करें। सीएमडी ने कहा, ''स्मार्ट मीटरिंग के प्रभावी क्रियान्वयन से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी और बिजली बिलिंग की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी।●

मुख्यमंत्री ने 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों का किया लोकार्पण

● अमित कुमार

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 30 अक्टूबर को 01 अणे मार्ग से सड़क सुरक्षा एवं निर्बाध यातायात व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने राजमार्ग गश्ती वाहनों के लोकार्पण के पूर्व उसका निरीक्षण किया और उसकी कार्य प्रणाली के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली।

ज्ञातव्य है कि इन राष्ट्रीय राजमार्ग गश्ती वाहनों को इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (मैं) के डायल-112 के सम्बद्ध किया गया है ताकि आपातकालीन परिस्थिति में इन वाहनों को घटनास्थल पर अविलम्ब भेजा जा सके। साथ ही प्रभावी कार्रवाई हेतु इस पर लगे उपकरणों के माध्यम से वाहन अथवा नियंत्रण कक्ष से केन्द्रीकृत समाधान का प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत में पुलिस महानिदेशक श्री आलोक राज ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्री आलोक राज, गृह विभाग के प्रधान सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, परिवहन विभाग के सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, स्पेशल ब्रांच श्री सुनील कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात श्री सुधांशु कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, गृह विभाग के सचिव श्री प्रणव कुमार, राज्य परिवहन आयुक्त श्री नवीन कुमार सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।●

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लिए प्रदेश में विशेष अभियान

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत बिहार राज्य द्वारा पूरे देश में सर्वाधिक आवासों का निर्माण करते हुए वित्तीय वर्ष 2016-17 से लेकर 2021-22 तक के लिए प्राप्त लक्ष्य 37,00,732 के विरुद्ध कुल 36,56,551 आवासों को पूर्ण कराया गया है।

☞ योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्राप्त कुल लक्ष्य 2,43,903 के विरुद्ध अब तक 2,34,643 लाभार्थियों को आवास की स्वीकृति देते हुए 2,16,586 लाभार्थियों को प्रथम किस्त, 97,306 लाभार्थियों को द्वित्तीय किस्त एवं 12,203 लाभार्थियों को तृतीय किस्त का भुगतान किया गया है । जिनमे से 9,281 आवास पूर्ण किये गए हैं।

☞ प्रथम किस्त प्राप्त सभी लाभार्थियों के आवासों को 'Mission 100 Days के तहत जनवरी माह तक पूर्ण कराने हेतु विशेष अभियान चलाकर प्रखंड एवं जिला स्तर के सम्बंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों से प्रति दिन अनुश्रवण करते हुए नियमानुसार द्वितीय एवं तृतीय किस्त का भुगतान कराया जा रहा है । आवास निर्माण की सामग्रियों जैसे ईट, गिट्टी, बालू, छड़ एवं सीमेंट की समय पर उपलब्धता हेतु Local Vendors के साथ बैठक कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने का भी निदेश दिया गया ।

☞ पूर्व के वित्तीय वर्षो के भी अपूर्ण आवासों (44,181) को विशेष ध्यान देते हुए आवासों को पूर्ण कराया जा रहा है।

★ **मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना** :- राज्य संपोषित मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत कुल लक्ष्य 87,379 के विरुद्ध 85,915 आवासों की स्वीकृति देते हुए 85,460 लाभुकों को प्रथम किस्त, 79,964 लाभुकों को द्वितीय किस्त एवं 73,289 लाभुकों को तृतीय किस्त का भुगतान किया गया है। जिनमे से 74,649 आवास पूर्ण किये गए हैं।

★ **मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना** :- राज्य संपोषित मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना के तहत कुल लक्ष्य 44,279 के विरुद्ध 43,311 आवासों की स्वीकृति देते हुए 42,135 लाभुकों को प्रथम किस्त एवं 34,778 लाभुकों को द्वितीय किस्त का भुगतान किया गया है। जिनमे से 36,141 आवास पूर्ण किये गए हैं।●

छः लेन हरितक्षेत्र गलियारा का निर्माण शीघ्र प्रारंभ होगा : उपमुख्यमंत्री

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा एन0एच0-119 डी पर रामनगर-कच्ची दरगाह छः लेन हरितक्षेत्र गलियारा के निर्माण कार्य के लिए निविदा आमंत्रित कर दी गई है। इस परियोजना की कुल प्राक्कलित राशि 465.65 करोड़ है। इसकी कुल लम्बाई 12.60 कि0मी0 है। निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 26.11.2024 है। अगले 2 माह में इस कार्य की निविदा निष्पादित कर कार्य प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित है। यह पथांश आमस-दरभंगा हरितक्षेत्र गलियारा के साथ-साथ पटना रिंग रोड का भाग है। यह राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है। एन0एच0-119 डी पर आमस से रामनगर तथा कल्याणपुर से बेला-नवादा (एन0एच0-27) तक कुल चार पैकेजों में 4-लेन निर्माण कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा कराया जा रहा है। कच्ची दरगाह से कल्याणपुर तक पहुँच पथ सहित गंगा नदी पर छः लेन पुल का निर्माण कार्य राज्य सरकार द्वारा कराया जा रहा है। रामनगर से कच्ची दरगाह तक इस छः लेन पथ के निर्माण से

आमस से बेला-नवादा तक का गलियारा पूर्ण हो जाएगा जिससे राज्यवासियों को दक्षिण बिहार से उत्तर बिहार तथा स्वर्णिम चतुर्भुज से पटना होकर पूर्व-पश्चिम गलियारा तक एक सीधा एवं सुगम सम्पर्कता उपलब्ध होगा। इस पथ के निर्माण से राज्य के आधारभूत ढ़ाँचे के विकास को नया आयाम मिलेगा एवं जनआकांक्षाओं के अनुरुप विकसित बिहार के निर्माण हेतु संकल्पित राज्य सरकार को सहयोग मिलेगा। कार्य पूर्ण करने हेतु कार्य आवंटन के पश्चात् 2 वर्ष का समय निर्धारित किया गया है। संवेदक द्वारा निर्माण के उपरान्त अगले 5 वर्षो तक अनुरक्षण कार्य किया जाएगा। श्री विजय कुमार सिंहा माननीय उपमुख्य (पथ निर्माण) मंत्री, बिहार ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार को राज्य में नित् नये परियोजनाओं को मूर्तरुप देने के लिए आभार व्यक्त किया है। राज्य सरकार द्वारा इस परियोजना के निर्माण में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को हर प्रकार का सहयोग प्रदान किया जाएगा।●

पीएम सूर्य योजना से रौशन होंगे घर

● निलेन्दु झा

विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, सहरसा के लोगों को अब बिजली का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। कार्यपालक विद्युत अभियंता, अमित कुमार के द्वारा बताया गया की केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आप अपना घर-आंगन रौशन कर सकते हैं। इसका संयंत्र लगाने पर लोगों को अनुदान मिलेगा। एक, दो और तीन किलोवाट के सोलर पैनल पर 30 से 78 हजार रुपए तक की सब्सिडी मिलेगी। साथ ही बैंकों से सात फीसदी ब्याज पर दो लाख रुपए तक ऋण मिलेगा। एक किलोवाट पर 30 हजार रुपए, दो किलोवाट पर 60 हजार रुपए और तीन किलोवाट या उससे अधिक पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग घर का उपकरण चलाने के

लिए किया जा सकता है। बची हुई बिजली को ग्रिड में भेजकर अतिरिक्त बिजली के विरुद्ध विपत्र में समायोजन किया जा सकता है। उपभोक्ता विभिन्न बैंकों से सात फीसदी के ब्याज पर अधिकतम दो लाख रुपए का ऋण प्राप्त कर सकते हैं। सूर्य ऊर्जा संयंत्र के लिए प्रति किलोवाट सौ वर्गफुट क्षेत्रफल की जरूरत है। बैंकों की ओर से ऋण राशि की वसूली शहरी क्षेत्रों में चार से पांच वर्षों में एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सात से आठ वर्षों में की जाएगी। यह योजना पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल है। सोलर पैनल के अच्छे तरीके से रखरखाव करने पर यह 25 वर्षों तक चलने योग्य हैं, जिससे लंबे समय तक मुफ्त बिजली का लाभ ले सकते हैं।

☞ **टॉल फ्री नंबर पर आवेदन करने की ले सकते हैं जानकारी :-** विभाग की ओर से आवेदन करने की जानकारी लेने के लिए टॉल फ्री नंबर 15555 जारी किया गया है। साथ ही डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट पीएम सूर्या घर डॉट गवर्नमेंट डॉट इन पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।●

हमारी वास्तविक हंसी-खुशी को ग्रहण लगाता ये वर्चुअल वर्ल्ड!

● सुनील कुमार महला (फ्रीलांस राइटर)

आज हमारी संपूर्ण जीवनशैली पर कहीं न कहीं डिजिटल चीजों, वर्चुअल दुनिया का प्रभाव है। हर कोई एंड्रॉयड मोबाइल, स्मार्टफोन, इंटरनेट, लैपटॉप, कंप्यूटर पर व्यस्त नजर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज मनुष्य द्वारा निर्मित आधुनिक तकनीक ने स्वयं मनुष्य को ही अपना गुलाम बना लिया है। दुर्भाग्य तो यह है कि आधुनिक मनुष्य स्वयं को पूर्व की तुलना में अधिक स्वतंत्र मानने लगा है, जबकि हकीकत यह है कि वह पहले से भी कहीं अधिक पराधीन होता जा रहा है। आज हम सभी वर्चुअल वर्ल्ड के गुलाम हो गए हैं। हम न तो स्वयं को और न ही हमारे बच्चों को डिजिटल प्रभाव से बचा पा रहे हैं। आज के युग में डिजिटल प्रभाव इतना बढ़ गया है कि हम भावनात्मक रूप से कमजोर से नजर आ रहे हैं और न तो हमारे पास और न ही हमारे बच्चों के पास हमारे लिए समय ही बचा है। डिजिटल दुनिया में हम रम-बस से चुके हैं और हमारा स्क्रीन टाइम लगातार बढ़ रहा है। हम डिजिटल चीजों को सीमित करने के बारे में बिलकुल भी नहीं सोचते और यह हमारा समय, हमारे स्वास्थ्य को धीरे धीरे किसी घुन की तरह खाता चला जा रहा है। डिजिटल प्रभाव के साथ हमारी रचनात्मकता जैसे खत्म प्रायः सी हो चली है। परोपकार, सेवा का भाव तो जैसे हमारे में इस डिजीटाइजेशन के साथ जैसे रहा ही नहीं है। यह ठीक है कि समय के साथ चलना आज की जरूरत है लेकिन टेक्नोलॉजी में इतना रम-बस जाना भी ठीक नहीं है। तकनीक बढ़ रही है तो साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं, हमारे मन-मस्तिष्क पर

डिजिटाइजेशन का प्रभाव है और हम इस डिजीटाइजेशन के जैसे गुलाम से बनते चले जा रहे हैं। आज कोई भी व्यक्ति डिजीटल प्रभावों से अछूता नहीं है। यदि हम किसी को यह कहें कि उसे दो चार घंटे मोबाइल, कंप्यूटर, एंड्रॉयड, इंटरनेट से दूर रहना है तो वह शायद इन सबसे दूर विरले ही रह पाएगा। पहले के जमाने में आदमी इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप में इतना व्यस्त नहीं रहा, और उसके पास स्वयं के लिए, अपने बच्चों के लिए, अपने रिश्तेदारों के लिए, दोस्तों के लिए काफी समय था। आज एक कमरे में यदि आठ-दस लोग बैठे हैं तो वे आपस में बतियाते नजर नहीं आएंगे, अपितु अपने मोबाइल, लैपटॉप, इंटरनेट पर व्यस्त नजर आएंगे। हम मोबाइल, लैपटॉप, इंटरनेट में आज खुशियां ढूढ़ते हैं, वर्चुअल दुनिया में खुशियां ढूढ़ते हैं। हमारे आसपास जो लोग हैं, उनमें हमें खुशियां नजर नहीं आती। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जमाना है। वास्तव में यदि ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में सबकुछ इम्पैक्ट करने वाली है। सब चीजों पर इसका प्रभाव होगा। कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में वर्चुअल रियलिटी उपकरण (वीआर) एक ऐसी तकनीक है जो पूरी तरह से हमारे अनुभवों और समझ को बदल रही है। इसका उपयोग मनोरंजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, और यहां तक कि सैन्य अभ्यास में हो रहा है। उल्लेखनीय है कि आज 21वीं सदी में तकनीकी प्रगति के साथ, वर्चुअल रियलिटी एक पूरी तरह से बदलती हुई तकनीक बन गई। अब, गेमिंग, शिक्षा और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग हो रहा है। आज का समय ऐसा समय है जब हमारे बच्चे न तो किसी लाइब्रेरी में जाकर फीजिकली कोई पुस्तकें

पढ़ते हैं और न ही वे खेल के मैदानों में ही जाते हैं। सबकुछ एंड्रॉयड स्मार्टफोन ने जैसे छीन सा लिया है। मैदान में जाकर खेलने से बच्चों में जो आत्मविश्वास पैदा होता है, एकाग्रता बढ़ती है, स्वास्थ्य ठीक बना रहता है, क्या वह सब वर्चुअल वर्ल्ड में संभव हो सकता है, कदापि नहीं। आज के बच्चों में न तो प्रकृति के प्रति वह प्रेम रहा है और न ही टीम वर्क की भावना ही रही है। खुले में, मैदानों में जाकर खेलने से बच्चों को पेड़-पौधों, फूलों और प्राकृतिक सुंदरता को प्रत्यक्ष देखने, उसे महसूस करने के जो अवसर मिलते हैं,वह आभासी दुनिया में नहीं मिल सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि वर्चुअल रियल्टी के माहौल में हम वास्तविक दुनिया की तरह अपने दम पर कभी भी आगे नहीं बढ़ सकते हैं। इसका सबसे बड़ा नुक्सान यह है कि इससे छात्र आभासी दुनिया के आदी हो सकते हैं, जैसे कि वे आजकल विडियों गेमिंग के जाल में फसते जा रहे हैं और अपना धन, समय सबकुछ बर्बाद कर रहे हैं। आभासी दुनिया से हमारे सामाजिक संबंध ों पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। सच तो यह है कि आभासी दुनिया की एक बड़ी कमी यह है कि यह लोगों को वास्तविक दुनिया से दूर करने लगती है, क्योंकि मानव एक सामाजिक प्राणी है और वह अपना बेहतर विकास समाज में ही कर पाता है। आभासी दुनिया वास्तव में हमें समाज से, हमारे परिवार से दूर ले जाती है। आज आभासी दुनिया में हमारे रिश्ते धीरे धीरे गुम होते चले जा रहे हैं और हम हमारे परिवार से दूर होते चले जा रहे हैं, हमें इस ओर ध्यान देना होगा। आज स्थिति यह है कि हमारे अपने दोस्तों, अपने रिश्तेदारों के साथ बिताए जाने वाले समय में हर साल तेजी से कमी आ रही है। इस रुझान के अनुसार भविष्य में भी इस मोर्चे पर सुधार के कोई आसार नहीं दिखते, क्यों कि आज इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स में हम घुसे पड़ें हैं। सच तो यह है कि आज हम तो अधिक से अधिक फालोअर्स और लाइक्स की होड़ में लगे हुए हैं। हम बहुत अधिक आत्मकेंद्रित हो गए हैं। वास्तव में यह आज के समय की मांग है कि हम इस आभासी दुनिया से बाहर निकलकर रिश्तों को समय दें, क्योंकि बहुत खामोश रिश्ते ज्यादा दिनों तक जिंदा नहीं रहते। कहना चाहूंगा कि आज इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर किसी के कितने भी फालोअर्स व सब्सक्राइबर हों, वे कठिन समय पर मुश्किल से ही काम आते हैं। वास्तव में यह देखा गया है कि ज्यादातर लोग इंटरनेट मीडिया पर संवेदना के दो शब्द लिखकर ही कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं, जीवन वास्तव में ऐसे नहीं चला करता है। यह ठीक है कि आज सूचना क्रांति व तकनीकी विकास ने हम सभी के समक्ष एक बड़ी आभासी दुनिया खड़ी कर दी है लेकिन हमें इससे बाहर तो स्वयं ही निकलना होगा। आज हमारा समाज एक कृत्रिम समाज है, कृत्रिम मनुष्य है, कृत्रिम रिश्ते हैं, कृत्रिम भावनाएं हैं, कृत्रिम बुद्धि है, कृत्रिम सुंदरता है और यहां तक कि कृत्रिम जीवन, कृत्रिम सांसें और तो और हंसी तक भी कृत्रिमता की भेंट चढ़ गई है। हम कृत्रिमता में हंसते हैं, वर्चुअल दुनिया ने हमारी वास्तविक हंसी,खुशी को जैसे छीन सा लिया है। आज न दादी-नानी की कहानियां हैं और न ही इन कहानियों में चांद में बूढ़ी अम्मा चरखा कातती ही नजर आती है। आज हम इस आभासी दुनिया में न तो आसमान में तारे और असंख्य गैलेक्सियां देखते हैं और न ही प्रकृति के नजारों को। अंत में यही कहूंगा कि आज आभासी संबंधों को वास्तविक विश्व व वास्तविक रिश्तों से विस्थापित करने की जरुरत अत्यंत महत्ती है। आज आभासी दुनिया के विभिन्न गेम्स एवं इंटरनेट की बढ़ती लत हमारे बच्चों में, युवा पीढ़ी में अनेक विसंगतियों, मानसिक असंतुलन, विकारों एवं अस्वास्थ्य के पनपने का कारण बनी है, यह आदत हमारे बच्चों को एकाकीपन की ओर धकेल रही है और इसका परिणाम यह है कि हमारे बच्चे, हमारी युवा पीढ़ी धीरे-धीरे अपनी पढ़ाई और सामाजिक हकीकत से दूर होकर आभासी दुनिया के तिलिस्मी संसार में रमते जा रहे हैं। यदि हमने समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया तो इसके परिणाम अत्यंत घातक होंगे।●

सीसीएल कई कॉर्पोरेट अवार्ड्स से सम्मानित

सीएमपीडीआई ने कॉर्पोरेट श्रेणी में जीते तीन पुरस्कार

● गुड्डी साव

माननीय केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने 03 नवंबर, 2024 को कोलकाता में आयोजित 50वें सीआईएल स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनियों को कॉर्पोरेट पुरस्कार प्रदान किए। सीएमपीडीआई ने कॉर्पोरेट श्रेणी में 3 पुरस्कार जीते। इस अवसर पर श्री विक्रम देव दत्त, सचिव, कोयला मंत्रालय; श्री पी.एम. प्रसाद, अध्यक्ष, सीआईएल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्री मनोज कुमार, सीएमडी, सीएमपीडीआई ने अपनी टीम के साथ सीएमपीडीआई द्वारा प्राप्त कॉर्पोरेट पुरस्कार ग्रहण किया। सीएमपीडीआई ने कॉर्पोरेट श्रेणी में, क्षेत्रीय संस्थान-ट, बिलासपुर के कोरबा ड्रिलिंग कैंप ने सर्वश्रेष्ठ ड्रिलिंग कैंप पुरस्कार (गवेषण पुरस्कार); सीएसआर व्यय में प्रथम पुरस्कार (एमसीएल के साथ संयुक्त रूप से) और स्वच्छता पखवाड़ा में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। वही कोल इंडिया लिमिटेड/सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर कोल इंडिया में आयोजित समारोह में सीसीएल को हाईएस्ट डिपार्टमेंटल कैपेसिटी यूटीलाइजेशन,

एम्पलॉई वेलफेयर, सीएसआर एवं क्लीनलीनेस ऑफ कॉलोनी मेंटेनेंस एवं सीएसआर एक्सपेंडिचर में द्वितीय पुरस्कार मिला। इसके अलावा व्यक्तिगत केटेगरी में विजिलेंस एक्सीलेंस अवार्ड श्री बिमल कुमार को, इंडिविजुअल एक्सीलेंस अवार्ड श्री एस. के. सिंह को, बेस्ट एचओडी का अवार्ड श्री अजय सिंह को एवं बेस्ट एरिया जीएम श्री अजय सिंह को दिया गया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार श्री जी. किशन रेड्डी; सचिव, कोयला मंत्रालय, श्री विक्रम देव दत्त; अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, श्रीमती रूपिंदर बरार; अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, श्रीमती विस्मिता तेज; कोल इंडिया के अध्यक्ष, श्री पी.एम. प्रसाद; निदेशक (पी एंड आईआर), श्री विनय रंजन; निदेशक (व्यवसाय विकास), श्री देबाशीष नंदा; निदेशक (विपणन), श्री मुकेश चौधरी, निदेशक (वित्त), श्री मुकेश अग्रवाल; मुख्य सतर्कता अधिकारी, सीआईएल श्री ब्रजेश कुमार त्रिपाठी तथा सीसीएल के सीएमडी श्री एनके सिंह एवं विभिन्न कंपनियों के सीएमडी सहित कोल इंडिया तथा सीसीएल प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।●

कबाड़ से कंचन : मंजर है ये नया
सीसीएल ने साधारण को असाधारण में बदला

● गुड्डी साव

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड यानी झारखंड की लाइफलाइन, ने रचनात्मकता की मिसाल कायम करते हुए एक पुरानी एवं बहुत दिनो से उपयोग में नहीं होने वाले, बेकार पड़े एंबेसडर कार को कला के माध्यम से एक शानदार नमूने में सफलतापूर्वक बदला है। भारत सरकार के स्पेशल कैम्पेन 4.0 की योजना के तहत की गई इस पहल ने वाहन में नई जान फूंक दी है, जिससे कंपनी के मुख्यालय परिसर की सुंदरता बढ़ गई है एवं यह कलाकृति एक आकर्षण का केंद्र बन गया हैं।

ज्ञात हो कि इस जीवंत कलाकृति का उद्घाटन सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह द्वारा किया गया है, जिसकी चारों तरफ सराहना हुई है। माननीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार, श्री जी किशन रेड्डी ने सीसीएल के इस पहल की तारीफ करते हुए इसका स्वागत किया है । कबाड़ से कंचन योजना के अंतर्गत इस बेकार पड़े एम्बेसडर कार स्क्रैप को संबंधित अधिकारियों की सृजनात्मकता एवं रचनात्मकता में रंगों का समावेश कर एक जीवंत कलाकृति का निर्माण किया है । इस प्रयास ने मुख्यालय परिसर की सुंदरता में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिससे कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक कार्य वातावरण बना है। जीवंत रंगो से निर्मित यह पेंटिंग, जिसने एक कबाड़ में जान लाकर उसे कंचन बना दिया हैं। रात्रि के समय रंग-बिरंगी लाईटों के जलने से इसकी सुंदरता मे और वृद्धि हो जाती हैं। एंबेसडर कार के बॉडी पर सीसीएल के कोयला खदानों में कार्यरत हमारे गौरवशाली श्रमिकों के कार्यों, खनन गतिविधियां एवं उनके खुशहाल परिवार को दर्शाया गया हैं । अपशिष्ट प्रबंधन और कलात्मक अभिव्यक्ति के साथ की गई इस पहल ने सीसीएल की ब्रांड छवि को सकारात्मक रूप से बढ़ाया है, जो रचनात्मकता और सामुदायिक जुड़ाव के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन एवं पब्लिक रिलेशन्स डिपार्टमेंट ने इस पहल की संकल्पना और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष श्री आलोक गुप्ता ने बताया कि 'कबाड़ से कंचन' एवं इस तरह की अन्य सृजनात्मक योजना के तहत भविष्य में भी अन्य प्रोजेक्ट्स पर भी काम करने की योजना हैं, जो सीसीएल परिसर को बेहतर बनाने और कंपनी की ब्रांड छवि को मजबूत करने में सहायक होगा। हाल ही में सम्पन्न हुए CIMECON, सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के अंतर्गत सतर्कता महोत्सव फेस्टिवल डी सीसीएल के दौरान, विभिन्न राज्यों एवं संस्थानों से आए कलाकारों, छात्रों एवं आगंतुकों ने इस पहल को खूब सराहा एवं इसे सेलफी पॉइंट के रूप में अपनाया। 'कबाड़ से कंचन' परियोजना इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे छोटी छोटी चीजों को जब जुनून और रचनात्मकता के साथ क्रियान्वित किया जाता है, तो वे हमारे परिवेश में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं और ऐसा प्रयास समाज को एक सशक्त संदेश देने के साथ साथ एक स्थायी पॉजिटिव छाप छोड़ते हैं। ज्ञात हो कि सीसीएल अपने सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह के नेतृत्व में , न केवल देश की ऊर्जा जरूरतों को सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि कर्मियों की सृजनात्मकता की क्षमता को बढ़ावा देने के साथ कोयले के उचित संचालन, परिचालन मानक और रखरखाव प्रोटोकॉल के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए सतत विकास के लक्ष्यों के साथ हमारे राष्ट्र को रोशन कर रहा हैं।●

पीएम मोदी का विशाल रोड शो

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जारी की घोषणा पत्रा

● गुड्डी साव

झारखंड में संपन्न हुए चुनाव से पहले रांची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 10 नवंबर को विशाल रोड शो हुआ। प्रधानमंत्री ISUZU CROSS ट्रक पर सवार होकर रोड शो कर रहे थे। ट्रक में पीएम के साथ रांची के प्रत्याशी सीपी सिंह व हटिया के प्रत्याशी नवीन जयसवाल भी मौजूद थे। नरेंद्र मोदी दोनो छोर पर खड़े लोगो का हांथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार कर रहे थे। लाखों की भीड़ में लोगों ने प्रधानमंत्री जी का अभिवादन किया उन्हें देखने के लिए अभिनंदन करने के लिए लाखों की भीड़ में प्रशंसक दिखाई दिए। हाथ हिलाकर उनकी एक झलक पाने के लिए तत्पर थे लोग। 10 नवंबर को प्रधानमंत्री का रांची में चौथा रोड शो था, जिसे लेकर जबरदस्त उत्साह लोगों में दिखाई दिया। बता दें कि 13 नवंबर को 43 सीटो के लिए प्रथम चरण में झारखंड विधानसभा चुनाव होने को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी झारखंड दौरे पर पहुंचे झारखंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो चुनावी रैली को संबोधित किये, साथ ही एक रोड शो भी किए। रांची में विधानसभा चुनाव में एनडीए की लिहाज से पीएम मोदी की रैली को काफी अहम माना गया। इसके लिए प्रशासन और बीजेपी की ओर से पूरी तैयारी की गई। प्रधानमंत्री बोकारो के चंदन क्यारी और गुमला विधानसभा में जनसभा को संबोधित किये। इसके अलावा राजधानी रांची में पीएम का रोड शो हुआ तीनों ही जगह पर सारी तैयारी कर ली गई थी जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री सबसे पहले रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे जहां से वे बोकारो गए बोकारो में जनसभा को संबोधित करने के बाद गुमला पहुंचे वहां भी लोगों को संबोधित किये, उसके बाद रांची में रोड शो किए। वही केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रातूरोड में आयोजित अभूतपूर्व रोड शो के लिए रांची की जनता के प्रति आभार जताते हुए कहा कि रोड में लाखों लोग देश के यशस्वी प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के स्वागत में खड़े थे जो जन सैलाब सड़कों में दिखा जो प्रेम और प्यार यह अभूतपूर्व था। सैकड़ो जगह महिलाओं द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री की आरती उतारी गई पुष्प वर्षा किया गया परंपरागत झारखंडी नृत्य द्वारा प्रधानमंत्री का अभूतपूर्व स्वागत किया गया इसके लिए देश के रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने झारखंड के गठन के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष में भगवा पार्टी के घोषणा पत्र के 25 प्रमुख बिंदु जारी किए। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार के शासन में आदिवासी सुरक्षित नहीं है और संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण आदिवासियों की आबादी घट रही है । अमित शाह ने कहा कि झारखंड की सरकार भारत की सबसे भ्रष्ट सरकार है ।संकल्प पत्र के बारे में जानकारी देते हुए श्री शाह ने कहा कि सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है आदिवासियों और गरीबों के लिए कल्याणकारी

वोट बैंक के लिए 'तुष्टिकरण' की राजनीति कर रहा झामुमो-कांग्रेस गठबंधन : गौरव भाटिया

हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष राजीव बिंदल, राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया एवं तेलंगाना के पूर्व वित्त मंत्री एटला राजेंद्र ने भाजपा मीडिया सेंटर, रांची में संयुक्त प्रेसवार्ता की। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता अविनेश सिंह, सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, तेलंगना के जिला अध्यक्ष विक्रम रेड्डी मौजूद रहे। गौरव भाटिया ने कहा कि, आज भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंति, झारखंड प्रदेश का स्थापना दिवस और गुरु पर्व का पावन दिन है। प्रदेश के पहले चरण के लिए मतदान हो चुका है, इसी के साथ ही प्रदेश की जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा-एनडीए की सरकार बनने जा रही है। भाटिया ने कहा कि झारखंड की जनता की आवाज बनकर एक भ्रष्टाचारी, निकम्मी और सांप्रदायिक तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली झामुमो-कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकना है। भाजपा भगवान बिरसा मुंडा की सीख को आगे बढ़ाते हुए रोटी-बेटी-माटी के नारे के साथ अपने संकल्प लेकर आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि झामुमो-कांग्रेस सरकार ने राज्य में घुसपैठियों को बढ़ावा दिया है और आदिवासी समाज के अधिकारों का उल्लंघन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकास की बात करते हैं, भाजपा ने विकास किया है। झारखंड प्रदेश से सभी घुसपैठियों को चुन चुनकर बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, 'एक रहोगे तो सेफ रहोगे' ये नारा देश के हर कोने में पहुंच गया है। कांग्रेस-झामुमो झारखंड की संस्कृति और अस्मिता को खतरे में डाल रहे हैं। भाटिया ने कांग्रेस झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर के बयान का भी विरोध किया, जिसमें उन्होंने गैस सिलेंडर को घुसपैठियों को देने की बात की थी। भाटिया ने सवाल उठाया कि, आखिर क्यों कांग्रेस-झामुमो अपने राजनीतिक लाभ के लिए घुसपैठियों को सहायता देने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि भाजपा हमेशा राज्य के मूल निवासियों और आदिवासी समाज के पक्ष में खड़ी रही है।

भाटिया ने कहा कि कांग्रेस- झामुमो ने झारखंड के लोगों की सुरक्षा, संस्कृति और रोजगार के अवसरों के मामले में चुप्पी साध रखी है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में 287,000 सरकारी नौकरियों का वादा किया है, जो राज्य के युवाओं के लिए एक बड़ी राहत होगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के आदर्शों और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष की याद दिलाते हुए कहा कि भाजपा राज्य की संस्कृति को बचाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जबकि कांग्रेस -झामुमो अपनी तुष्टीकरण नीति के तहत काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि, जिस तरह हमारी बहन सीता सोरेन का अपमान किया जाता है, लेकिन किसी ने महिला असमिता के लिए एक शब्द भी नहीं बोला। 20 सितंबर 2024 को उच्च न्यायालय का एक फैसला आया था, जिसमें उन्होने माना है कि हमारी संस्कृति को घुसपैठियों से खतरा है। घुसपैठियों को अपना वोट बैंक समझकर झामुमो-कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है, जिसका करारा जबाव उनको झारखंड की जनता देने जा रही है।

हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष राजीव बिंदल ने प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा, उन्होने कहा कि कांग्रेस जो वाटे करती है उनको कभी पूरा नहीं करती। कांग्रेस ने हिमाचल में सत्ता हथियाने के लिए वादा किया कि एक लाख सरकारी नौकरियां पहली कैबिनेट में दी जाएंगी। लेकिन पिछले दो में सत्ता में रहते हुए युवाओं को एक भी सरकारी नौकरी नहीं दी, उल्टा हिमाचल प्रदेश सर्विस कमीशन को ही बंद कर दिया। कांग्रेस की कथनी और करनी में अंतर है, 10 हजार आउटसोर्सिंग कर्मियों को नौकरी से निकाल दिया। बहनों को हर महीने 1500 रुपए और मुफ्त बिजली देने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। तेलंगाना के पूर्व वित्त मंत्री एटला राजेंद्र ने कहा कि, एक साल पहले कांग्रेस जो वादे किए थे, उनको पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, हिमाचल की तरह ही तेलंगाना में भी जो गांरटी दी गई थी, उनमें से एक भी वादा पूरा नहीं किया गया है।

योजनाएं भाजपा के एजेंट में है उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर कहा कि झारखंड में घुसपैठिए हमारी बेटियों से शादी करके जमीन हड़प रही है यह सब देखकर भी वोट बैंक की राजनीति के कारण हेमंत सोरेन चुप है। श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हेमंत सोरेन सरकार को हटाने के लिए नहीं बल्कि झारखंड में विकास को गति देने और परिवर्तन लाने के लिए चुनाव लड़ रही है ।इस परिवर्तन का मतलब गरीबों के विकास के पैसे खाने वाले हेमंत सोरेन सरकार को बदलना है हेमंत सोरेन की सरकार और उनके साथियों ने यह पैसा लूटा है अगर यह लोग सत्ता में रहे तो आदिवासियों दलित पिछड़े वर्ग और युवाओं का पैसा खाकर फिर से अपना घर भरने का काम करेंगे ।चंपई दा ने गरीब आदिवासियों और दलितों के विकास के पैसों का भ्रष्टाचार के

भेंट चढ़ने का विरोध किया। इसी बात को लेकर श्री चंपई सोरेन जी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का साथ छोड़ दिया और भारतीय जनता पार्टी के साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने इस चुनाव संकल्प पत्र में पांच प्रमुख वादे किए हैं जिनके माध्यम से हम झारखंड का सर्वांगीण विकास करेंगे। भाजपा जो कहती है पूरा करके दिखाती है इसलिए देश की जनता को पूरा भरोसा है कि यदि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में कोई वादा किया है तो वह जमीन पर उतर कर रहेगा। हमने यह वादा किया है कि झारखंड में हमारी सरकार बनने पर गोगो दीदी योजना के माध्यम से महीने की 11 तारीख को 2100 रुपए माताओं बहनों के खातों में भेजा जाएगा। साथ ही माता बहनों को ₹500 की कीमत पर गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जाएगा ।और दीपावली तथा रक्षाबंधन पर एक सिलेंडर निशुल्क दिया जाएगा झारखंड की बेटियों को व्यावसायिक कार्यक्रम और पाठ्यक्रमों में निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत 6 पोषण किट और 21000 की सहायता प्रदान की जाएगी हमारी सरकार बनने पर झारखंड की युवाओं के लिए 5 वर्षों में 5 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे और करीब 3 लाख सरकारी पदों पर निष्पक्ष और पारदर्शी भर्तियां की जाएगी परीक्षाओं का एक समेकित कैलेंडर जारी किया जाएगा और झारखंड के युवाओं को हर वर्ष एक लाख के अवसर प्रदान किए जाएंगे । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर अवैध घुसपैठ को रोका जाएगा और घुसपैठियों द्वारा हड़पी हुई जमीनों को प्रदेश की बहन बेटियों के नाम किया जाएगा । एक रुपए में स्टांप ड्यूटी योजना शुरू की जाएगी। जिसे हेमंत सरकार ने बंद कर दिया था। अन्य कई मुद्दे पर भी उन्होंने बहुत सारी योजनाओं को लेकर झारखंड के संकल्प पत्र जारी किए।●

सनकी पति ने नशे में पत्नी की हथेली को काटा

● ओम प्रकाश

साहिबगंज जिला के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के लोहंडा में एक घटी घटना ने हर किसी को हैरान कर दिया है।जहां एक शराबी पति ने दोस्त के साथ मिलकर पत्नी के दाहिने हाथ की हथेली को धारदार हथियार से काट दिया है। इस घटना को अंजाम देने के बाद पति अपनी पत्नी की कटी हुई हथेली लेकर फरार हो गया है। उस हथेली को लेकर वो कहां घूम रहा है या उसका उसने क्या किया ये किसी को नहीं पता लेकिन इतना जरूर है कि पति की हैवानियत भरे करतूत की चर्चा हर किसी की जुबान पर है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने घायल महिला लक्ष्मी को इलाज के लिए साहिबगंज के सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद जिरवाबाड़ी थाना पुलिस आरोपी पति और उसके दोस्त की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।पीड़ित लक्ष्मी (20 वर्ष) ने बताया कि दो-तीन दिन पूर्व वो तमिलनाडु से साहिबगंज आई थी।वह तमिलनाडु में रहकर सिलाई-बुनाई का काम सीख रही थी। शनिवार की शाम पति बीर मुंडा गांव के प्रताप उरांव के साथ आया और उससे सब्जी की मांग की। पति ने कहा कि वह सब्जी के साथ शराब पीएगा।

शराब पीने के बाद पति जुआ खेलने के लिए पैसे की मांग करने लगा। इस पर लक्ष्मी ने पैसा देने से इनकार कर दिया। लक्ष्मी ने बताया कि उसके इनकार करने पर पति ने उसे पकड़ लिया, वह कुछ समझ नहीं पायी, उसे लगा कि उसका पति मजाक कर रहा है। इसके बाद पति ने अपने दोस्त प्रताप से कहा कि इसका हाथ काट दो। लक्ष्मी ने बताया कि पति ने उसका मुंह दबा दिया और उसका दोस्त धारदार हथियार से उसका हाथ काटने लगा। हालांकि उसे सफलता नहीं मिली। इसके बाद पति ने उसे छोड़ दिया।लेकिन उसके दोस्त ने लक्ष्मी को पकड़ लिया फिर पति ने अपनी पत्नी के दाहिने हाथ की हथेली को पूरी तरह से काटकर अलग कर दिया। इसके बाद वो कटी हुई हथेली लेकर भाग गया। हथेली काटने के बाद पत्नी दर्द से चीखने और चिल्लाने लगी। इधर, महिला की चीख-पुकार सुनने के बाद लोग जुट गए और पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। ग्रामीणों ने ही घायल महिला को इलाज के लिए साहिबगंज के सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं घटना के संबंध में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी पंकज दुबे ने बताया कि महिला ने हथेली काटने की शिकायत की है। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। जल्द ही आरोपी पति और उसके दोस्त को पकड़ लिया जाएगा।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

दरोगा अनुपम कच्छप हत्याकाण्ड का खुलासा

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के कांके थाना क्षेत्र में संग्रामपुर गांव के समीप (रिंगरोड में) स्पेशल ब्रांच के दारोगा अनुपम कच्छप की हत्या कर दी गई थी।इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में मनोहर कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, संजय सिंह, गौतम यादव, सुग्रीम सिंह, अभिषेक महतो और राजेंद्र महतो शामिल हैं। बता दे कि राजेंद्र महतो पहले से ही दूसरे मामले में गिरफ्तार है। पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। फिलहाल मामले में एक अपराधी विनोद महतो फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने चार मोबाईल, 7. 65 एम.एम का एक पिस्टल, दो जिंदा गोली और एक बोलेरो पिकअप वैन बरामद किया है।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने प्रेसवार्ता में बताया कि बीते 02 अगस्त की रात कांके थानान्तर्गत रिंग रोड में इण्डिया होटल से मोटरसाईकिल पर सवार होकर नेवरी की ओर जाने के क्रम में संग्रामपुर गांव के पास त्रिदेव होटल से 200 मीटर की दूरी पर अज्ञात अपराधियों ने स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की गोली मारकर हत्या कर दी थी। एसएसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। एसआईटी टीम में डीएसपी अमर कुमार पांडे सहित कांके थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर केके साहू के अतिरिक्त जिला के विभिन्न थाना प्रभारी सहित 40 सदस्यीय दल का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक अनुसंधान के दौरान एफएसएल की टीम के जरिये घटनास्थल की फोटोग्राफी, विडियोग्राफी एवं साक्ष्य संकलन किया गया। मृतक के साथ बर्थ डे पार्टी में शामिल 13 संदिग्ध से गहनापूर्वक पूछताछ किया गया, लेकिन कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं हो सका।

मृतक दारोगा अनुपम कच्छप

एसएसपी ने आगे बताया कि पूर्व में मृतक के जरिये उत्पाद विभाग के तहत हजारीबाग जिला में तथा विशेष शाखा में कार्यरत रहने के दौरान अवैध शराब कारोबारी के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई और छापामारी करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया गया था, जिस संदर्भ में अवैध शराब कारोबारी की भूमिका पर साक्ष्य संकलन करने का प्रयास किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न थानों में हत्या, लूट, डकैती, शस्त्र अधिनियम के संगठित गिरोह के आरोप-पत्रित अपराधकर्मियों की भूमिका के संबंध में भी गहनतापूर्वक अनुसंधान किया गया, लेकिन साक्ष्य प्राप्त नहीं हो सका। जिसके बाद कांके थाना प्रभारी कृष्ण कुमार साहू ने इस मामले को अपने स्तर से जांच पड़ताल शुरू की। कांके थाना प्रभारी ने जब जांच पड़ताल शुरू की तो, पता लगा कि रिंग रोड में रात के अंधेरे में पेट्रोल टंकी, होटल, ढावा एवं सुनसान स्थलों पर खड़े भारी वाहनों से रात्रि के अंधेरे का लाभ उठाकर, कुछ लोगों के द्वारा डीजल चोरी की घटना को अंजाम दिया जाता है। मामले के गहन अनुसंधान के क्रम में डीजल चोरी के आरोप पत्रित अपराधियों एवं उक्त गिरोह में शामिल सदस्यों का सत्यापन करते हुए पूछताछ किया गया। सत्यापन के कम में प्राप्त साक्ष्य के आधार पर थाना प्रभारी ने पहले संजय सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस की गिरफ्त आने के बाद संजय सिंह ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि डीजल चोर गिरोह में भोला सिंह, सुग्रीव सिंह, गौतम, राजेश महतो उर्फ विनोद, संतोष गुझू और गोविन्द महतो अपने बोलरो पिकअप वाहन के साथ घटना की रात डीजल चोरी करने के लिए अमर होटल, संग्रामपुर, कांके पहुंचे वहां दूसरी ओर एक ट्रक एवं टैंकर खड़ा था, उक्त दोनों गाड़ी के ड्राईवर सो रहे थे। संजय सिंह के साथ सुग्रीव सिंह एवं गोविन्द महतो उक्त गाड़ी से तीन डब्बा डीजल चोरी कर लेकर आये और सुग्रीव सिंह फिर डीजल लाने के लिए खड़े टैंकर के पास गये तो इसी बीच बरसाती पहना हुआ एक व्यक्ति जो कि (सब इंस्पेक्टर अनुपम) थे। वह कांके से बीआईटी के तरफ से अपनी बाइक से आ रहे थे तथा इन लोगों को देखकर रूक गये और डीजल चोरी करने की बात कहते हुए चोर-चोर की आवाज लगाने लगे, जिसके बाद उनका उन डीजल चोरों के साथ झड़प हो गया। इसी दौरान इस बात कि जानकारी रेकी कर रहे अन्य अपराधकर्मियों को हुई। एक व्यक्ति जो अपने आपको पुलिस पदाधिकारी बता रहा है, उसने हम लोगों को डीजल चोरी करते हुए देख लिया है। अपराधियों को डीजल चोरी गैंग का भंडाफोड़ होने की आशंका होने लगी। इसके बाद गिरोह में शामिल अपराधियों ने पिस्टल अनुपम कच्छप के शरीर में सटाकर चार गोली मार दी, जिससे अनुपम कच्छप की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी। फिर अपराधियों ने वहीं खड़े एक ट्रक से 04 गैलन डीजल चोरी किया। इसके बाद सुकुरहुटू रिंग रोड के पास अभिषेक महतो की दुकान में बेच दिया।फिर पिकअप वैन में अपने अन्य साथी के साथ रिंग रोड से बीआईटी, नेवरी की ओर भाग गये। बाद में अपराधियों को पता चला कि बीते रात्रि में इन लोगों के द्वारा गोली मार कर जिस व्यक्ति की हत्या की गई थी, वह एक पुलिस पदाधिकारी है। पुलिस की लगातार छापेमारी होते देख सभी अपराधी अंडरग्राउंड हो गए थे।●

बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बनाते कुख्यात अपराधी सहित तीन गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

जिले के नगड़ी और बेड़ो इलाके से राँची पुलिस ने पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पिस्टल, कार्बाइन और राइफल के साथ-साथ कई कारतूस भी बरामद किए गए है। नगड़ी इलाके से गिरफ्तार आरोपी लव ट्रायंगल में एक युवक की हत्या करने वाले थे। लेकिन उससे पहले ही राँची पुलिस ने उन्हें धर दबोचा है। युवती के चक्कर में युवक के सिर पर पिस्टल तानने, जानलेवा हमला करने और आर्म्स एक्ट के केस में नगड़ी थाना की पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जुनैद अंसारी (22 वर्ष) और जुबैर अंसारी (28वर्ष) शामिल हैं। दोनों नगड़ी थाना क्षेत्र के नारो मुहल्ला के रहने वाले हैं। पुलिस ने इन आरोपियों के पास से एक रेगुलर पिस्टल, पांच गोली, दो स्कॉर्पियो और चार मोबाइल फोन बरामद किया है। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि जुनैद अंसारी और सज्जाद अंसारी उर्फ वकील दोनों ही एक लड़की से प्यार करते है। लेकिन लड़की को पाने की चाहत में जुनैद अंसारी ने अपने भाई जुबैर अंसारी के साथ मिलकर सज्जाद

अंसारी उर्फ वकील(29वर्ष) को रास्ते से हटाने की प्लानिंग कर बैठे थे। जुनैद और जुबैर मिलकर सज्जाद को अवैध हथियार लेकर मारने पहुंचे थे। दोनों भाइयों ने मिलकर सज्जाद को मारने की कोशिश भी की, लेकिन वह मौके से भागने में कामयाब रहा, जिसके कारण उसकी जान बच गई। सज्जाद अपनी जान बचाकर सीधा नगड़ी थाना को पूरे मामले की जानकारी दी। जिसके बाद नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जुनैद और जुबेर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान जुनैद के पास से एक काले रंग का रेगुलर पिस्टल और पांच कारतूस बरामद किया गया। इधर, नगड़ी थाना में दर्ज केस में सज्जाद ने पुलिस को बताया है कि एक नवंबर की रात जुनैद अंसारी ने उसे फोन कर कहा कि तुम जिस लड़की से प्यार करते हो, उसे छोड़ दो, वर्ना जान से मार देंगे। दो नवंबर को सज्जाद जब सद्दाम अंसारी के घर के समीप खड़ा था, तब जुनैद अंसारी और जुबैर अंसारी दो स्कॉर्पियो से पहुंचे। गाड़ी से उतरने के बाद जुनैद उसके पास आया और कहने लगा कि तुमको लड़की को छोड़ने के लिए समझाये थे ना, लड़की मुझसे प्यार करती है। जब इस बात का सज्जाद ने विरोध किया, तो दोनों आरोपियों ने

उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान जुनैद ने गाड़ी से पिस्टल निकाल कर सज्जाद अंसारी के सिर पर तान दी। इस बीच सज्जाद अंसारी खुद को किसी तरह बचाते हुए सद्दाम अंसारी के घर में जा छिपा और घटना की सूचना नगड़ी थाना की पुलिस को दी। इस बीच दोनों आरोपी भी सद्दाम अंसारी के घर में घुसे और उनके घर के बाथरूम की खिड़की में पिस्टल और गोली छिपा दिया। बाद में पुलिस ने बाथरूम से हथियार बरामद कर लिया।

☞ **बेड़ो से तीन अपराधी गिरफ्तार, राइफल और कार्बाइन बरामद :-** इधर राँची पुलिस को रविवार को ही दूसरी बड़ी कामयाबी उस समय हासिल हुई जब कुख्यात मंसूर और उसके दो अन्य साथियों को दो बड़े हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। विधानसभा चुनाव को लेकर वारंटी और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया की गुप्त सूचना मिली थी की वांटेड मंसूर अंसारी उर्फ लंगड़ा अपने गिरोह के साथ किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं।सूचना मिलने पर नगड़ी और बेड़ो पुलिस की संयुक्त टीम ने एक साथ मिलकर मंसूर की तलाश शुरू की। इसी दौरान टीम को सूचना मिली की मंसूर बेड़ो के चनगनी स्कूल के पास देखा गया है। सूचना की पुष्टि होने पर तुरंत टीम ने स्कूल की घेराबंदी की और मौके से मंसूर अंसारी, लक्की उरांव और शहबाज अंसारी को धर दबोचा। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक राइफल, एक देसी कारबाइन, पांच मिस फायर गोली और एक गोली का खोखा बरामद हुआ है। इधर आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर बेड़ो थाना में दर्ज केस के अनुसार बेड़ो थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली थी कि चनगनी स्कूल मैदान में कुख्यात अपराधी मंसुर उर्फ आर्यन अपने अन्य साथियों के साथ बैठकर शराब पी रहा है। साथ ही वह किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। पुलिस को यह भी सूचना थी कि वह बेड़ो के कुछ व्यापारियों से लेवी मांगने की योजना बना रहा है। लेवी नहीं देने पर उनकी हत्या भी की जा सकती है। मंसुर पूर्व में हत्या, लूट, डकैती और फिरौती के लिए अपहरण सहित कई अन्य घटना को अंजाम दे चुका है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने चनगनी स्कूल मैदान में छापेमारी की।वहां पहुंचने पर शराब पीने के लिए बैठे तीन लोग पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने खदेड़कर तीनों को पकड़ लिया। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद एक आरोपी ने अपना नाम मंसूर अंसारी, दूसरे ने लक्की उरांव और तीसरे ने साहबान अंसारी बताया। कड़ाई से पूछताछ करने पर तीनों ने बताया कि उनकी योजना बेड़ो के व्यापारियों से रंगदारी मांगने और रंगदारी नहीं देने पर हत्या करने की थी। घटना को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने एक देसी राइफल और एक कार्बाइन का भी जुगाड़ किया था।

ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि मंसूर और लक्की दोनों का ही आपराधिक इतिहास रहा है। मंसूर के ऊपर राँची के मांडर, इटकी, नगड़ी और कोतवाली थाना में कई मामले दर्ज हैं।●

पुलिस ने दो हथियार सप्लायर को धर दबोचा

● **ओम प्रकाश**

लोहरदगा जिला में दो हथियार सप्लायर पकड़े गए हैं। पुलिस ने फिल्मी अंदाज में जाल बिछाकर इन हथियार सप्लायरों को पकड़ा है।इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए गए है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए इन हथियार सप्लायरों को पकड़ा है। पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्रवाई कर रही है। बताया जाता है कि एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एक टीम गठित किया गया।उसके बाद पुलिस खरीदार बनकर अपराधियों तक पहुंची थी। पुलिस ने अपराधियों से संपर्क कर कहा कि उन्हें हथियार खरीदना है।इसके बाद एक तय स्थान पर बुलाया गया। जहां पर पुलिस ने घेर कर अपराधियों को पकड़ लिया। बता दे कि जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के जमगाई रोड पंडरिया में आम बगान के पास से ये दोनों हथियार सप्लायर गिरफ्तार हुए हैं। भंडरा थाना पुलिस की टीम ने हथियार सप्लायर कुंदन गोप उर्फ लंगड़ा और चिरंजीवी कृष्णा को गिरफ्तार किया है।वहीं मौके से चार देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा, 82 जिंदा कारतूस और अतिरिक्त चार मैगजीन बरामद किया गया

है। इस सम्बंध में लोहरदगा एसपी हारिस बिन जमां ने प्रेसवार्ता में बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कुछ हथियार सप्लायर हथियारों की खरीद बिक्री के लिए आसपास के इलाकों में घूम रहे हैं। इसके बाद जिला पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम की कार्रवाई में कुंदन गोप उर्फ लंगड़ा पुलिस के हत्थे चढ़ गया। वह राँची जिला के इटकी थाना क्षेत्र मोरो गांव का निवासी है। वहीं चिरंजीवी कृष्णा हाजी चौक दलादिली राँची का निवासी है। इस मामले में हथियार कारोबार मे संलिप्त दो अन्य अभियुक्त की तलाश जारी हैं। एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि हथियारों की खरीद बिक्री होने वाली है। इसके आलोक में एक टीम गठन कर भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जमगाई रोड पंडरिया में आम बगान के पास दो युवक कुंदन गोप उर्फ लंगड़ा और चिरजीव कृष्णा को पकड़ा गया।उन दोनों के पास से एक देसी निर्मित कट्टा, चार पिस्टल, 7.65 एमएम का 80 पीस जिंदा कारतूस और दो पीस 8 एमएम का जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पकड़े दोनों अपराधी व दो अन्य नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध कांड दर्ज किया गया है।●

होटल में चल रहा था जुआ डीएसपी ने फिल्मी अंदाज में मारा छापा

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित तमाशा बार एंड रेस्टुरेंट और 3 होटल में पुलिस के द्वारा की गई छापेमारी में बड़ा खुलासा हुआ है। होटल के अंदर ही जुए का बड़ा खेल चल रहा था। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो होटल कर्मी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक बिल्डर भी शामिल है जबकि अन्य जुआरी पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल हुए है। जानकारी के अनुसार हाईकोर्ट के निर्देश की धज्जियां उड़ाते हुए राँची के कचहरी चौक के पास स्थित तमाशा बार एंड रेस्टुरेंट और 3 होटल में देर रात तक डीजे बज रहा था और साथ ही जुए का बड़ा खेल हो रहा था। जिसकी जानकारी पुलिस को मिलने के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम के द्वारा देर रात छापेमारी की गई। इस छापेमारी में पुलिस ने देखा कि सीसीटीवी कैमरे को टिशू पेपर से ढंक दिया गया था और वही पर जुए का खेल चल रहा था। ताकि जुए के खेल की जानकारी किसी को न मिल पाए। मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि देर रात तक डीजे और शराब परोसने की जानकारी एसएसपी को मिली थी। जिसके बाद जब पुलिस की टीम पहुंची तो वहां अवैध रूप से चल रहे बड़े पैमाने पर जुआ के खेल की भी जानकारी मिली। मामले में अब तक रमेश कुमार शर्मा, मनोज कुमार पंडित, होटल कर्मी अनिल चंद्र मंडल और एक होटल कर्मी सचिन कुमार को गिरफ्तार किया गया है। ममाले में जुआ का मुख्य संचालन करने वाले लोहिया, तमाशा रेस्टोरेंट बार/3 होटल मालिक और तमाशा रेस्टो बार/3 होटल के मैनेजर खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कुल सात लोगों पर केस दर्ज किया गया है।चार लोगों की गिरफ्तारी हुई है।अन्य तीन की तलाश जारी है।पुलिस ने जुआ अड्डा से एक लाख 81 हजार रुपया कैश,ताश की गड्डी,डीजे सहित शराब भी जब्त किया है।

☞ **मुख्य सरगना और होटल संचालक की है तलाश :-** डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया की अवैध रूप से होटल में जुए एवं देर रात तक शराब पिलाने का कार्य चल रहा था।ये जानकारी होने के बाद भी होटल संचालक ने पुलिस को किसी तरह सूचना नहीं दी। वहीं नियमों की अनदेखी कर होटल में देर रात तक शराब पार्टी,जुआ खेलाने सहित कई अवैध काम होने सूचना पुलिस को मिली है। होटल संचालक के ऊपर भी केस दर्ज किया गया है। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार जुआरियों ने पूछताछ में बताया कि जुआ खेलाने का मुख्य सरगना कोई लोहिया नाम का आदमी है,जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। पूछताछ में आरोपी ने कई जानकारी दी है। जिसपर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। बताया गया कि पूछताछ में जानकारी मिली है कि होटल संचालक ने मौटी रकम लेकर अवैध जुआ खेलाने का परमिशन दिया था। कई दिनों से होटल में बड़े पैमाने पर अवैध जुआ का खेल हो रहा था। जुआरियों के लिए होटल में खाने पीने सहित अन्य सुविधा मुहैया कराई गई थी। कई इलाके के जुआरी होटल में जुआ खेलने पहुँच रहे थे।

☞ **अपने पुराने अंदाज में फिर एक बार छापेमारी करने पहुँचे डीएसपी :-** होटल में जुआ खेलाने की सूचना मिलने के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय अपने पुराने अंदाज में होटल पहुँचे। डीएसपी ने एक बार फिर ई-रिक्सा का प्रयोग किया। ई-रिक्सा से सिविल ड्रेस में होटल के पास पहुँचे। आम नागरिक की तरह होटल के पास उतरे और फिर फिल्मी अंदाज में होटल में एंट्री मारी और जुआरियों को दबोचा। हालांकि पुलिस के आने से पहले कई जुआरी भागने में कामयाब हो गए थे। बता दे की पूर्व में भी डीएसपी प्रकाश सोय ने सिविल ड्रेस में इस तरह से कई बार नशे के सौदागरों के खिलाफ ई-रिक्शा पर बैठकर अभियान चलाया है। ●

अपहरण की झूठी साजिश रच चढ़ा पुलिस के हत्थे

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की लालपुर थाना पुलिस ने झूठे अपहरण मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में आदर्श, शशांक उर्फ विक्की, परमेश्वर गोप, कार्तिक धीर ,अनिल प्रसाद और गुड्डू कुमार शामिल है। गिरफ्तार अपराधियों में परमेश्वर गोप एक बड़ा अपराधी है, जिसके खिलाफ अलग-अलग थानों में 32 मामले दर्ज है। युवक के अपहरण की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने कारवाई करते हुए मात्र एक घंटे के भीतर अपहरणकर्ताओं का ठिकाना खोज लिया। जांच में जो मामला सामने आया वह अपने आप में चौंकाने वाला था। मौके से साइबर अपराधियो का एक पूरा गिरोह पकड़ा गया। जबकि जिस युवक के अपहरण की सूचना मिली थी वह भी साइबर अपराधियों का साथी निकला। इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए, रांची के सीनियर एसपी चन्दन कुमार सिन्हा ने बताया कि साहिबगंज से एक व्यक्ति के द्वारा उन्हें फोन कर बताया कि उसके भांजे का नाम आदर्श मंडल है और उसका रांची के लालपुर इलाके से कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया है। उसको छोड़ने के बदले अपराह्नकर्ता फिरौती के 15 लाख रुपये की मांग कर रहा है। सूचना मिलने पर एसएसपी ने तुरंत ही रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया, जिसमें सिटी डीएसपी केवी रमन और शहर के कई थानेदारों को शामिल किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई की और टेक्निकल सेल से मिले इनपुट के आधार पर अपहृत आदर्श को रांची के पी एन बोस कम्पाउंड स्थित एक घर से बरामद कर लिया।जब पुलिस वालों ने आदर्श को देखा तो यह कही से नहीं लगा कि उसका अपहरण किया गया है। पुलिस की टीम जब अपहरणकर्ताओं के अड्डे पर पहुंची तो वहां आदर्श उन्हीं लोगो के साथ बैठकर शराब पी रहा था, जिनपर उसने अपहरण करने का आरोप लगाया था। जांच में यह बात सामने आई कि आदर्श ने शराब के नशे में अपने अपहरण की झूठी कहानी रची थी। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ में यह जानकारी मिली कि पूरा गिरोह साइबर ठगी का काम किया करता है।जांच के क्रम में गिरफ्तार अपराधियों के मोबाइल से ठगी के लिए किए गए ट्रांसेक्शन के सबूत भी मिले हैं।●

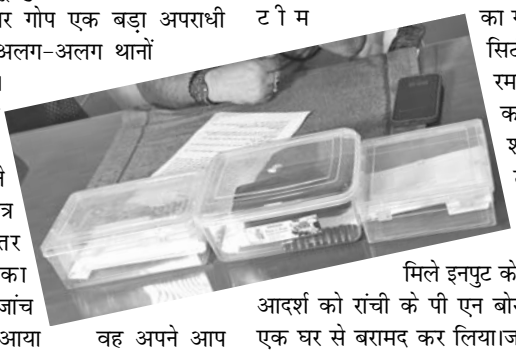

छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों का नामः-

- पुलिस उपाधीक्षक नगर, राँची।
- पु०नि० सह थाना प्रभारी लालपुर।
- पु0नि0 सह थाना प्रभारी लोअर बाजार।
- पु0नि0 सह थाना प्रभारी बरियातु।
- पु0नि0 सह थाना प्रभारी चुटिया।
- टी0ओ0पी0 प्रभारी मोराबादी।
- ओ०पी० प्रभारी मेसरा।
- पु0अ0नि0 पंकज कुमार शर्मा, लालपुर थाना।
- पु०अ०नि० जितेन्द्र साहु, लालपुर थाना।
- स०अ०नि० भीम सिंह।
- स०अ०नि० फैसल अहमद।
- तकनिकी शाखा राँची के कर्मी ।

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े।

खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

वेश बदलकर हथियार खरीदने पहुंचे डीएसपी प्रकाश

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की कोतवाली पुलिस ने एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी के लिए फिल्मी स्टाइल में जाल बिछाया था। बताते चले कि रांची के कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने फिल्मी अंदाज में एक आर्म्स सप्लायर को न सिर्फ गिरफ्तार किया, बल्कि उसके पास से दो पिस्टल, मैगजीन और कारतूस भी बरामद कर लिया। पुलिस ने जिस आरोपी को गिरफ्तार किया उसका नाम राजन है और वह हिंदपीढ़ी मस्जिद रोड का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से दो देसी पिस्टल के अलावा, तीन मैगजीन, दो गोली और एक एक्टिवा स्कूटी बरामद किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हथियार तस्कर राजन अवैध हथियार के साथ कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी रांची, अखाड़ा चौक के पास किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। जिसके बाद एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सिटी एसपी राजकुमार मेहता को कारवाई करने का निर्देश दिया और फिर पुलिस ने अपराधी राजन को रंगे हाथ गिरफ्तार करने की योजना बनाई , जिसके तहत कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने सप्लायर से हथियार खरीदने के लिए संपर्क किया। फोन पर बातचीत होने के बाद सौदा पक्का हुआ। मंगलवार देर रात डीएसपी को सप्लायर ने पुरानी रांची स्थित अखाड़ा के पास बुलाया और कहा की हथियार की डिलीवरी वहीं पर होगी। तय समय पर फिल्मी अंदाज में मेकअप कर मुस्लिम वेश में कुर्ता पायजामा और टोपी लगाकर डीएसपी प्रकाश सोय खुद अखड़ा पहुंचे और टीम में शामिल अन्य पुलिसकर्मी को कुछ दूरी पर खड़ा किया ताकि कोई उन्हें देख न सके। कुछ देर बाद सप्लायर हथियार लेकर अखड़ा स्थित एक खंडहरनुमा घर में पहुंचा। उसने डीएसपी को भीतर बुलाया और सप्लायर ने डीएसपी को पिस्टल दिखाकर कहा कि ये पिस्टल 45 हजार रुपए का है, एक दिन बढ़िया काम करता है। मिस फायर होने पर माल वापस ले लिया जाएगा। फिर सप्लायर ने डीएसपी को हथियार थमाया और कहा कि आप ठीक से चेक कर लीजिए। मन करे तो एक गोली फायर भी फायर कर सकते है, उसका पैसा नहीं लगेगा। पिस्टल देखने के बाद डीएसपी ने कहा कि यह उतना बढ़िया नहीं है। तो आरोपी ने एक और पिस्टल उन्हें दिया। जब डीएसपी ने पूछा की और हथियार है क्या? तो सप्लायर ने कहा फिलहाल दो ही है। आपको लेना है तो लीजिए। इतना सुनने के बाद डीएसपी ने तुरंत अपने साथियों को इशारा किया और सबने मिलकर सप्लायर को घेर कर धर दबोचा। रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया है कि वह हथियार की सप्लाई किया करता है। वह एक देसी पिस्टल 50 से 60 हजार रुपए तक में बिक्री करता था। उसने पुलिस को यह भी बताया कि वह मुंगेर से हथियार लाकर रांची में बिक्री किया करता है। आरोपी ने पुलिस को गिरोह से जुड़े अपने अन्य सदस्यों के नाम की भी जानकारी दी है।बता दे कि मामले में हटिया विधानसभा से एक प्रत्याशी सहित अन्य अपराधी भी पुलिस की रडार पर है। जिसके आधार पर आगे की कारवाई की जा रही है।●

दोस्त बनकर रूपये की लालच में की हत्या

● ओम प्रकाश

पिठोरिया थाना क्षेत्र के बाढ़ू गांव के रहने वाले जुबेर कुरैशी का 24 वर्षीय पुत्र शाहबाज कुरैशी का अपरहण कर उसकी बेरहमी से गमछा से गला घोटकर हत्या कर दी गई ।इस हत्या के आरोप में दो नाबालिग और एक बालिग छोटू उर्फ आशीष को पिठोरिया की पुलिस ने सभी के बयान लेने के बाद 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

☞ **क्या है पूरा मामला :-** पिठोरिया थाना प्रभारी गौतम राय के अनुसार बताया गया कि बीते 15 नंवबर 2024 को पिठोरिया थाना क्षेत्र के बाढ़ू के रहने वाले जुबेर कुरैशी ने अपने 24 वर्षीय पुत्र शाहबाज कुरैशी का लापता होने का थाना में सनहा दर्ज कराया था। इसके बाद 16 नवंबर को ही मोबाईल का सीडीआर निकाला गया और पता चला की कोकदरो गांव का अंतिम लोकेशन है। सभी लोग कोकदरो खोजने भी गये, लेकिन सफलता नहीं मिली। गांव के ही एक नाबालिग युवक के साथ उसके जाने का पता चला उसे हिरासत में लिया गया उससे पूछताछ हुई उसने शुरुआत में कुछ बात बताया और बाद फिर उसे हिरासत में लिया गया पूछ ताछ किया गया। रविवार को सूचना मिली कि थाना के नजदीक मुडहर पहाड़ के पास एक शव पड़ा हुआ है। पुलिस और गांव के लोग सभी पहुंचे और शव की शिनाख्त लापता शाहबाज कुरैशी के रुप में हुई। परिजन वहीं पर शव देखकर फफक कर रो पड़े और पूरा गांव मातम में तब्दील हो गया। देखते ही देखते लोग आक्रोशित होने लगे और गोलबंद होने लगे। पुलिस ने सभी को समझा बुझाकर शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।देर रात पोस्टमार्टम करके शव परिजन को सौंप दिया गया। सोमवार को पिठोरिया थाना क्षेत्र के नजदीक नया कब्रिस्तान में हजारों की संख्या में जमा हुए

लोगों के द्वारा शाहबाज की मिट्टी मंजिल कर दिया गया।

☞ **कैसे हुई हत्या :-** पुलिस के मुताबिक शाहबाज कुरैशी काम काज में अच्छा था और शरीफ लड़का था, उसका किसी से न कोई विवाद थी और न ही बहुत ज्यादा दोस्ती,लेकिन शाहबाज के घर के पास ही एक युवक था जो शाहबाज की रेकी किया करता था, जिससे शाहबाज अनजान था, शाहबाज के मोबाईल फोन पे में पैसे रहते थे, कभी कभी पैसे का ट्रांसफर शाहबाज अपने उसी नये दोस्त से करवाता था। उसको यह सब जानकारी हो गई थी कि शाहबाज के फोन पे में बहुत पैसे रहता है। लेकिन अंगूठे के निशान के बगैर पैसे नहीं निकाला जा सकता था। हालांकि उस गिरफ्तार युवक ने पहले कई बार कोशिश की लेकिन असफल रहा, तब उसने कोकदरो गांव के दूसरे नाबालिग को इसकी जानकारी दी,उसने भी ट्राय किया, लेकिन कामयाब नहीं हुआ। तब जाकर पतरातू के रहने वाले बालिग युवक छोटू उर्फ आशीष को जानकारी फोन से दी गई। आशीष पिठोरिया आया और फिर शाहबाज को बुलवाया। शाहबाज को शाम को मुडहर पहाड़ बहला फुसलाकर ले गया और वहीं एक हाथ कांधे में रखकर ऊपर पहाड़ पर चढ़ाया और पीछे से आशीष काला गमछा से शाहबाज का गला घोंट दिया और फिर उसके अंगूठा के निशान से मोबाईल खोल लिया। फिर शव को पहाड़ से नीचे फेंक दिया। आरोपियों ने शाहबाज की स्कूटी जेएच 01एफ ई 8668 को वहीं छोड़ दिया था। पुलिस ने सोमवार को तीसरे युवक आशीष को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अब पुलिस यह पता लगा रही थी कि तीनों बदमाशों ने शाहबाज की हत्या के बाद उसके खाता से पैसे निकाले की नहीं।

☞ **पुलिस कैसे हुई रेस :-** शाहबाज 15 नंवबर को लापता हुआ था,लेकिन पुलिस के द्वारा दूसरे दिन सोमवार को लापता का आवेदन लिया गया। यही आवेदन पत्रकार परवेज कुरैशी को मिला तो उन्होंने मुख्यालय डीएसपी 2 अमर पांडेय,ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल को व्हाट्सएप करके फोन से जानकारी दी। तब डीएसपी 2 अमर पांडेय ने तुरंत थाना प्रभारी को रेस किया, सीडीआर निकलवाया और फिर 24 घंटे के अंदर सब घटनाक्रम का उद्भेदन हो गया।

नए दोस्तों से परहेज करने की जरूरत :- वहीं पत्रकार परवेज ने बताया कि घटना बहुत ही दुखद है। पुलिस को लापता जैसे मामले पर तुरंत कार्रवाई करने की जरुरत है। साथ ही पिठोरिया का जो मुडहर पहाड़ और ऐसे जगहों पर जो सुनसान जगहें हैं उसे चिन्हित करके पुलिस की गस्ती को बढ़ाने की जरुरत है। ये सिर्फ पिठोरिया की नहीं बल्कि थाना क्षेत्र के वैसे सभी जगहों को चिन्हित करने की जरुरत है जहां अपराधिक घटनाएं होती हैं। नए दोस्त बनने से बचे। नये दोस्त हो या परिचित किसी को भी पैसे न दिखाएं, जमीन की जानकारी न दे,फोन और इसका पासवर्ड देने से बचें। किसी के साथ कहीं भी जाएं तो अपने परिवार को इसकी जानकारी जरुर दें। कहीं भी किसी तरह की किसी से कोई विवाद हो तो भी परिवार को बताए। वहीं गांव वाले ही बताते हैं कि गिरफ्तार युवक बाढ़ू में पहले भी छोटी मोटी चोरी वगैरह करता था जिसे गांव वाले नजरांदाज करते थे जो बाद में बड़ी घटना को उसने अंजाम दिया,इस तरह की घटनाओं पर भी बस्ती वालों को नजर रखने और कंट्रोल करने की जरुरत है।

☞ **हत्या के उद्भेदन में शामिल पुलिसकर्मी :-** शाहबाज कुरैशी की हत्या का उद्भेदन में पिठोरिया थाना प्रभारी गौतम राय, पुअनि संजय कुमार,सअनि अमृत प्रसाद आदि शामिल थे। ●

लेखपाल की लापरवाही से पुलिसकर्मियों का नहीं हो पाया भुगतान

● ओम प्रकाश

विधानसभा चुनाव-2024 में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को देशीय भत्ता के अग्रिम भुगतान के लिए पूरे झारखंड राज्य में लगभाग 20 करोड़ राशि पूर्व में ही भेजा गया है। लेकिन कई जिला/इकाई के लेखापाल की लापरवाही के द्वारा पुलिसकर्मियों को ससमय भुगतान नहीं हो पाया है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रतिमंडल ने मिलकर पुन: सदस्यों के हित के लिए पुलिस उप- महानिरीक्षक बजट नौशाद अलम से मिलकर पूरी जानकारी दी और बचे हुए सभी सदस्यों के लिए पत्र निर्गत किया ताकि अविलंब अग्रिम राशि समय से सभी पुलिसकर्मियों को मिल सके। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रतिमंडल में महामंत्री मो. महताब आलम एवं संयुक्त सचिव शाह कोषाध्यक्ष रंजन कुमार ने संयुक्त रूप से पुलिस उप-महानिरीक्षक बजट नौशाद अलम को ज्ञापन सोपा। बता दे कि झारखण्ड के कार्मिक डीआईजी नौशाद आलम के सार्थक पहल और प्रयास से वर्षों से चले आ रहे लम्बित मामलों का नष्पादन हुआ जो निश्चित तौर पर सराहनीय के साथ-साथ उपलब्धि भरा कार्य है। श्री आलम की यह उपलब्धि रही है कि 1 जनवरी 2024 को कार्मिक डीआईजी के रूप में योगदान देने के बाद से निरंतर कई उपलब्धि भरे कार्यों का निस्पादन कर कार्मिक विभाग के प्रति शाख और विश्वास दोनों बढ़ाया है। महज ग्यारह माह के कार्यकाल में ही श्री आलम के द्वारा

अबतक उपलब्धि भरे कार्य यह बताने के लिए काफी है कि श्री आलम के पदस्थापनाकाल के बाद से कार्मिक विभाग में कार्यों का निष्पादन काफी तेजी के साथ हुआ है।●

रहमानी एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट का मना 8वाँ जलसा

● ओम प्रकाश

रहमानी एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट का आठवा जलसा मनाया गया। इस मौके पर, मदरसा रहमानिया पारसटोली के बच्चों ने तालिमे मुजाहिरा पेश किया, जिनके चीफ गेस्ट नौशाद आलम, डीआईजी कार्मिक झारखण्ड शामिल हुए। उन्होंने ने कहा माशरे में तालिम की कमी है, जिसमें रहमानी एजूकेशनल ट्रस्ट ने इस शहर में कई जगह ईदारा खोल कर अपने काम को बाखूबी अंजाम दे रहे है,जो की काबिले तारिफ है। इस मौके पर रहमानी ट्रस्ट के चेयरमैन हाफिज मो मिकाईल रहमानी ने कहा कि मैंने इस मदरसे को एक बच्चे से शुरू किया था।आज इसमे 250 से 300 बच्चे पढ़ाई कर रहे है। इसमें वे बच्चे ज्यादा तर पढ़ रहे जो किसी वजह पढ़ नहीं पाए और उनको कोई सपोर्ट नहीं मिला, वैसे बच्चे को पढ़ाने का काम हमारा ट्रस्ट कर रहा है। इस मौके पर सय्यद ,मो उमैर , हाजी मजहर, डॉ.एस.एस सिंह ने इस मदरसा को सराहा

है। जिन बच्चों ने 1st, 2nd, 3rd किया। उन्हें पुरस्कृत किया गया। आलिया परवीन, मेहर परवीन, मुसररत परवीन वगैरा को पुरस्कार से नवाजा गया। इस तकरीर में अली अंसारी, अली अख्तर, हुसैन मिरजा गालिब, मशूद आलम, मास्टर तौहिद, हाजी कलिम, हाफिज इजराइल, हूसैनी, जाफिर, माजिद, मो० सुहेब, आफरीन परवीन, आशिया परवीन और काफी तादाद में लोग शामिल हुए। ट्रस्ट के चेयरमैन हाफिज मो० मिकाईल रहमानी ने आए हुए तमाम लोगों का शुक्रिया अदा किया।●

6 दिसम्बर को होगा विवाह पंचमी : पंडित तरूण झा

● निलेन्दु झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान,डॉ० रहमान चौक सहरसा के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी के अनुसार, एवं मिथिला विश्वविद्यालय पंचांग के अनुसार,विवाह पंचमी का त्योहार हर साल मार्गशीर्ष अगहन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है, यह दिन मुख्य रूप से श्रीराम और माता सीता के पवित्र विवाह के शुभ अवसर को समर्पित है, धार्मिक मान्यता है कि इस दिन माता सीता और भगवान राम का विवाह जनकपुर में संपन्न हुआ था,इसलिए इस दिन को विवाह पंचमी के नाम से जाना जाता है, यह पर्व विशेष रूप से उत्तर भारत, मिथिला और नेपाल में बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है,

विवाह पंचमी का पर्व वैवाहिक जीवन की खुशहाली एवं समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।इससे आपके सुख-सौभाग्य में तो बढ़ोतरी होगी ही, साथ ही आपके सारे काम भी सिद्ध होंगे! इस साल विवाह पंचमी 06 दिसम्बर, 2024, को मनाया जाएगा।●

नयानगर की भगवती माता की महिमा है अपरमपार : अंजु झा

● निलेन्दु झा

कोसी रेंज की वरिष्ठ कवियत्री एवं लेखिका श्रीमती अंजु झा जी ने बताया की मधेपुरा जिले के नया नगर स्थित भगवती स्थान,जो उदाकिशनगंज प्रखंड में पड़ता है, यह स्थान शक्तिपीठ के रूप में प्रसिद्ध है,स्थानीय लोगों के अनुसार राजा रामदेव के द्वारा मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित की गई थी! नया नगर स्थित मंदिर की बनावट अष्टभुजाकार एवं शीर्ष पर अष्टदल कमल स्थापित है, इस मंदिर में माता की दो भुजाओं वाली प्रतिमा विराजमान है यहां माता बिना किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र के स्थापित है, यहां माता की पूजा अर्चना श्रीखंड चंदन से होती है, लेकिन रक्त चंदन से होने वाली पूजा अर्चना का विशेष महत्व है,जो महा अष्टमी को रात्रि में गर्भगृह में किया जाता है,इस मंदिर के प्रांगण में कई रक्त चंदन के पेड़ भी है,कई बार लोगों ने इस पेड़ को अपने दरबाजे पर लगाने का

प्रयास किया पर यह चंदन का पेड़ मंदिर के प्रांगण के अलावा कहीं और लगाने से सूख जाता है,यहां प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को बैरागन का आयोजन होता है।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- इस महीने जातक को ऐसे लोगों से लाभ होगा, जिनसे मिले कुछ ही समय हुआ है और साथ ही आमदनी के नए स्रोत उत्पन्न होंगे,वैवाहिक जीवन का सुख प्राप्त होगा। कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ आपसे प्रभावित होंगे।

वृषभ राशि :- इस महीने जातक को किस्मत का पूरा साथ मिलेगा, इस महीने किसी फेमस पर्सनालिटी से मिलने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। भाई-बहन के बीच आपसी टकराव हो सकता है, इस महीने अविवाहित जातक के लिए शादी का प्रस्ताव आएगा, जिससे घर का माहौल अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि :- यह महीना जातक को परिश्रम का फल देने वाला सिद्ध होगा,संचार माध्यम से कोई लाभदायक सूचना मिलेगी। महीने के अन्त में काम के बोझ के कारण थका हुआ महसूस करेंगे।

कर्क राशि :- यह महीना जातक का आर्थिक रूप से अच्छा रहने वाला है। पैसों के नए स्त्रोत बनेंगे, दोस्त आपको गलत रास्ता दिखा सकते हैं, सतर्क रहें। सरकारी कामों में उन्नति मिलेगी। भविष्य के लिए धन की बचत करेंगे। संतान सुख प्राप्त होगा।

सिंह राशि :- यह महीना जातक का सामान्य रहेगा, कार्य समय से पूरे होने के कारण मन प्रसन्न रहेगा, साज-सज्जा के समानों पर धन व्यय होगा,नौकरीपेशा जातको की उच्च पद अधिकारी के साथ वाद-विवाद हो सकता है, सतर्क रहें।

कन्या राशि :- यह महीना आर्थिक रूप से जातक का अच्छा नहीं है। हानी के करण डिप्रेशन महसूस कर सकते हैं। जातक इस माह कुछ नए कार्य हाथ में लेंगे, किन्तु अच्छा प्रदर्शन नही कर पाएंगे। माह के अंत में एक नया उत्साह दिखाई देगा। परिवारिक विवाद सुलझाने में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

तुला राशि :- इस महीने जातक अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहेंगे। नौकरीपेशा वर्ग कोई साइड व्यापार करने का प्लान बनाएंगे। किन्तु आलस्य हावी होने के कारण क्रियान्वित नहीं कर पाएंगे।

वृश्चिक राशि :- यह महीना जातक का ऊर्जा से भरपूर रहेगा। अटके हुए कार्यों को आसानी से खत्म कर लेंगे। नया व्यापार करने के लिए समय उत्तम रहेगा, आकस्मिक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

धनु राशि :- यह महीना जातक के लिए लाभदायक सिद्ध होने वाला है। माह के शुरुवात से ही व्यापार में लाभ प्राप्ति के योग बनेंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार मे शांतिमय वातावरण रहेगा। रिश्तेदारी से सुखद समाचार प्राप्त होगा।

मकर राशि :-इस् महीने जातक् अनुभवी लोगो के साथ् अपना समय व्यतीत करेंगे। माह के मध्य मे अत्यधिक कार्य के कारण खुद को तनावग्रस्त महसूस कर सकते है। माह के अन्त में जातक को निकट का व्यक्ति धोका दे सकता है!

कुंभ राशि :- यह महीना जातक का शानदार व्यतीत होने वाला है। जो सपने जातक ने देखे हैं, इस महीने पूरे हो सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता प्राप्त होगी। जो जातक लंबे समय से नौकरी करने के इच्छुक हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होगी

मीन राशि :- यह महीना जातक का भाग्योदय होने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलने की उम्मीद है। प्रॉपर्टी खरीदने के योग है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। माह के शुरुआत मे ही महत्वपूर्ण कार्य कर लेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

★ कब एक पति द्वारा अपनी ही पत्नी के साथ उसके मर्जी से शारीरिक संबंध बनाने पर बलात्कार की कोटि में आता है ?

यदि पत्नी की आयु 15 वर्ष से कम है तो पति द्वारा किया गया मैथुन बलात्कार की श्रेणी में आता है साथी यदि जो कि अपनी पत्नी के साथ जो पृथक्करण की किसी डिक्री के अधीन या किसी प्रकार या रीति रिवाजों के अधीन उससे अलग रह रही हो तो उसकी सहमति के बिना मैथुन करता है तो वैसे पति को 2 वर्षों से लेकर 7 वर्षों तक का कारावास और जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है इस अपराध के लिए दंड की व्यवस्था भारतीय दंड संहिता की अधिनियम की धारा 376 ख में किया गया है यह एक संगीन एवं अजमानती अपराध होता है इसकी ट्रायल सेशन न्यायालय में किया जाता है।

★ क्या दो नपुंसको या दो पुरुषों या स्त्रियों के बीच किया गया विवाह वैध होता है?

दो नपुंसको के बीच किया गया विवाह शुन्य होता है यही बात दो पुरुषों के बीच या दो महिलाओं के बीच किया गया विवाह के ऊपर भी लागू होता है क्योंकि विवाह के लिए दो पक्ष कार होनी चाहिए जिनमें एक पक्षकार का पुरुष होना तथा दूसरे पक्षकार का स्त्री होना आवश्यक होता है इसलिए यदि दो पुरुष आपस में विवाह करते हैं तो वह विवाह शुन्य माना जाएगा या दो महिला आपस में विवाह करती है तो भी वह विवाह शुन्य होता है।

★ दहेज हत्या के एक मामले में सेशन जज ने दहेज हत्या 304इ एवं हत्या 302 भारतीय दंड संहिता की धाराओं में आरोप गठन किया है क्या यह सही है ?

सुप्रीम कोर्ट की एक खंडपीठ ने 22 नवंबर 2010 को दहेज हत्या संबंधी राजवीर एवं अन्य बनाम राज्य 2010 के एक मामले का निस्तारण करते हुए देश की सभी निचली अदालतों को यह निर्देश दिया है कि दहेज प्रताड़ना से हुई मौत के मामलों में वह मुदालय पर धारा 304 बी के साथ 302 हत्या के अपराध का भी आरोप गठन करें ताकि इस जघन्य अपराध के लिए उसे मौत की भी सजा दी जा सके यह महत्वपूर्ण आदेश न्यायमूर्ति मार्कंडेय काटजू और न्यायमूर्ति ज्ञान सुधा मिश्रा की पीठ ने हरियाणा के दहेज हत्या के उक्त मामले में सुनवाई के दौरान दिया था।

★ क्या फुटपाथ पर अपना जीवन गुजर बसर करने वाले गरीबों के आवास के लिए कोई कानून बनाया गया है?

फुटपाथ पर अपना जीवन बिताने वाले लोगों को आश्रय उपलब्ध कराना यह सरकार की जिम्मेवारी है इसके लिए इंदिरा आवास योजना रैन बसेरा इत्यादि कार्यक्रम सरकार के द्वारा चलाए जाते रहे हैं सुप्रीम कोर्ट ने भी इस संबंध में पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम भारत संघ 2001 की रिट याचिका संख्या 196/ 2001 पर दिए निर्णय में न्यायालय ने यह आदेश दिया है कि फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को आश्रय देने की जिम्मेदारी सरकार की है न्यायालय के कमिश्नर डॉ एन सी सक्सेना और स्पेशल कमिश्नर हर्ष मंडल ने यह निर्णय 2 फरवरी 2010 को दिया था।

★ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने पर कितने वर्षों तक की सजा हो सकती है?

जो कोई व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति पर जो लोक सेवक हो उस समय जब वैसे लोक सेवक होने के नाते वह अपने कर्तव्य का निष्पादन कर रहा हो तो इस आशय से की उस व्यक्ति को वैसे लोक सेवक के नाते अपने कर्तव्य के निर्वहन से रोकने या डराने या ऐसे लोक सेवक के नाते उसके अपने कर्तव्य के विधि पूर्वक निर्वहन में की गई या की जाने के लिए किसी बात के परिणाम स्वरुप हमला करेगा या आपराधिक बल का प्रयोग करेगा वह दोनों में से किसी भी प्रकार के कारावास की अवधि 2 वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माना से या दोनों से दंडित किया जा सकता है इसकी व्यवस्था भारतीय दंड संहिता की धारा 353 में की गई है।

★ क्या न्यायालय के खिलाफ पत्रिका या किसी भी मीडिया में समाचार छापना या दिखाना न्यायिक अवमानना का अपराध होता है?

न्यायालय अवमानना अधिनियम 1971 (कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट 1971) की धारा 5 के अनुसार न्यायिक कार्य की उचित आलोचना अवमानना नहीं कहलाती है ।इस धारा के अनुसार कोई व्यक्ति किसी ऐसे मामले की जिसकी सुनवाई हो चुकी हो और उसमें न्यायालय द्वारा अंतिम रूप से फैसला दिया जा चुका हो उसके गुण अवगुण पर किसी उचित आलोचना का प्रकाशन करने या प्रसारण करने पर न्यायालय अवमानना का अपराध नहीं होता है कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट के अपराध मे धारा 12 के अनुसार जो कोई व्यक्ति न्यायालय अवमानना का दोषी पाया जाएगा उसे सादे कारावास से जिसकी अवधि 6 माह तक की हो सकती है दंडित किया जा सकता है।

★ क्या दो नपुंसको या दो पुरुषों या स्त्रियों के बीच किया गया विवाह वैध होता है?

दो नपुंसको के बीच किया गया विवाह शुन्य होता है यही बात दो पुरुषों के बीच या दो महिलाओं के बीच किया गया विवाह के ऊपर भी लागू होता है क्योंकि विवाह के लिए दो पक्ष कार होनी चाहिए जिनमें एक पक्षकार का पुरुष होना तथा दूसरे पक्षकार का स्त्री होना आवश्यक होता है इसलिए यदि दो पुरुष आपस में विवाह करते हैं तो वह विवाह शुन्य माना जाएगा या दो महिला आपस में विवाह करती है तो भी वह विवाह शुन्य होता है।

★ न्यायालय में झूठी गवाही देने पर कितने वर्षों तक की सजा हो सकती है?

अगर कोई गवाह जानबूझकर किसी न्यायिक कार्यवाही के किसी चरण में झूठा साक्ष्य देता है या किसी न्यायिक कार्यवाही के किसी चरण में उपयोग में लाए जाने के प्रयोजन से मिथ्या साक्ष गढ़ता है तो वैसे व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता की धारा 193 के अनुसार 7 वर्षों तक की सजा हो सकती है साथ ही जुर्माने से भी दंडित किया जा सकता है यह एक असंगेय एवं जमानती अपराध होता है जिसका विचारण फर्स्ट क्लास जुडिशल मजिस्ट्रेट के द्वारा किया जाता है।

स्वच्छ दानापुर

सुन्दर दानापुर

कार्यालय नगर परिषद् दानापुर निजामत

तकियापर, दीघा, दानापुर

आप सभी नगरवासियों को दीपावली,
छठ पूजा एवं गुरू नानक जंयती (प्रकाश पर्व)
की हार्दिक शुभकामनाएं।

-: निवेदक :-

पंकज कुमार

कार्यपालक पदाधिकारी

कार्यालय नगर परिषद् दानापुर निजामत

Ashirwad
आशीर्वाद

स्व-तंत्र अलौकिक चिकित्सालय

Badauan, Gaya (Bihar)

डायबिटीज, गठिया, चर्मरोग, पथरी,
एक्जिमा, गैस्ट्रिक, माइग्रेन,
बांझपन, ल्यूकोरीया, थायराइड,
मोटापा, श्वास, बवासीर, इत्यादि
जटिल रोगों का उपचार
करा कर थक चुके हैं, तो
सम्पर्क कर सकते हैं :-

Dr. Mantu Mishra

फोन नंबर :- 9939978397

समय :- सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

शुद्ध चावल एवं मक्के के आटे से निर्मित नमकीन

Dhunky NAMKEEN

Shree Shyamji Udyog

गजब स्वाद की ! गजब कहानी !

fssai

Lic No. 1042411000004

Veg Biryani
masala pola
katori chaat
rings
snacks

Expanding our Namkeen Family!
Dealers inquiries welcome, contact us today!

NEAR JAI PRAKASH EVENING INTER COLLEGE
JANDAHA ROAD HAJIPUR (VAISHALI)
MOB: 7782053204

MADE IN INDIA

PURE

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008